स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, सोमवार
2 नवंबर, 2026
कार्त्तिक मास कृष्ण पक्ष 8
सं. 2083 वि.
वर्ष 80, अंक - 75, पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net



पीवी सिंधू ने जीता हाइलो ओपन का खिताब

मौसम

न्यूनतम तापमान 19

अधिकतम तापमान 29

सूर्यास्त 5.22 सूर्योदय 6.16

खबर एक नज़र

पंजाब में दो विधायकों ने छोड़ी आप

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो विधायकों हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दोनों विधायकों के इस फैसले को 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है। हरमीत सिंह पठानमाजरा सनौर विधानसभा सीट से विधायक हैं, जबकि चेतन सिंह जौरामाजरा समाना सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। पार्टी ने एक दिन पहले ही विस प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की थी।

मणिपुर : दो घटनाओं में पांच लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। इसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की जान चली गई। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव रविवार को मिले। दोनों युवक ताफौ कुकी गांव से लापता हुए थे। पहाड़ी इलाके में मिले शवों की पहचान की जा रही है। इस साल मणिपुर में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में करीब 100 लोगों की मौत हो चुकी है।

कमर्शियल सिलिंडर हुआ महंगा

नई दिल्ली। दिवाली और छठ पूजा से पहले देश के कारोबारियों को महंगाई का एक और झटका लगा है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने एक नवंबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। अलग-अलग शहरों में सिलिंडर के दाम 10 से 12 रुपये तक बढ़े हैं। नई दरें रविवार से देशभर में लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

रामलीला मैदान : इंडिया गठबंधन की रैली में गरजे राहुल

ज्ञानेश कुमार को भेजेंगे जेल

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और विपक्ष को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वहीं, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने एसआईआर और मतगणना को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने भी कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाया।



■ मोदी को हटाएंगे : खरगे

राहुल ने कहा कि मैं स्टेज से कहना चाहता हूं। मैं जो कहता हूं वो होता है न। मैंने कोविड-19 के बारे में बोला, सच हुआ। मैं आपको स्टेज से कह रहा हूं कि ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा। ज्ञानेश कुमार हिंदुस्तान में जेल जाएगा। और अगर यह आम चोरी नहीं है कि किसी ने दुकान से थोड़ी सी छोटी चोरी कर ली। उसके लिए जेल होती है। इन्होंने नॉर्मल चोरी नहीं की है। यह हिंदुस्तान के हर नागरिक के आवाज की चोरी है। इसको कानूनी गलियारों में रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस कहते हैं। इसे देशद्रोही कहते हैं, इसे ट्रीजन कहते हैं और ज्ञानेश कुमार के बिना न नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनता, न अमित शाह गृह मंत्री बनता। आरएसएस इस देश की सारी संस्थाओं को कैप्चर कर लिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सीबीआई, ईडी, न्यायपालिका, नौकरशाही, पुलिस सारी की सारी संस्थाएं, जो आपकी हैं, वह नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आरएसएस की नहीं, युवाओं की संस्थाएं हैं। वह इन्होंने कैप्चर कर रखी हैं।

रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में 'चोरी सरकारें' हैं। भाजपा को सत्ता से बेदखल किए बिना हम चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी हमें डराने के लिए ईडी जैसी सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं क्योंकि हम सभी जानते हैं कि कैसे लड़ना है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- पीएम मोदी हमें बांटने की कोशिश कर रहे हैं, वह लोगों के वोट छीनने की कोशिश कर रहे हैं। रामलीला मैदान की रैली में कहा मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- अगर मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बच सकता है।

यूपी में हिंदुओं के 1.27 करोड़ वोट काटे गए



समाजवादी पार्टी के सांसद और अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, ''जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। तबसे सामने आ रहा है कि जनता हमारे साथ जुटना चाहती है। अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं। जो लोग तय कर के आए हैं कि अंगद का पैर है, वे जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखोगे। जो लोग दावा करते थे कि डबल इंजन की सरकार है, उन्हें काशी की जनता ने जवाब दिया है। वे एक बार एक हार से संतुष्ट नहीं थे।''

ईवीएम, लोकतंत्र और संविधान को लूटा

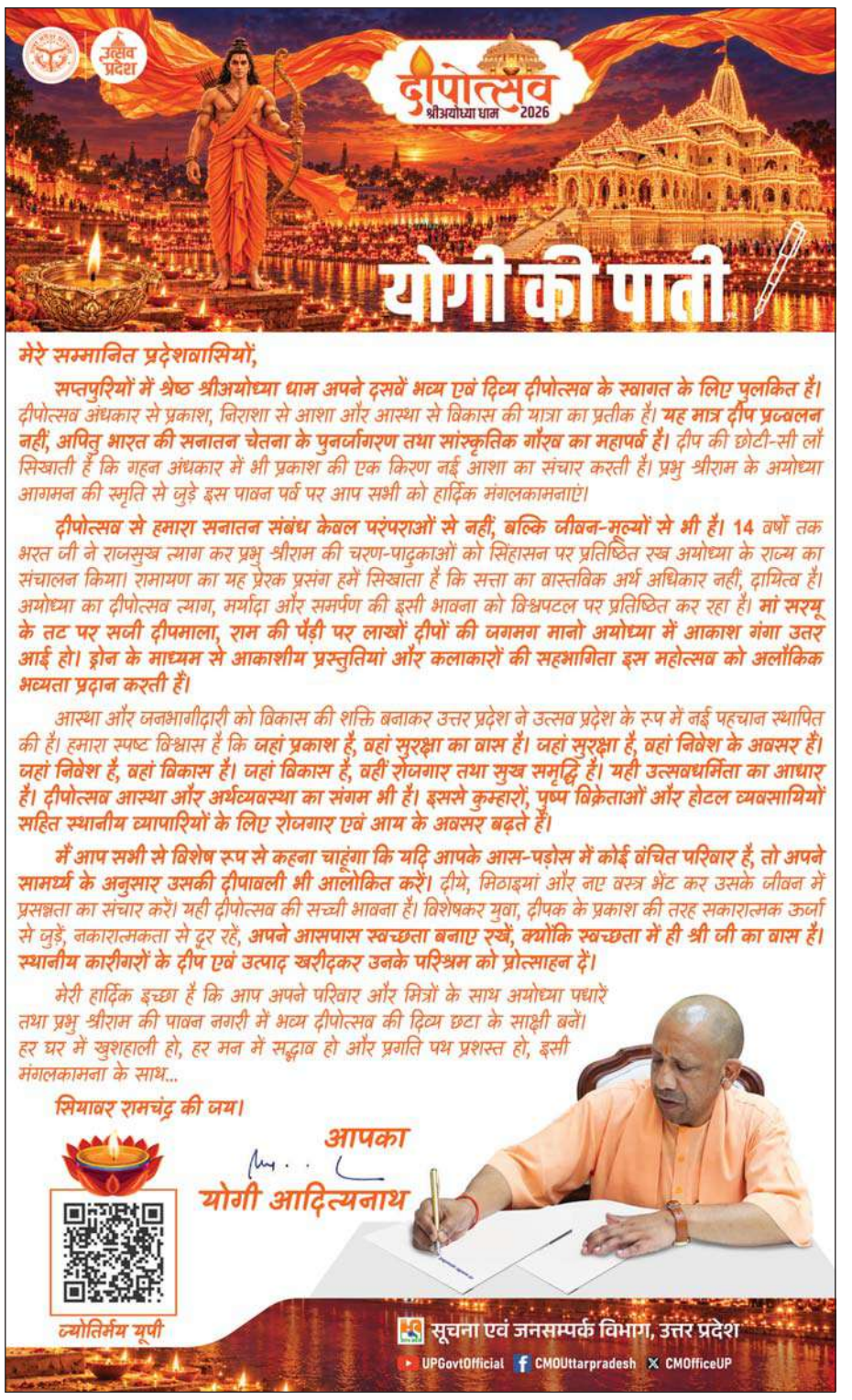


टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने रामलीला मैदान से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगा। ममता ने कहा 'हम हारे नहीं, हराए गए हैं।' उन्होंने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर आरोप लगाया कि राज्य इसके कारण प्रभावित हुआ है।

बिहार से वोट चोरी शुरू



आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी रैली में वोट चोरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी की शुरुआत बिहार से हुई थी। तेजस्वी ने सरकार पर निशाना साधते हुए उसे 'दो नंबरी' बताया। तेजस्वी के बयान से साफ रहा कि विपक्षी गठबंधन मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों को राजनीतिक बहस के केंद्र में रखना चाहता है।



14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजे गए आजम खां

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पेश किया गया। उनकी पेशी को लेकर कोर्ट परिसर के आसपास लोगों और समर्थकों का जमावड़ा लग गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा और पूरे परिसर में सतर्कता बरती गई। दरअसल, आजम खां को शनिवार को रामपुर जेल से रिहाई के तुरंत बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। यह कार्रवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। ईडी की टीम आजम खां को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए कस्टडी रिमांड की मांग की।

■ गाजियाबाद कोर्ट में किया गया था पेश

नीट विवादः नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली परीक्षा सुधार समिति का कार्यकाल बढ़ा, जनवरी 2027 तक देगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली इस समिति को अब जनवरी 2027 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। पहले समिति को अक्तूबर 2027 तक रिपोर्ट देने का समय दिया गया था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, समिति की ओर से विभिन्न पक्षों के साथ विचार-विमर्श की प्रक्रिया अभी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में छह सदस्यीय इस उच्चस्तरीय टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। यह फैसला दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद लिया गया था। 25 जुलाई को हुए इस प्रदर्शन के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए समिति गठित करने की घोषणा की थी। समिति को अब तक छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, विषय विशेषज्ञों, उद्योग संगठनों और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं से 50 हजार से अधिक सुझाव मिल चुके हैं। समिति इन सुझावों के आधार पर परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार कर रही है। समिति ने 2024 में नीट पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार की ओर से गठित पैनल के प्रमुख और पूर्व इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन से भी चर्चा की है।

'विपक्ष जनादेश न मिलने से हताश'

चंडीगढ़। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली को लेकर निशाना साधा और कहा कि जनता का जनादेश नहीं मिलने से हताश कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। नवीन 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर विपक्ष की रैली के जवाब में हरियाणा के रोहतक में मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा' को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए प्रायश्चित करने और माफी मांगने के बजाय कांग्रेस दंगे की बरसी पर प्रदर्शन करने निकली है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी को सिख भाइयों के खिलाफ किए गए कृत्यों, नरसंहार और हत्याओं के लिए प्रायश्चित करना चाहिए था और माफी मांगनी चाहिए थी, जो 1984 में इसी दिन हुई थीं। इसके बजाय, आज वे प्रदर्शन करने निकल पड़े हैं।'

■ नितिन नवीन बोले- प्रायश्चित करे कांग्रेस

'ड्रोन-लंबी दूरी के हथियार बदल रहे लड़ाई का स्वरूप'

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कल नए वायुसेना प्रमुख का पद संभाल लिया। आज परेड ग्राउंड में सलामी लेने के बाद वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने कहा, भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभालना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। हमारी सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां अभी भी गंभीर बनी हुई हैं।



ड्रोन और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों जैसी नई तकनीकों और प्रणालियों से युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। नए एयर चीफ ने कहा, भारतीय वायुसेना को अगले दशक में देश की जरूरतों के मुताबिक खुद को तैयार करने के साथ युद्ध लड़ने और जीतने के लिए भी हमेशा तैयार रहना होगा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा, 'भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभालना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। आज सुबह मैंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उनका साहस हमारे लिए वह मानक है, जिस पर हम खुद को परखेंगे।' उन्होंने कहा, 'मैं एयर चीफ मार्शल एपी सिंह से वायुसेना की कमान संभाल रहा हूं। उनके नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने दिखाया कि सटीक और निर्णायक हवाई ताकत क्या कुछ कर सकती है। मैं उन्हें इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे पूरी तरह तैयार और मजबूत स्थिति में वायुसेना की जिम्मेदारी सौंपी है।'

■ नए वायुसेना प्रमुख ने कहा- युद्ध जीतने के लिए तैयार रहें

'अर्नब' के बाद अब 'मुरासु' का खतरा

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव रविवार को चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया। इसके बाद ओडिशा सरकार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' बन गया है। इसके तीन नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। आईएमडी ने बताया कि भारत की ओर से नामित चक्रवात 'मुरासु' के बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके तीन नवंबर की सुबह नेल्लोर और नरसापुर के बीच आंध्र प्रदेश के तट को पार करने का अनुमान है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि झोंकों के साथ यह 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने दक्षिणी क्षेत्र में पहले ही हाई अलर्ट जारी कर दिया है। सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा में दो नवंबर से बारिश शुरू होगी। तीन और चार नवंबर को बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है।

■ बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात, अलर्ट जारी

कांग्रेस ने सिखों के जख्मों पर नमक छिड़का : शाह

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को चंडीगढ़ के स्थापना दिवस समारोह में कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार की बरसी के दिन दिल्ली में कांग्रेस की रैली आयोजित करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन हजारों सिखों की निर्मम हत्या हुई, उसी दिन कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने की क्या जरूरत थी। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस को पहले यह लगा था कि शायद राहुल गांधी उस समय छोटे थे या उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा, इसलिए उन्हें इस दिन के महत्व की जानकारी नहीं होगी। लेकिन भाजपा ने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस से अपील की थी कि 1, 2 और 3 नवंबर को रैली आयोजित न की जाए, क्योंकि ये वही दिन हैं जब सिख विरोधी दंगे हुए थे। अमित शाह ने आगे कहा कि कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। अब उनके बेटे राहुल गांधी ने उसी दिन दिल्ली में बड़ी रैली आयोजित की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस से अपील की थी कि 1 से 3 नवंबर के बीच कोई बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम न किया जाए, क्योंकि इससे सिख समुदाय की माताओं, बहनों और बच्चों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी।



■ दिल्ली में रैली आयोजित करने पर उठाए सवाल

'अज्ञानता-डर से पनपती है मनमानी सत्ता'

शिलांग। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने लोकतंत्र और कानून के शासन को मजबूत करने में 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण' के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मनमानी सत्ता अज्ञानता, डर और बिना परखे विश्वासों के सहारे पनपती है।मेघालय के री-भोई जिले में 'यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय' (यूएसटीएम) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, जस्टिस भुइयां ने शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच संबंध पर जोर देते हुए कहा, 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही कानून के शासन की नींव रखता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि मनमानी सत्ता अज्ञानता, डर और बिना परखे विश्वासों के दम पर फलती-फूलती है।' विश्वविद्यालय के सेंट्रल ऑडिटोरियम में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में कुल 1,469 छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए गए। 'एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज' की महासचिव पंकज मित्तल ने दीक्षांत समारोह में मुख्य संबोधन दिया। इस समारोह में गुवाहाटी हाई कोर्ट के जज - जस्टिस कल्याण राय सुराना, जस्टिस सौमित्र सैकिया, जस्टिस रॉबिन फूकन, जस्टिस करदक एते और जस्टिस उन्नी कृष्णन नायर के साथ-साथ गुवाहाटी हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस पी.के. डेका भी मौजूद थे।

■ जस्टिस भुइयां ने वैज्ञानिक सोच को बताया जरूरी

'राज धरम तो यहै 'सूर' जो प्रजा न जाहिं सताए'

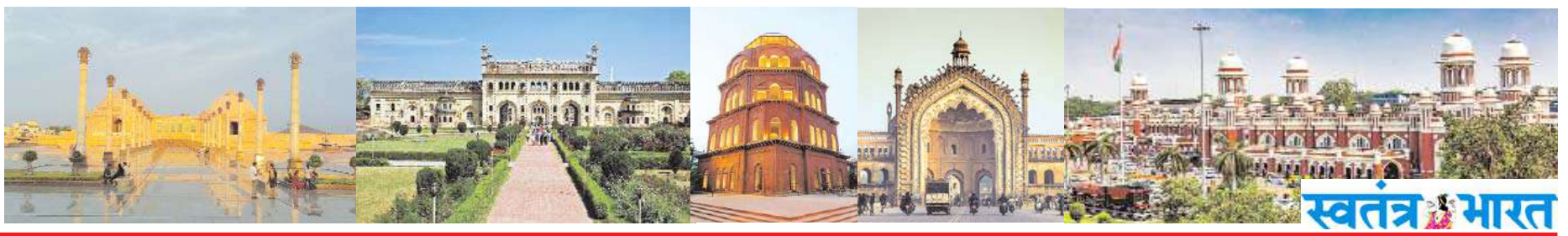
निर्विवाद तौर पर संसार के सर्वश्रेष्ठ कूटनीतिज्ञ भगवान श्रीकृष्ण के सौंदर्य–श्रृंगार, लीला–लावण्य और भक्ति–भाव से हिंदी साहित्य को सराबोर करनेवाले सूरदास जी ने दूसरों को दिए जाने वाले उपदेशों पर खुद भी अमल करने और हर हाल में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने को ही राजनीति और राजधर्म का परम प्राथमिक कर्तव्य बताते हुए लिखा है कि– 'हरि हैं राजनीति पढ़ि आए / तें क्यौं अनीति करें आपुन, जे और अनीति छुड़ाए / राज धरम तो यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए / हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।'

इस कसौटी पर परखें तो मौजूदा दौर की सियासी तस्वीर सूरदास की सीख और अपेक्षाओं के उलट न सिर्फ़ 'दूसरों को नसीहत, खुद मियाँ फ़ज़ीहत' वाली दिखाई पड़ती है बल्कि जनहित के प्रति भावनात्मक संवेदनशीलता और जनकल्याण को प्राथमिक जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार करने के ईमानदार दृढ़ संकल्प का भी अभाव नजर आता है। जबकि राजनीतिक दलों को नहीं भूलना चाहिए कि जनता केवल चुनावी सभाओं में जुटने वाली भीड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों, जिम्मेदारियों और परेशानियों से जूझने वाला समाज है जिसकी सुविधा, समय और आर्थिक हितों की रक्षा भी राजनीति की जवाबदेही का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन विडंबना है कि जनहित के प्रति जिम्मेदारी और संवेदना को ताक पर रखकर पक्ष–प्रतिपक्ष द्वारा सड़क पर शक्ति प्रदर्शन करके अपनी राजनीति चमकाने के लिए ऐसे समय और तरीके का चयन किया गया है जब धनतेरस से लेकर देवोत्थान एकादशी तक का साल का सबसे बड़ा और पावन त्योहारी पखवाड़ा मनाने की तैयारियों और खरीदारियों में हर व्यक्ति, हर परिवार और पूरा समाज अपनी-अपनी सामर्थ्य एवं भावनाओं के अनुसार व्यस्त और उलझा हुआ है। बेशक, लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध और जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का अधिकार और जिम्मेदारी है। इसी तरह सरकार को भी अपने निर्णयों का बचाव और विरोधियों की असली मंशा का खुलासा करने का अधिकार है। लेकिन, समस्या तब होती है जब राजनीतिक संघर्ष में जनसुविधा पीछे छूट जाती है और सड़कें लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के बहाने शक्ति प्रदर्शन और सियासी तांडव का रंगमंच बन जाती हैं। सवाल यह नहीं है कि पक्ष-विपक्ष की ओर से जिन मुद्दों को तूल दिया जा रहा है और आम जनमानस को अपने पक्ष में लामबंद करके अधिकतम जनसमर्थन जुटाने का प्रयास हो रहा है वह कितना सही और कितना गलत है? उसमें कितनी वास्तविकता है और कितना छल–छद्म है? वह कितना प्रभावशाली और कितना बेमानी है? असली सवाल है कि राजनीतिक दल अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जिस जनता के नाम पर राजनीति कर रहे हैं उसी जनता को अपनी राजनीति की कीमत चुकाने के लिए विवश करना उचित है क्या? क्या जनहित के मुद्दों को उठाने वाले दल जनता के समय, श्रम और आजीविका के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हैं जितने उसके समर्थन और सहानुभूति के प्रति? लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके साथ सार्वजनिक व्यवस्था, कानून और दूसरों के अधिकारों के प्रति जिम्मेदारी भी तो जुड़ी हुई है। बहरहाल, राजनीति पूरे साल हो सकती है और कानूनी व संवैधानिक दायरे में रहते हुए अपनी बात रखने का तरीका और सलीका भी मनचाहा अपनाया जा सकता है। लेकिन इसमें समय और परिस्थिति के साथ ही जनसुविधाओं और समाज की सहूलियत के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव हो तो सियासत का सकारात्मक पहलू समाज के समक्ष प्रदर्शित होगा जिससे भावनात्मक जनजुड़ाव में भी इजाफा होगा। इस परिप्रेक्ष्य में रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि वृंद की यह सीख विचारणीय है कि 'नीकी पै फीकी लगै, बिनु अवसर की बात। जैसे बरनत युद्ध में, रस सिंगार न सुहात॥

जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।



नज़र और नज़रिया - नवकांत ठाकुर



69 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी पीईटी परीक्षा

तीन दिनों तक 60 जनपदों के 1,372 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा



स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के सफल आयोजन में भी दिखाई दिया। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता के बीच उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने पीईटी-2026 की लिखित परीक्षा तीन दिनों तक शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई। 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर 2026 को प्रदेश के 60 जनपदों के 1,372 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के लिए कुल 35,41,297 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 24,36,253 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार कुल 68.79 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए इस बार अत्याधुनिक तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया गया। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फेसियल रिकॉग्निशन-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आधार आधारित प्रमाणीकरण और बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई। प्रत्येक उपस्थित अभ्यर्थी का फोटो और आइरिस डाटा भी कैप्चर किया गया। परीक्षा केंद्रों पर स्थापित 31,602 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। इसके लिए आयोग कार्यालय में केंद्रीय कमांड एंड कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था। साथ ही सभी परीक्षा जनपदों में जिला स्तरीय कमांड एवं लाइव सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से भी निगरानी की गई। परीक्षा के सुचारु संचालन और प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए 2,744 सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा लगभग 93,738 अधिकारियों और कार्मिकों की तैनाती की गई। परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए सभी कार्मिकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। परीक्षा से पहले अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं ब्रीफिंग दी गई तथा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सत्यापन किया गया। परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रदेश के 20 जनपदों के परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की निर्धारित प्रक्रिया के तहत फ्रिस्किंग की गई। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, स्मार्ट ग्लास सहित प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को परीक्षा कक्ष में ले जाने पर प्रभावी रोक लगाई गई। परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने के प्रयासों पर आयोग और प्रशासन ने सख्ती दिखाई। 1 नवंबर को मैनपुरी जनपद में एक अभ्यर्थी राकेश कुमार के पास ब्लूटूथ डिवाइस मिलने पर संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। पूरे तीन दिवसीय परीक्षा आयोजन के दौरान कुल दो अभ्यर्थियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके अलावा एआई मैचिंग के माध्यम से कुल 67 अभ्यर्थियों को संदिग्ध चिह्नित किया गया है। इनकी जांच के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बाल मूत्र रोगों के चार जटिल ऑपरेशन का सीधा प्रसारण



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के बाल शल्य चिकित्सा विभाग की ओर से आयोजित 14वें राष्ट्रीय बाल मूत्र रोग चिकित्सा सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक चले तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के करीब 300 चिकित्सकों, बाल शल्य चिकित्सा विशेषज्ञों, चिकित्सा शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक सम्मेलन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों के मूत्र रोगों से संबंधित चार जटिल ऑपरेशन का ऑपरेशन थिएटर से सीधा प्रसारण किया गया। इनमें गुर्दे में पेशाब के प्रवाह में रुकावट, अंडकोष का अपनी जगह से ऊपर होना और मूत्र मार्ग का असामान्य स्थान पर खुलना जैसी समस्याओं के ऑपरेशन शामिल रहे। विभिन्न आधुनिक तकनीकों से किए गए इन ऑपरेशन को देखकर चिकित्सकों ने नई उपचार पद्धतियों की जानकारी हासिल की। इसके अलावा सम्मेलन में बाल मूत्र रोगों से संबंधित शोध पत्र भी प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्देश्य बच्चों में मूत्र संबंधी बीमारियों के उपचार की नवीनतम तकनीकों, आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और शोध से जुड़ी जानकारियों का आदान-प्रदान करना रहा। इस दौरान केजीएमयू के बाल शल्य चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. जेडी रावत ने वर्ष 2026-27 के लिए राष्ट्रीय बाल मूत्र रोग सोसाइटी के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष प्रो. शिव नारायण कुरील और आयोजन सचिव डॉ. जे.डी. रावत रहे। केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। वहीं, डॉ. रावत ने सम्मेलन में शामिल सभी अतिथि वक्ताओं, चिकित्सकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खबर एक नज़र

मधुमेह के आधुनिक उपचार पर विशेषज्ञों ने किया मंथन



स्वतंत्र भारत, निलमथा । लखनऊ डायबिटीज सोसाइटी की ओर से रविवार को एलडीएसएस कॉन-2026 की छठवीं कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। डॉ. राजीव अवस्थी की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में मधुमेह, मोटापा, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर देशभर के चिकित्सकों ने विचार साझा किए। डॉ. अवस्थी और सचिव डॉ. मुकुलेश गुप्ता ने समय पर जांच, नियमित परामर्श और जीवनशैली में बदलाव को मधुमेह नियंत्रण के लिए जरूरी बताया। सम्मेलन में डॉ. केपी चंदा, डॉ. विवेक अग्रवाल, डॉ.सचिन मित्तल, डॉ. शुभंकर चौधरी, डॉ. अनूप मिश्रा, डॉ. अनंत निगम, डॉ. एके सिंह, डॉ. हरि कुमार, डॉ. बीएम मक्कड़, डॉ. तुहिना गुप्ता, डॉ. अविवार, डॉ. बृज मोहन, डॉ. शैलि अवस्थी, डॉ. तनुश्री गुप्ता, डॉ. मोनिका मुखर्जी, डॉ. कृतिका यादव, डॉ. अभिनीता, डॉ. आमार अहमद, प्रशांत पांडेय और सुधीर अवस्थी सहित अनेक चिकित्सक शामिल हुए। विशेषज्ञों ने संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को मधुमेह से जुड़ी जटिलताओं से बचाव में महत्वपूर्ण बताया।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर फॉगिंग कराने की मांग



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंदिरानगर आवासीय महासमिति की अध्यक्ष देवीशरण त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर चिंता जताई गई। महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने कहा कि इंदिरानगर और आसपास की कॉलोनियों में लंबे समय से फॉगिंग नहीं हो रही है। इससे डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने नगर आयुक्त से शिकायत कर नियमित फॉगिंग कराने की मांग की। बैठक में पीके जैन, सुभाष शर्मा, कैलाश जैन, सुनील त्यागी, डॉ. आरपी सिंह, उमाकांत सिंह, अच्छे लाल वर्मा, हिमांशु पांडेय, महेश वाल्मीकि और सुरेश पाण्डेय मौजूद रहे।

निःशुल्क भोजन वितरित

स्वतंत्र भारत, सरोजिनी नगर। श्रीरामकथा ज्ञानयज्ञ समारोह समिति ने इंडियन हेल्पलाइन सोसाइटी के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के निशुल्क भोजन वितरण अभियान में पूड़ी-सब्जी उपलब्ध कराकर सहयोग किया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने समिति का आभार जताया। इस दौरान जालिम सिंह, संजय श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, आशीष श्रीवास्तव, बलवंत सिंह, विकास पाण्डेय, दीपक भुटियानी, अखिलेश सिंह, मुकेश कनौजिया और उमाशंकर यादव सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पवन सिंह चौहान बने भाजपा शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक

स्वतंत्र भारत, बीकेटी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधान परिषद सदस्य एवं एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन पवन सिंह चौहान को शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। इससे पहले उन्हें प्रदेश कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया था। वर्ष 2022 में वह सीतापुर से विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुए थे।

उत्तर मंडल पांच की मासिक बैठक सम्पन्न



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर मंडल पांच की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनूप बाजपेयी एवं मंडल प्रभारी यू.एन. पाण्डेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आगामी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन और पार्टी की मजबूती के लिए तन-मन-धन से जुट जाने की अपील की। मीडिया प्रभारी ओपी तिवारी ने बताया कि मंडल अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों से बूथ अध्यक्षों के माध्यम से बूथ समितियों को सक्रिय एवं व्यवस्थित करने में सहयोग करने का आह्वान किया, ताकि चुनाव के समय प्रत्येक मतदाता तक प्रभावी ढंग से संपर्क स्थापित किया जा सके। मंडल प्रभारी यू.एन. पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि जब हम बूथ जीतेंगे, तभी विधानसभा की सीट जीतने में सफल होंगे। वहीं मुख्य अतिथि अनूप बाजपेयी ने अपने ओजस्वी संबोधन से पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह भरा। इस अवसर पर मंडल महामंत्री सी.के. वर्मा, मंडल महामंत्री अक्षय मिश्रा सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं शक्ति केंद्र संयोजक उपस्थित रहे।

अनुराग श्रीवास्तव ने कृषि उत्पादन आयुक्त का कार्यभार संभाला



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने रविवार को सचिवालय स्थित कार्यालय में कृषि उत्पादन आयुक्त का कार्यभार ग्रहण किया। वर्ष 1992 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव के पास अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल संसाधन, लघु सिंचाई और भूजल विभाग का भी प्रभार है। उन्हें अप्रैल 2025 में जल जीवन मिशन में सौर ऊर्जा के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनके कार्यभार संभालने से प्रदेश में कृषि विकास, उत्पादकता बढ़ाने और किसानों से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलने की उम्मीद है।

ऑनलाइन मेडिकल क्लेम की अनिवार्यता से पेंशनर्स परेशान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिल ऑनलाइन जमा करने की अनिवार्यता से प्रदेश के बुजुर्ग पेंशनर्स को परेशानी हो रही है। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने सरकार से ऑनलाइन के साथ मैनुअल बिल जमा करने का विकल्प भी देने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष अमरनाथ यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल कुशवाहा और महामंत्री ओपी त्रिपाठी ने कहा कि तकनीकी जानकारी के अभाव में बड़ी संख्या में पेंशनर्स ऑनलाइन बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं। इससे उनके इलाज में दिक्कत आ रही है। पदाधिकारियों के अनुसार, 28 सितंबर को अपर मुख्य सचिव वित्त की अध्यक्षता में हुई पेंशनर सलाहकार समिति की बैठक में यह मुद्दा उठाया गया था।

कवि सम्मेलन एवं मुशायरे में कवियों ने बांधा समां

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान और उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी सभागार में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि डॉ. आरके स्वर्णकार और विशिष्ट अतिथि उर्दू अकादमी के सचिव शौकत अली रहे। अनीता मिश्रा ने वंदेमातरम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. हरिओम, डॉ. कलीम कैसर, डॉ. राहुल अवस्थी, डॉ. सरला शर्मा 'अस्मां', डॉ. सुधा मिश्रा, चंद्रदेव दीक्षित 'चंद्र', अनुराग मिश्र 'गैर' और सफीर रे ने कविता और शायरी प्रस्तुत की। कवियों ने प्रेम, रिश्तों, जिंदगी और सामाजिक सरोकारों पर रचनाएं सुनाकर श्रोताओं की सराहना बटोरी। संचालन डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा और डॉ. राहुल अवस्थी ने किया। संयोजन महामंत्री डॉ. सीमा गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रेनू वर्मा ने किया। समापन डॉ. शोभा दीक्षित 'भावना', राजश्री दुबे और मीना गौतम की राष्ट्रगान प्रस्तुति के साथ हुआ।

महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा बांटे गए खिताब



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। फ्रेंड्स क्लब की ओर से करवा चौथ एवं डांडिया उत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में करीब 100 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान नृत्य, गायन, मनोरंजक खेल और दीया सजावट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हस्तकला के स्टॉल भी लगाए गए। प्रतियोगिताओं में अलका शुक्ला को करवा चौथ क्वीन, रश्मि वर्मा को करवा श्रृंगार क्वीन, मोनिका पाठक को करवा मुस्कान क्वीन, शैलजा श्रीवास्तव को बेस्ट ट्रेडिशनल लुक, किरण श्रीवास्तव को बेस्ट हेयर स्टाइल, मालिनी करिधाल को बेस्ट डांडिया अटायर और गजरा रस्तोगी को चनिया चोली क्वीन का खिताब मिला। आयोजन संयोजिका दीपाली राज श्रीवास्तव ने बताया कि क्लब की सदस्याएं पिछले दस वर्षों से लगातार यह उत्सव आयोजित कर रही हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को प्रतिभा प्रदर्शन का मंच देने के साथ आत्मविश्वास और स्वावलंबन को बढ़ावा देना है।

दुर्गा भाभी के साहस और योगदान को किया याद



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारतीय एकता समिति की ओर से सहकारिता भवन सभागार में स्वतंत्रता सेनानी दुर्गा भाभी के व्यक्तित्व, कृतित्व और वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं ने उनके साहस, त्याग, राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को याद करते हुए उन्हें नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। समिति अध्यक्ष रविंदर सिंह बिष्ट ने अतिथियों का परिचय कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेविका अलका सिंह, राष्ट्रीय सेविका समिति की क्षेत्र प्रचारिका शशि, ललित मोहन पोखरिया और शिक्षिका वत्सला पांडेय ने विचार रखे। पूर्व सूचना आयुक्त अजय उप्रेती ने लखनऊ मांटेसरी स्कूल में पढ़ाई के दौरान दुर्गा भाभी के सानिध्य में बिताए पलों को साझा किया। इस दौरान वह भावुक हो गए। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह रावत, अविरल आनंद, पारस नाथ आर्य, शरद मल्होत्रा, किशोर पंत, एवी सिंह, डॉ. सहाब अली उल्ला, श्याम अशोक सिंह, एनके उपाध्याय और दिलीप सिंह सहित अन्य लोगों ने भी अपने स्कूल के अनुभव साझा किए। इस अवसर पर रविंदर सिंह बिष्ट और शैलेन्द्र सिंह रावत ने अजय उप्रेती को स्मृति चिह्न भेंट किया।

432 दिव्यांगजनों को लगाए कृत्रिम अंग



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गोमती नगर स्थित होटल में नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि संस्थान दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास और खुशियां लौटाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। शिविर में 432 दिव्यांगजनों को 549 कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स निःशुल्क लगाए गए। इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने प्रदेश में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए संस्थान को भवन या भूखंड उपलब्ध कराने की घोषणा की। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संरक्षक सत्य भूषण जैन ने आभार जताया। ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ताइक्वांडो में शिवाश्मी ने जीते दो स्वर्ण पदक



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, राजेंद्र नगर प्रथम कैम्पस की छात्रा शिवाश्मी जौहरी ने अंतर-जनपदीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन, लखनऊ की ओर से किया गया। शिवाश्मी ने कड़े मुकाबलों में तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए दोनों पदक अपने नाम किए। विद्यालय की संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने छात्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉनकार्ड-2026 पर आज होगी प्रेस कॉन्फ्रेंस सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के स्टेशन रोड कैम्पस की ओर से आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट कॉनकार्ड-2026 को लेकर सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। दोपहर एक बजे कानपुर रोड स्थित सीएमएस ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में ओमान, नेपाल और देश के विभिन्न राज्यों से आए बाल फुटबॉलर टूर्नामेंट के बारे में अपने विचार साझा करेंगे।

रानीखेड़ा गांव में विकास कार्यों का शिलान्यास



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। जानकीपुरम प्रथम वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि सौरभ तिवारी ने रानीखेड़ा गांव पहुंचकर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि गांव की सभी सड़कों को सीसी रोड में बदला जाएगा। साथ ही नालियों का निर्माण और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जानकीपुरम प्रथम वार्ड का कायाकल्प करना उनका संकल्प है। क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान कराया जाएगा। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।



स्वतंत्र भारत

राष्ट्रीय सर्वे में जलवा : बेस्ट चीफ मिनिस्टर की श्रेणी में शीर्ष पर रहे सीएम योगी

सुशासन, कानून-व्यवस्था, नेतृत्व क्षमता और जनस्वीकार्यता समेत दस मानकों पर हुआ मूल्यांकन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट के संयुक्त 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर सर्वे 2026' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशभर में पहला स्थान हासिल कर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी को 1000 में से सर्वाधिक 897 अंक मिले हैं। सर्वे में मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमता, कार्यशैली, जनस्वीकार्यता और शासन के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया गया।सर्वे में कुल 15 मुख्यमंत्रियों को शामिल किया गया है। इनमें शीर्ष दस को 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर' और 11वें से 15वें स्थान तक के मुख्यमंत्रियों को विशेष 'मुख्यमंत्री पंचरत्न' श्रेणी में स्थान दिया गया है।फेम इंडिया मैगजीन का 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर सर्वे 2026' एशिया पोस्ट के सहयोग से करीब तीन से चार महीने तक संचालित किया गया। इसमें मुख्यमंत्रियों के प्रति आम जनता की धारणा, प्रबुद्ध वर्ग की राय और आम नागरिकों के अनुभवों को समझने के लिए तीन स्तरीय सर्वे प्रक्रिया अपनाई गई। पहले चरण में सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया के विभिन्न मंचों पर मुख्यमंत्रियों से संबंधित प्रतिक्रियाओं, चर्चाओं, समाचारों और जनधारणाओं का अध्ययन किया गया। दूसरे चरण में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों, बुद्धिजीवियों और विशिष्ट व्यक्तियों की राय एवं आकलन को शामिल किया गया। तीसरे चरण में आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनके विचार, अनुभव और दृष्टिकोण जाने गए। इन तीनों चरणों से प्राप्त सूचनाओं और प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण के बाद मुख्यमंत्रियों का दस निर्धारित मानकों पर मूल्यांकन किया गया। सभी मानकों पर प्राप्त अंकों को जोड़कर 1000 अंकों के पैमाने पर अंतिम रैंकिंग तैयार की गई। सर्वे में मुख्यमंत्रियों के प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को परखने के लिए दस प्रमुख मानक निर्धारित किए गए थे। इनमें सुशासन, कानून-व्यवस्था, व्यक्तित्व, छवि, कार्यक्षमता, प्रभाव, विभागों की समझ, लोकप्रियता, दूरदर्शिता तथा कार्यशैली और परिणाम शामिल हैं। सुशासन के तहत पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा की गुणवत्ता को परखा गया। कानून-व्यवस्था के अंतर्गत नागरिकों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून के शासन को महत्व दिया गया। वहीं, व्यक्तित्व एवं छवि में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता और जनता के बीच विश्वसनीयता का आकलन किया गया। इसके अलावा प्रशासनिक दक्षता, नीतियों का प्रभाव, विभागीय कार्यप्रणाली की समझ, जनसमर्थन, भविष्य की योजनाओं और शासन के दौरान हासिल किए गए ठोस परिणामों को भी मूल्यांकन का आधार बनाया गया। इस सर्वे में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 881 अंकों के साथ दूसरे और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा 874 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

- फेम इंडिया-एशिया पोस्ट सर्वे 897 अंकों के साथ नंबर वन
- तीन से चार महीने तक चली सर्वे प्रक्रिया में 15 मुख्यमंत्रियों को किया गया शामिल



डेंगू के 25 नए मरीज

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। फैजुल्लागंज में डेंगू और संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए रविवार को स्वास्थ्य विभाग की 27 टीमों ने 1465 घरों का सर्वे किया। इस दौरान लोगों को दवाएं, क्लोरीन की गोलियां और ओआरएस के पैकेट वितरित किए गए। मोबाइल मेडिकल यूनिट ने नया दाऊदनगर और मिल्लतनगर में 69 लोगों को उपचार दिया। वहीं, जिले में डेंगू के 25 नए मरीज मिले। इनमें इंदिरानगर और चंदरनगर के छह-छह, अलीगंज के पांच, एनके रोड के तीन, चिनहट और सरोजनीनगर के दो-दो तथा रेडक्रास का एक मरीज शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घरों के आसपास पानी जमा न होने देने और कूलर की नियमित सफाई करने की अपील की है।

सिविल अस्पताल में नाक के रास्ते निकाला पिट्यूटरी ट्यूमर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय में न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अस्पताल के न्यूरो सर्जन डॉ. विनोद कुमार तिवारी ने बिना सिर की हड्डी खोले नाक के रास्ते पिट्यूटरी मैक्रोएडेनोमा ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया। माइक्रोस्कोपिक ट्रांसनेजल ट्रांसस्फेनॉइडल तकनीक से की गई इस जटिल सर्जरी के बाद मरीज की प्रभावित आंखों की रोशनी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मरीज देवरिया का रहने वाला है और दुबई में काम करता है। पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर का आकार बढ़ने से उसकी आंखों की रोशनी लगातार कमजोर हो रही थी। ऐसे में विशेषज्ञों ने समय रहते ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉक्टरों के मुताबिक, पिट्यूटरी ग्रंथि मस्तिष्क के निचले हिस्से में स्थित होती है। इसमें ट्यूमर बढ़ने पर आंखों की नसों पर दबाव पड़ता है, जिससे मरीज की दृष्टि प्रभावित हो सकती है। ऑपरेशन के दौरान नाक के रास्ते स्फेनॉइड साइनस से होते हुए ट्यूमर तक पहुंच बनाई गई और माइक्रोस्कोप की मदद से उसे निकाल दिया गया। इस प्रक्रिया में सिर की हड्डी खोलने की जरूरत नहीं पड़ी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, निजी कॉरपोरेट अस्पतालों में इस तरह की सर्जरी पर करीब 15 से 20 लाख रुपये तक खर्च आ सकता है। सिविल अस्पताल में इस जटिल ऑपरेशन का सफल होना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उपलब्ध विशेषज्ञ सुविधाओं की अहम उपलब्धि है। अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने कहा कि चिकित्सालय मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। सर्जरी टीम में एनेस्थेटिस्ट डॉ. एसके सिंह भी शामिल रहे।



- मरीज की आंखों की रोशनी लौटी

सीएम योगी ने कांग्रेस-सपा पर बोला करारा हमला

चौरीचौरा के क्रांतिकारियों को बचाने नहीं आए नेहरू

गोरखपुर। गोरखपुर में सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- सपा की प्रदेश में चार बार सरकार रही। इन चार कार्यकाल में 10 लाख गुंडे पाले गए थे। ये लोग लूटपाट करते थे और अराजकता फैलाते थे। वहीं, भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में 10 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी। इन गुंडों को मिट्टी में मिला दिया। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक चौरीचौरा कांड का जिक्र करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू पर क्रांतिकारियों की पैरवी नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- 4 फरवरी 1922 को घटना के बाद अंग्रेजों ने किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों को गिरफ्तार कर फांसी की सजा सुनाई थी। उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू उनकी पैरवी करने नहीं आए थे। क्रांतिकारियों की पैरवी के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय आगे आए थे। उन्होंने इतनी अच्छी पैरवी की कि 172 में से 151 क्रांतिकारियों को फांसी के फंदे से बचाने में सफल रहे।



- सपा ने 10-लाख गुंडे पाले, भाजपा ने 10-लाख नौकरियां दी

योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस क्रांति से घबराकर आंदोलन तक स्थगित कर दिया था।मुख्यमंत्री रविवार को चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्र के भोपा बाजार में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने चौरीचौरा शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने यहां 1,663 करोड़ रुपए की लागत वाली 88 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। योगी ने कहा- अखिलेश यादव के समय यहां का नाम सुनकर लोग 100 कदम पीछे भागते थे। जिन्होंने प्रदेश के सामने सम्मान का संकट खड़ा किया था, सुरक्षा का संकट खड़ा किया था। ऐसे गिरगिटों से सतर्क रहने की जरूरत है। हमें डबल इंजन सरकार के साथ विकास की धारा का आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यह दीपावली व छठ का उपहार है चौरी चौरा के लोगों के लिए। योगी ने कहा- सपा अपराध बढ़ाती थी। उत्तर प्रदेश को अपराध का गढ़ बना दिया था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने आत्मनिर्भर बना दिया है। वे बदमाश लाते थे, भाजपा बदलाव ला रही है। उत्तर प्रदेश अब पतन का नहीं, प्रगति की धरती बन गई है। यह शोषण की नहीं, संस्कृति की धरती बन गई है। यहां दंगा नहीं होता, उपद्रव नहीं होता। यहां उत्सव है, जहां जाओ, यहां के लोगों को श्रद्धा व सम्मान से लोग देखते हैं। पहले क्या स्थिति थी। योगी ने कहा- आपने डबल इंजन सरकार पर भरोसा किया है तो चौरी चौरा में विकास की गंगा बहती रहेगी।

कुछ करने के लिए पूरे प्रदेश को एक परिवार मानना पड़ता है। हमने 25 करोड़ लोगों को अपना परिवार माना है। जो लोग जीते जी अपने परिवारों को सम्मान नहीं देते हैं, वे क्रांतिकारियों व शहीदों को सम्मान क्या दे पाएंगे। पहले घंटों जाम रहता था, आज वहां फ्लाईओवर बन गया। नगर पंचायत में यहां भी रेलवे ओवरब्रिज बन गया है। इसी नगर पंचायत में दो-दो ओवरब्रिज बन गया है। नगर पंचायत के लिए हम पैसे की व्यवस्था कर देंगे।

इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद ही महिला की मौत

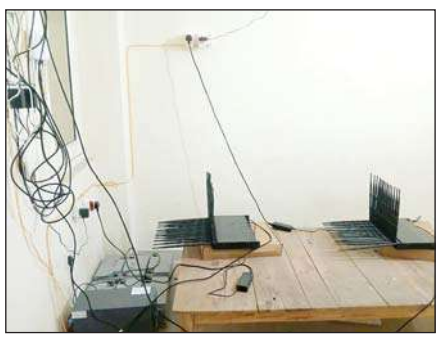
स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मड़ियांव स्थित हाईवे हॉस्पिटल में रविवार को इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद एक महिला की मौत हो गई। महिला के पैर का तीन दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था और रविवार को उसे अस्पताल से छुट्टी मिलनी थी। परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिजनों को शांत कराया। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। सीतापुर के मुंशीगंज निवासी मोहित शर्मा ने बताया कि उनकी मां ऊषा शर्मा को चोट लगने के बाद 26 अक्टूबर को हाईवे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 28 अक्टूबर को उनके पैर का ऑपरेशन हुआ था। रविवार सुबह तक उनकी हालत सामान्य थी और वह परिवार के लोगों से बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान पैर में हल्का दर्द होने पर उन्होंने डॉक्टर को इसकी जानकारी दी। आरोप है कि डॉक्टर ने उन्हें इंजेक्शन लगाया, जिसके कुछ देर बाद उनकी अचानक मौत हो गई। मोहित का आरोप है कि रविवार को मां की छुट्टी होनी थी, लेकिन सुबह अस्पताल से फोन कर उनकी मौत की सूचना दी गई। उन्होंने शव सौंपने में करीब दो घंटे की देरी का भी आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर मड़ियांव थाना प्रभारी आलोक राव पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



- परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

डिजिटल अरेस्ट : साइबर अपराधों में प्रयोग होने वाले अवैध सिमबॉक्स का खुलासा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। डिजिटल अरेस्ट समेत विभिन्न साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाली अवैध कॉलिंग व्यवस्था के खिलाफ लखनऊ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर थाना और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीमों ने शहर के चार अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर छह अवैध 32-पोर्ट सिम बॉक्स बरामद किए हैं। इनके साथ तीन वीपीएन गेटवे, 21 स्मार्ट स्विच, तीन स्मार्ट हब, चार इनवर्टर और यूपीएस, 18 बैटरियां तथा 192 सिम स्लॉट समेत बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी मिले हैं। पुलिस बरामद उपकरणों की तकनीकी जांच कर इस नेटवर्क से जुड़े लोगों और उनके इस्तेमाल के तरीकों का पता लगा रही है।



- छह सिम बॉक्स समेत भारी मात्रा में उपकरण बरामद

पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देशन और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के मार्गदर्शन में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अनिल यादव के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त किरन यादव के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) शाहिदा नसरीन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।पुलिस को अवैध सिम बॉक्स के संचालन के संबंध में तकनीकी सूचना मिली थी। इसके बाद एक संदिग्ध मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य तकनीकी तथ्यों का विश्लेषण किया गया। दूरसंचार एवं इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों से मिली जानकारियों के आधार पर संबंधित हाईस्पीड इंटरनेट कनेक्शनों और संदिग्ध स्थानों को चिह्नित किया गया। तकनीकी साक्ष्य जुटाने के बाद 31 अक्टूबर को साइबर थाना और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीमों ने चार स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।कार्रवाई के दौरान सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के स्वाति अपार्टमेंट, पारा थाना क्षेत्र के आदर्श विहार स्थित आशीर्वाद बिल्डिंग, बीबीडी थाना क्षेत्र के गोल्ड लाइन अपार्टमेंट और चिनहट थाना क्षेत्र के आदर्श नगर स्थित जीजे पैराडाइज में तलाशी ली गई। यहां से छह अवैध 32-पोर्ट सिम बॉक्स, तीन वीपीएन गेटवे, 21 स्मार्ट स्विच, तीन स्मार्ट हब, चार इनवर्टर और यूपीएस, 18 बैटरियां, एक लॉक टैबलेट तथा 192 सिम स्लॉट बरामद हुए। इसके अलावा वाई-फाई और नेटवर्क राउटर, कैमरे समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी मिले हैं।

तिहरा हत्याकांड : 25 हजार की इनामी दिव्या शुक्ला गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सआदतगंज थानाक्षेत्र में नौबस्ता ब्राह्मणी टोला में हुए तिहरे हत्याकांड में पुलिस ने रविवार को एक और आरोपित दिव्या शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम में अब तक कुल आठ लोग पकड़े जा चुके हैं। थाना प्रभारी अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि 25 हजार रुपये के इनामी दिव्या शुक्ला को पश्चिम जोन की सर्विलांस और पुलिस ने सयुंक्त कार्रवाई में आज कूड़ा चौराहे से गिरफ्तार किया गया है। इस घटनाक्रम में पहले सात आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके थे। आरोपित दिव्या शुक्ला की गिरफ्तारी के साथ ही सभी आठ नामजद आरोपित पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वारदात के बाद से ही दिव्या फरार चल रही थी, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस आयुक्त की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया था। उल्लेखनीय है कि 26 अक्टूबर को चबूतरा निर्माण और खाली जमीन पर वाहनों की पार्किंग को लेकर हुए विवाद में मुख्य आरोपित ऋषभ शुक्ला ने पड़ोसी राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के जिला सर कार्यवाह शिवाजी तिवारी, उनके भाई शिवेंद्र तिवारी और बेटे सुयश की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में आज दिव्या की गिरफ्तारी से अब संख्या आठ हो गई। पुलिस सभी आरोपितों के खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है। वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने 26,27 और 31 अकटूबर की कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। रविवार को दिव्या शुक्ला की गिरफ्तार किया गया है। वहीं घटना के पांचवें दिन बीते शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पीडित परिवार से मुलाकात की उस दौरान पीड़िता उषा तिवारी ने उनेस मांग की आरोपी ऋषभ शुक्ला को फांसी दी जाए और फरार चाचा और बहन का उनकाउंटर किया जाए। इस पर उन्होंने कार्रवाई और न्याय के आश्वासन दिया। उसके बाद डीजीपी ने खुद घटनास्थल का जायजा लिया। यह मामला सआदतगंज के ब्रह्मण टोला में बीते सोमवार की सुबह कार पॉर्किंग और चबूतरे को लेकर हुए नृशंस तीहरे हत्याकांड में शिवाजी तिवारी जो कि सचिवालय से सेवानिवृत्त थे, शिवेंद्र तिवारी उर्फ शुभू लखनऊ विश्व विद्यालय में काम करते थे। वहीं शिवाजी का बेटा सुयश जो कि बिजली के सामान का कारोबार करता था जिसकी आगामी 5 दिसंबर को शादी होनी थी।



विपक्ष की एकजुटता के मायने

दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली का आयोजन कर केंद्र की भाजपा सरकार को यह अहसास करा दिया कि इस बार चुनाव में इंडिया गठबंधन से लड़ाई लड़ना आसान नहीं होगा। दरअसल, विपक्ष का आरोप है कि भाजपा मतदाता सूची में चुनाव आयोग के जरिये वोटर लिस्ट से कई मतदाताओं के नाम हटाकर उनके आईपी कार्ड में दूसरा लोगों के नाम दर्ज कराकर अपने लोगों से वोट डलवाकर चुनाव जीतती चली आ रही है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर यूपी समेत पांच राज्यों में जहां चार महीने बाद विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उन स्थानों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ मिलकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर गोलमाल कर हजारों मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए है। इसी के विरोध में रविवार को विपक्ष ने रैली कर अपनी ताकत का अहसास केंद्र सरकार को करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया। इस रैली में राहुल गांधी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत देश के 19 विपक्षी दलों के नेता पहुंचे। फिलहाल यूपी के कई जिलों में विपक्ष ने इस घोटाले को पकड़ने के बाद इस मामले को मुद्दा बनाते हुए दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को महारैली का आयोजन कर देश की जनता को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर घोटाला कर चुनाव जीत रही है।

अश्वनी श्रीवास्तव

नजरिया

दिवाली पर आसमान छू रहा है फ्लाइट का किराया

- लखनऊ से वापसी के लिए ट्रेनों में तत्काल सहारा बचा
- मुंबई, पुणे फ्लाइट किराया 24-26 हजार तक पहुंचा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। दीपावली मनाने लखनऊ आने वाले लोगों की वापसी मुश्किल भरी हो सकती है। ट्रेनों में करीब सात हजार यात्रियों के लिए अब केवल तत्काल कोटे का सहारा बचा है, साथ ही विमान से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बढ़ते किराए ने परेशानी बढ़ा दी है। लखनऊ से ट्रेनों से वापसी के लिए 11 नवंबर को सबसे अधिक भीड़ है, जबकि विमानों में सीटों की सबसे अधिक मांग 15 नवंबर को है। मुंबई का विमान का किराया 15 हजार रुपये से शुरू होकर 24 हजार रुपये तक है। इसी तरह दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद जैसे शहरों का विमान किराया भी दो से तीन गुणा तक अधिक हो गया है। आठ नवंबर को दीपावली पर बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों और विमानों से लखनऊ आ रहे हैं। इसके चलते पांच नवंबर से दिल्ली से आने वाली ट्रेनों में वेटिंग रिग्रेट हो गई हैं। अब यह यात्री तत्काल कोटे का टिकट लेकर लखनऊ आ रहे हैं। इसी तरह छह और सात नवंबर को लखनऊ आने वाले विमानों की मारामारी है। लखनऊ से वापस जाने के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की है। यह ट्रेनें भी फुल हो गई हैं। सात हजार यात्रियों के पास अब भी स्लीपर और एसी श्रेणी में वेटिंग लिस्ट के टिकट हैं।



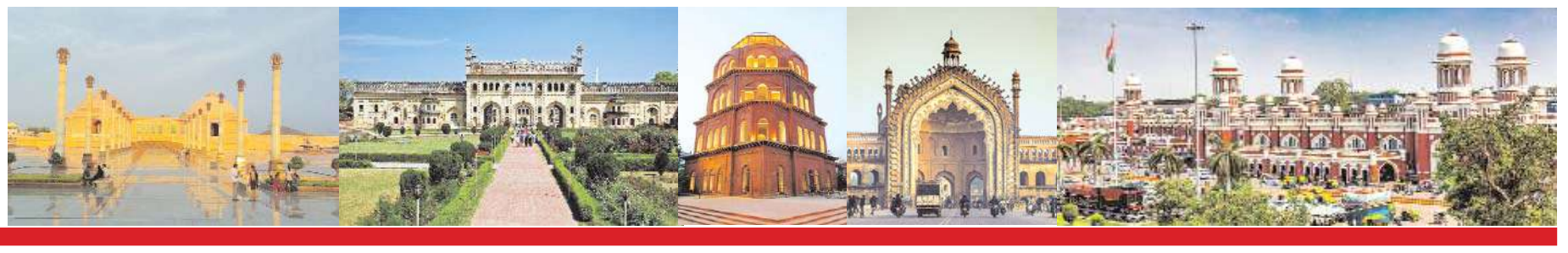
इतना है विमानों का किराया-

उड़ान संख्या	गंतव्य	किराया / राशि,
6ई-2052,	मुंबई	15,091,
6ई-708	मुंबई	24,646,
एआइ 2492	मुंबई	24,226,
6ई-6480	दिल्ली	6,175,
एआइ-2722	दिल्ली	12,864,
एआइ 1847	दिल्ली	10,375,
आइएक्स-1617	पुणे	26,654,
6ई-118	पुणे	22,886,
क्यूपी 1522	बेंगलुरु	26,968,
आइएक्स 1520	बेंगलुरु	24,605 ,
6ई-906	बेंगलुरु	22,086,
6ई-325	बेंगलुरु	19,685,
6ई-518	चेन्नई	21,724,
6ई-146	गुवाहाटी	11,598,
6ई-505	कोलकाता	12,011,
6ई-6469	कोलकाता	10,331,
6ई-181	हैदराबाद	17,386,
6ई-6166	हैदराबाद	15,686,
6ई-515	देहरादून	17,182,
6ई-7221	इंदौर	11,066.

भर्ती परीक्षा निरस्त होने पर अभ्यर्थियों का हंगामा

दोबारा परीक्षा कराने की मांग

स्वतंत्र भारत, पीजीआई। एसजीपीजीआई की नर्सिंग ऑफिसर और हॉस्पिटल अटेंडेंट भर्ती परीक्षा अचानक निरस्त होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश फैल गया। रविवार को राजधानी के सात केंद्रों पर करीब 8,500 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी। दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए केंद्रों पर पहुंचे अभ्यर्थियों को ऐन वक्त पर निरस्तीकरण की सूचना दी गई। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने वृंदावन योजना सेक्टर-9 स्थित एनकेएम स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का कहना था कि करीब दो साल इंतजार के बाद वे दूसरे राज्यों से हजारों रुपये खर्च कर लखनऊ पहुंचे थे। परीक्षा रद्द होने से उनका समय और पैसा बर्बाद हो गया। उन्होंने परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक की आशंका भी जताई, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सूचना पर एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव और पीजीआई पुलिस मौके पर पहुंची और अभ्यर्थियों को समझाया। प्रदर्शनकारियों ने संस्थान प्रशासन को मांगपत्र सौंपकर एक महीने के भीतर दोबारा परीक्षा कराने, सीबीटी माध्यम अपनाने और गृह जनपद या नजदीकी शहरों में केंद्र बनाने की मांग की।



लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान

कल की विशाल पदयात्रा को लेकर भाजपा की तैयारी बैठक



स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत आगामी 3 नवंबर को आयोजित होने वाली विशाल पदयात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को गोमतीनगर स्थित आईएमआरटी सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी एवं भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी उपस्थित रहे।

प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और जनहित के मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी सदैव प्रतिबद्ध रही है। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के माध्यम से जनता के बीच जाकर लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और जनजागरूकता का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि पदयात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजागरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें और अभियान के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाएं। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि आगामी 3 नवंबर को विशाल पदयात्रा विधानसभा से प्रारंभ होकर परिवर्तन चौक तक निकाली जाएगी। पदयात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी। उन्होंने कहा कि पदयात्रा को ऐतिहासिक और प्रभावी बनाने के लिए महानगर के सभी मंडलों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बैठक में जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, लालजी निर्मल, विधायक डॉ. नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, क्षेत्रीय पदाधिकारीगण, भाजपा लखनऊ महानगर के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

भाजपा लखनऊ महानगर ने महिला, किसान मोर्चा की कार्य समितियां घोषित की

- महिला मोर्चा और किसान मोर्चा में 47 पदाधिकारियों, सदस्यों को मिला स्थान
- संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर रहेगा जोर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और विभिन्न मोर्चों की सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से महिला मोर्चा एवं किसान मोर्चा की महानगर कार्यसमितियों की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश, क्षेत्रीय एवं भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की सहमति से महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष अर्चना साहू एवं किसान मोर्चा महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने अपनी-अपनी कार्यसमितियों की घोषणा की।

मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि महिला मोर्चा की 47 सदस्यीय कार्यसमिति में आठ जिला उपाध्यक्ष, तीन जिला महामंत्री, आठ जिला मंत्री सहित विभिन्न पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं किसान मोर्चा की 47 सदस्यीय कार्यसमिति में भी जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री सहित विभिन्न सांगठनिक पदों पर कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है। महिला मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष के पद पर सुधा सिंह, माया सिंह, ज्योति साहू, डॉ. महिमा सिंह राठौर, मधु चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, कंचन मौर्या और शीला श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला महामंत्री के पद पर नम्रता श्रीनेत, सुमिता तिवारी और हेमा डोबरियाल को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री के रूप में सीमा डिमरी, वंदना अस्थाना, पूनम सिंह, रानी सिंह, संगीता सैट्टी, शिविता गोयल, सुमन सिंह और पुष्पा सिंह को स्थान मिला है।

इसी क्रम में भावना चौहान आर्या को जिला कोषाध्यक्ष, रेशमा निगम और शुभरानी को जिला सह कोषाध्यक्ष, गुड़िया निगम को जिला मीडिया संयोजक तथा शिखा श्रीवास्तव एवं दीप्ति गुप्ता को जिला मीडिया सहसंयोजक बनाया गया है। बिन्दु मिश्रा को जिला कार्यालय मंत्री तथा कीर्ति राठौर और राधा यादव को जिला सह कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। विनिता श्रीवास्तव को जिला सोशल मीडिया संयोजक, विनिता जौहरी एवं किरन जोशी को सहसंयोजक, पूजा वर्मा को जिला आईटी संयोजक, संतोष सिंह को आईटी सहसंयोजक, प्रीता पाण्डेय को जिला शोध प्रमुख तथा रूबी सिंह एवं रीता सिंह को जिला शोध सह प्रमुख बनाया गया है। कार्यसमिति सदस्य के रूप में कान्ती लोधी, रजनी मिश्रा, ममता मिश्रा, माला सिंह, मनोरमा राजपूत, संतोष त्रिपाठी, प्रतिमा मिश्रा, संज्ञा शर्मा, जया पाण्डेय, सुनीता सिंह, सुनीता पाण्डेय और नमिता पाण्डेय को शामिल किया गया है। वहीं किसान मोर्चा की कार्यसमिति में जिला उपाध्यक्ष के पद पर रामकिशोर चौबे, शिव बरन शुक्ला, राजवीर सिंह, वीर बहादुर सिंह वीरू, अर्जुन लाल सोनकर, विपिन दुबे, देवेन्द्र विक्रम सिंह एवं कृष्ण प्रताप सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। जिला महामंत्री के पद पर आकाश बाजपेयी, संजीव कुमार सिंह एवं अर्जुन लोधी को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री के रूप में गोकर्ण रावत, दीपमाला सिंह, आशीष शर्मा, दीपेन्द्र यादव दीपु, सुनीता सिंह, अमित अवस्थी, प्रवीण श्रीवास्तव और लवलेश शर्मा को स्थान मिला है। किसान मोर्चा में मृदुल मिश्र को जिला कोषाध्यक्ष, अनुराग अवस्थी को जिला सह कोषाध्यक्ष, आशुतोष द्विवेदी को जिला कार्यालय मंत्री तथा बृजेश तिवारी एवं राजन सिंह को जिला सह कार्यालय मंत्री बनाया गया है। सुरेन्द्र प्रताप पाण्डेय को जिला मीडिया संयोजक, कौशल अवस्थी एवं राकेश कनौजिया को जिला मीडिया सहसंयोजक, वेद प्रकाश सिंह को जिला सोशल मीडिया संयोजक तथा दिवाकर प्रताप सिंह को जिला आईटी संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। शिवम गुप्ता को जिला आईटी सहसंयोजक, चन्द्र भूषण पाण्डेय को जिला शोध प्रमुख और योगेश मिश्रा को जिला शोध सह प्रमुख नियुक्त किया गया है। किसान मोर्चा की कार्यसमिति के सदस्य के रूप में मोहित चौपड़ा, शिवकुमार चच्चू, राहुल त्रिपाठी, विजय प्रकाश तिवारी, राजेश चौहान, शिवम दीक्षित, रामसरन पाठक, समापति तिवारी, अंकुर जौली, पुष्पेन्द्र कुमार राजपूत, प्रफुल्ल कुमार राय गोल्डी, अमर राजपूत लोधी, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, विनोद सिंह एवं अंकुर पाण्डेय को शामिल किया गया है।

दीपोत्सव का दशकः एक लाख दीपों से जगमगाएगा श्रीराम जन्मभूमि परिसर

- पांच जोन में बांटकर की जा रही भव्य आयोजन की तैयारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव के एक दशक का सफर इस वर्ष भव्यता और दिव्यता के नए अध्याय के साथ आगे बढ़ने जा रहा है। योगी सरकार के संकल्प के अनुरूप अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई देने वाले इस आयोजन में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र परिसर एक लाख दीपों की रोशनी से जगमगाएगा। दीप प्रज्ज्वलन के लिए मंदिर परिसर में लगभग एक हजार कार्यकर्ता सेवा देंगे। इसके लिए पूरे परिसर को पांच जोन में बांटकर प्रत्येक जोन के प्रभारी और उनकी टीम की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। आगामी पांच दिनों में इस कार्ययोजना को धरातल पर उतारने की तैयारियां पूरी की जाएंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार, यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) के सभागार में शनिवार को हुई बैठक में दीपोत्सव की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का दायित्व संभाल रहे प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए। ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र (सेवानिवृत्त), सचिव जगदीश आफले और श्री जगन्नाथ गुलवे ने पूरी कार्ययोजना विस्तार से समझाई।श्रीरामलला विराजमान मंदिर का विशेष अलंकरण किया गया है। अब अगले पांच दिनों में परिसर के अन्य हिस्सों के अलंकरण और दीप प्रज्ज्वलन की तैयारियों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। दीपोत्सव के भव्य आयोजन को व्यवस्थित रूप देने के लिए श्रीराम जन्मभूमि परिसर को पांच जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में दीप प्रज्ज्वलन की जिम्मेदारी अलग-अलग टीमों को सौंपी गई है।

विकसित भारत 2047 : मिर्जापुर में तैयार हुआ प्रदेश का पहला 'विकसित ग्राम पंचायत प्लान'

- केंद्र सरकार से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर ने समझाईं बारीकियां
- चोटी से घाटी तक वाटरशेड पद्धति पर हुआ भ्रमण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प को ग्रामीण धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने पंचायती विकास नियोजन को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है। इसी क्रम में मिर्जापुर जनपद के छानबे विकासखंड स्थित बघेड़ा खुर्द ग्राम पंचायत में प्रदेश का पहला पायलट 'विकसित ग्राम पंचायत प्लान' (वीजीपीपी) तैयार किया गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की देखरेख और 'ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया' (टीआरआई) के तकनीकी सहयोग से तैयार यह मॉडल प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में साक्ष्य, आवश्यकता और सैचुरेशन आधारित विकास का नया खाका प्रस्तुत करेगा।

केंद्र सरकार से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर ने समझाईं बारीकियां

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर निहार महाराणा (झारखंड) एवं हरिविलास द्विवेदी (मध्य प्रदेश) कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक रहे। उन्होंने इस एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और उसी के अनुरूप पूरी कार्यशाला का संचालन कराया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों व ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के सबसे ऊपरी हिस्से (चोटी) से लेकर निचले हिस्से (घाटी) तक 'वाटरशेड पद्धति' पर स्थलीय भ्रमण कराया और सहभागितापूर्ण तरीके से गांव की वास्तविक प्राथमिकताओं व आवश्यकताओं को चिन्हित करवाया।इस मास्टर प्लान की सबसे बड़ी विशेषता इसका सहभागी और जमीनी दृष्टिकोण रहा। योजना निर्माण के लिए पूरी ग्राम पंचायत को छह हिस्सों में विभाजित कर सघन ग्राउंड मीटिंग आयोजित की गईं। इन बैठकों में प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर सीधा संवाद हुआ। अधिकारियों ने जहां विभागीय योजनाओं और विकास की संभावनाओं की जानकारी दी, वहीं ग्रामीणों से सीधे पूछा गया कि आपको क्या चाहिए और गांव की मुख्य समस्याएं क्या हैं। ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, संपर्क मार्ग और पेयजल से जुड़ी वास्तविक आवश्यकताएं साझा कीं। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से और आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि पंचायतों को आत्मनिर्भर व खुशहाल बनाया जा सके। इस पायलट प्रोजेक्ट में विकास को केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित न रखकर स्थानीय प्राकृतिक संपदा को नियोजन का आधार बनाया गया है। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से जल, भूमि और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक मानचित्रण किया गया, जिससे इन्हें स्थायी परिसंपत्तियों और दीर्घकालिक आजीविका के अवसरों में बदला जा सके।

सहकार भारती के महिला सम्मेलन में स्वावलंबन पर जोर



स्वतंत्र भारत, लखनऊ। सहकार भारती उत्तर प्रदेश की ओर से रविवार को चौधरी चरण सिंह सभागार, विधानसभा मार्ग पर प्रदेश महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न जिलों से आईं महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। करीब 25 स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को परिवार में संस्कारों का वातावरण बनाने के साथ स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने और पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देने की अपील की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्र सेविका समिति की अवध प्रांत कार्यवाहिका यशोधरा ने महिलाओं की सामाजिक और राष्ट्रीय भूमिका पर विचार रखे। प्रदेश महिला प्रमुख मीनाक्षी राय ने स्वागत किया। सहकार भारती प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संगठन प्रयासरत है। प्रदेश महामंत्री अरविंद दुबे ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, प्रशिक्षण और उत्पादों के विपणन में सहयोग की जानकारी दी। विशेष सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष डीपी पाठक, तृप्ति अग्निहोत्री, करुणा नागर, मधुमिता, ज्योति चतुर्वेदी और गीता त्रिपाठी ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने पर चर्चा हुई।

मां लक्ष्मी के भंडारे में उमड़े श्रद्धालु



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। श्री श्री महासरस्वती पूजा समिति की ओर से ग्रेन मार्केट, गणेशगंज पार्क में देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन किया गया। पूजा के बाद करीब 1100 श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। समिति के मीडिया प्रभारी एवं चरण सेवक विवेक शिवाजी नागवंशी ने बताया कि आयोजन में अध्यक्ष शरद मिश्र, गोपाल रस्तोगी, शेखर गुप्ता, अमन कुमार पाल, मोनू सिंह, सुमित अग्रहरी, पोखराज सोनकर, गणेश शंकर पवार, स्वाति मिश्र, कौस्तुभ मिश्र, शिव शरण दास, श्याम सिंह, विनय राठौर, आकाश पंडित, आर्यन वर्मा, आयुष राजपूत, आशू चौहान, किरन नाग, शुभ नाग नेत्रा, एंजेल, जगजीवन रावत, शिव कुमारी, सूरज, प्रियंका सिंह रघुवंशी, खुशी चौरसिया और विमल कलकतिया सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। सभी ने पूजन और आयोजन में सहयोग किया।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर मेधावी छात्र सम्मान समारोह



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। अखिल भारतीय पाल महासभा, उत्तर प्रदेश की ओर से रविवार को भागीदारी भवन में 29वां लोकमाता अहिल्याबाई होलकर मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस मौके पर प्रकाश पाल, पूर्व मंत्री अशोक कुमार, विजय पाल, डॉ. केएम पाल, रामकुमार पाल, सुरेश पाल, ओपी पाल, बीके पाल, संजय सिंह पाल, आरडी पाल, सदानंद पाल, बुर्जकिशोर पाल, डॉ. मोहन पाल, बीके सिंह बघेल, विनोद पाल, भोलाप्रसाद पाल और रामानंद पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, बालिका शिक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। समारोह में हरेंद्र पाल जी ने बताया कि नेशनल सर्वे सैंपल संस्था के आंकड़ों में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी में पाल समाज का स्थान 54वें से बढ़कर 41वें स्थान पर पहुंचा है। इस अवसर पर जितेंद्र नाथ पाल, महेश पाल, शिवनारायण पाल, राम गोपाल पाल, शिवपाल सिंह और कन्हैयालाल पाल को फूलमाला, अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न एवं पाल गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओपी पाल एवं डॉ. हरेंद्र पाल ने किया।

गूंजे मां जगदंबा के जयकारे, हुआ कीर्तन



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। शहर के अति प्राचीन बाबा जी बगिया स्थित मां जगदंबा मंदिर में भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुजारी विनय शुक्ला, महेश राजानी, सतनाम और श्रद्धालुओं ने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन-अर्चन कर उन्हें उपहार भेंट किए। इसके बाद विशाल भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मीडिया प्रभारी एवं चरण सेवक विवेक शिवाजी नागवंशी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में प्रियंका सिंह रघुवंशी, जगजीवन रावत, शिव कुमारी, सूरज, विमल कलकतिया, खुशी चौरसिया, आकाश पंडित, ध्रुव दीक्षित, आयुष, आशू चौहान, हिमांशु गुप्ता, तुषार गुप्ता और समिति के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का नया पर्यटन सत्र शुरू

- विदेशी पर्यटकों की उमड़ी भीड़, कई नई सुविधाओं का हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । पीलीभीत टाइगर रिजर्व का नया पर्यटन सत्र आज से सैलानियों के लिए आधिकारिक तौर पर खोल दिया गया है। सत्र के पहले दिन वन, पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा अरुण कुमार सक्सेना ने विधिवत हवन-पूजन के बाद सफारी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खास बात यह है कि सत्र के पहले दिन ही ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और यूके जैसे देशों से विदेशी पर्यटक पीलीभीत पहुंचे हैं, जिससे स्थानीय पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिला है।

वर्ष 2014 में टाइगर रिजर्व घोषित हुआ पीलीभीत अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी खास पहचान बना रहा है। जंगलों में बढ़ती बाघों की संख्या और तराई के सुंदर नज़ारे सैलानियों को लगातार अपनी ओर खींच रहे हैं। इस बार पर्यटकों के लिए कई खास इंतजाम किए गए हैं, जिसमें सैलानी अब घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग के जरिए सफारी का आनंद ले सकते हैं। इसके साथ ही पर्यटकों के ठहरने के लिए थारू हट, वाटर हट और ट्री हट की सुविधा शुरू की गई है। वन्यजीव प्रेमियों के लिए सप्त सरोवर पर एक नई कैंटीन भी खोली गई है, जहां पर्यटकों को खास बंगाली व्यंजनों का स्वाद चखाने की व्यवस्था की गई है। प्रवेश द्वार से लेकर जंगलों तक भारी उत्साह का माहौल है और आलम यह है कि सत्र के पहले दिन से लेकर 9 नवंबर तक की सभी बुकिंग पहले ही फुल हो चुकी हैं। विदेशी मेहमानों और फिल्म जगत से जुड़े निर्देशकों की मौजूदगी ने इस बार के सत्र को और भी खास बना दिया है।

इस अवसर पर बरखेड़ा के विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूरनपुर के विधायक बाबूराम पासवान और बीसलपुर के विधायक विवेक वर्मा भी उपस्थित रहे। इनके अलावा प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक उत्तर प्रदेश अनुराधा बेमूरी, अपर प्रधान वन संरक्षक रामकुमार, प्रबंध निदेशक वन निगम अरविंद कुमार सिंह, अपर प्रधान वन संरक्षक पिनाकी प्रसाद सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व मनीष सिंह, प्रभागीय निदेशक बरेली प्रखर गुप्ता, प्रभागीय निदेशक पीलीभीत भारत कुमार डीके सहित अनेक प्रमुख वन अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य मंत्री तथा वन अधिकारियों ने चूका तक जंगल सफारी की और वापस मुस्तफाबाद आए। वन मंत्री ने इस अवसर पर इस पर्यटन सत्र की पहली गाड़ी को रवाना किया। उन्होंने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के लिए शहर के उद्योगपति अश्विनी अग्रवाल द्वारा उपलब्ध कराए गए कागज के थैलों का भी विमोचन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सप्त सरोवर पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का भी लोकार्पण किया।

सी.आर.-1697/L

सुभाष मार्ग पर गेट निर्माण का काम रुका, जांच के बाद होगा फैसला

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। नाका हिन्डोला से रकाबगंज जाने वाले व्यस्त सुभाष मार्ग पर राजेन्द्र नगर मोड़ के पास नगर निगम जोन-2 की ओर से कराए जा रहे गेट निर्माण का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। उनका कहना है कि इस रास्ते से नवयुग कन्या विद्यालय समेत कई स्कूल-कॉलेजों के हजारों छात्र-छात्राएं और राजेन्द्र नगर के निवासी रोजाना गुजरते हैं। पहले से जाम की समस्या से जूझ रहे इस मार्ग पर गेट बनने से आवागमन और प्रभावित होगा। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी जताई हैं। शिकायत के बाद नगर आयुक्त के निर्देश पर फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया गया है।

राजकीय महाविद्यालय नाधाभूड़, सहसवान (बदायूँ) उ0प्र0
Government Degree College, Nadhabhood Sahaswan Budaun (U.P.)
Affiliated to M.J.P Rohilkhand University, Bareilly
Website- https://gddnadhabudaun.co.in/.org Email-gdcnadhabudaun@gmail.com
पत्रांक- 182-187/निविदा/2026-27 दिनांक: 30-10-2026

निविदा सूचना

इस महाविद्यालय को वित्त नियंत्रक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0, प्रयागराज के पत्रांकः शिक्षी बजट / 1716/ 2026-27 दिनांक 22.10.2026 के द्वारा 29-अनुरक्षण मद में 5,00,000/- (पांच लाख रुपये मात्र) प्राप्त हुए हैं । प्राप्त धनराशि के स्वपेक्ष महाविद्यालय में (1. प्राचार्य कक्ष में पीवीसी पैनल से सज्जा कार्य, 2. पृष्ठभाग बाउंड्रीवॉल की रिपेयर सहित पुताई कार्य एवं 3. महाविद्यालय के मुख्य बरामदे, कार्यालय कक्ष, परीक्षा कक्ष एवं कम्प्यूटर कक्ष में पुताई का कार्य) कराया जाना है। उक्त कार्य हेतु मोहर बंद निविदायें दिनांक 14.11.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फर्म 118 / - नकद जमा कर महाविद्यालय कार्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार आगणन के आधार पर किया जायेगा। प्राप्त निविदाओं पर 02 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी जमा करने पर ही विचार किया जायेगा। निविदा खुलने के पश्चात उसी दिन निविदा स्वीकार न होने पर अर्नेस्ट मनी वापस कर दी जायेगी। निरविदा स्वीकृत होने पर नियमानुसार धरोहर राशि एफ. डी. के रूप में बंधक करा कर जमा करनी होगी, जिसे कार्य संतोषजनक होने पर वापस कर दिया जायेगा। पंजीकरण प्रमाण-पत्र के बिना निविदा निरस्त कर दी जायेगी। प्राप्त निविदायें दिनांक 16.11.2026 को प्राचार्य एवं उपस्थित ठेकेदारों के सम्मुख खोली जायेंगी।
नोट- बिना कराण बताये निविदा को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय नाधाभूड़
सहसवान बदायूं (उ0प्र0)

सी.आर.-1698/D

कार्यालय ग्राम पंचायत अतिवरा विकास खंड मदनापुर जिला शाहजहांपुर
अति अल्पकालीन निविदा सूचना
अन्त्येष्टि स्थलों का विकास योजना के अंतर्गत सामग्री आपूर्ति हेतु

समस्त पंजीकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अतिवरा में वर्ष 2026-27 की अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य हेतु निर्धारित दरों पर सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं इच्छुक फर्म निविदा प्रकाशन के तीन दिवस के अन्दर समय दिन के 2 बजे तक निविदाएं प्राप्त करा सकते हैं उसी दिन 3 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदाएं खोली जायेंगी।

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1	अन्त्येष्टि स्थल निर्माण कार्य	24.120 लाख

सामग्री आपूर्ति का विवरण- उपरोक्त कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी, सीमेंट, मोरिंग, बजरी, रेता, सरिया, ईंट रोड़ी, मिट्टी, गिट्टी, टायल्स, लोहे का पाइप, टीन शेड, सफाई किट, प्लास्टिक कूड़ादन, पीवीसी पाइप, सीआईबी बोर्ड, लोहे का गेट, विन्डो, लोहे का तार, हैन्ड पम्प स्थापना, बिजली फिटिंग, रंगाई-पुताई आदि की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु, समस्त क्रय का भुगतान सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति के बाद किया जाएगा, अग्रिम नहीं। नोट- यदि एक भी निविदा प्राप्त नहीं होती है तो ग्राम पंचायत सरकारी दर पर जीएसटी सहित किसी भी फर्म से सामग्री लेने के लिए स्वतंत्र रहेगी। अधिक जानकारी ग्रा. पं. कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

केतुकी सिंह प्रधान — दीपेन्द्र कुमार सचिव

स्वतंत्र भारत
वर्गीकृत

सूचना

मैं सुनील कुमार S/o जगदीश निवासी मलिहागाढ़ा कंचनपुर जिला उन्नाव का निवासी हूँ। मैंने भा.जी.बी. निगम में एक पॉलिसी सं. 212685684 करायी थी जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम सुरेश कुमार वर्मा पुत्र जगदीश वर्मा लिख गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम सुनील कुमार S/o जगदीश है। गाँव में मुझे दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है।
सी.आर.-1697/L-42

सूचना

मैं राहुल त्रिपाठी पुत्र श्री कामता प्रसाद त्रिपाठी निवासी-22, हौदा तालाब, काकोरी, लखनऊ उ.प्र.-226101, मैं और दर्ज खातेदार श्रीपाल के मध्य दिनांक 07/10/2026 को खसरा सं.-421, रकबा 0.11375 हे., स्थित ग्राम व परगना काकोरी, तहसील व जनपद लखनऊ के विक्रय के संबंध में पंजीकृत अनुबन्ध पत्र निष्पादित हुआ था जो उप निबन्धक सदर, चतुर्थ के समक्ष बही सं.-1, जिल्द सं.-22741 के पृष्ठ 165 से 182 तक क्रमांक 10870 पर पंजीकृत है। जिसका ई-स्टाम्प सं.- IN-UP22746765475125Y है। वास्तव में कहीं खो गयी है। जिसके सम्बन्ध में मैंने ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लापरवाही में 5 पुलिसकर्मियों पर गाज

ड्यूटी से नदारद मिले दो चौकी प्रभारी हटाए गए, विभागीय जांच के निर्देश

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सीएम और शासन की मंशानुरूप कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने सख्ती बरते हुए रात्रि गश्त और ड्यूटी में लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान दायित्वों से हटा दिया गया है। इनमें दो चौकी प्रभारी शामिल हैं किसी को थाने से संबद्ध किया गया है तो किसी को लाइन का रास्ता दिखाया गया है। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस कमिश्नर ने फटकार लगाते हुए कहा कि महिला सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में रात्रि गश्त की अहम भूमिका है।



ऐसे में रात की ड्यूटी में लापरवाही, गैरहाजिरी या उदासीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त पूर्वी, दक्षिणी और मध्य जोन ने रात्रि गश्त एवं ड्यूटी की आकस्मिक चेकिंग की। इस दौरान पांच पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह और ड्यूटी से गैरहाजिर पाए गए। इसके बाद तत्काल कार्रवाई की गई। रात्रि गश्त एवं ड्यूटी में शिथिलता पाए जाने पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने दो चौकी प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान दायित्वों से हटाकर थानों से संबद्ध कर दिया। महिला उपनिरीक्षक अर्चना, चौकी प्रभारी अरावली, थाना गाजीपुर, उपनिरीक्षक शशिकांत, चौकी प्रभारी कमता, थाना चिनहट, दक्षिणी जोन में थाना सरोजनीनगर में रात्रि गश्त के दौरान गैरहाजिर पाए जाने पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने उपनिरीक्षक आशीष कुमार और आरक्षी सतेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। मध्य जोन में पुलिस उपायुक्त अर्पित विजयवर्गीय ने रात्रि गश्त के दौरान गैरहाजिर मिले चौकी प्रभारी निशातगंज, थाना महानगर में तैनात उपनिरीक्षक सत्येन्द्र कुमार को लाइन हाजिर कर दिया।

रात ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : पुलिस आयुक्त

पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने साफ संदेश दिया है कि पुलिसकर्मियों को ड्यूटी में लापरवाही और गैरहाजिरी को गंभीरता से संज्ञान में लिया जाएगा और नियमित निगरानी रखने के साथ ही समीक्षा होगी। महिला सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम के लिए तैनात पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारी पूरी मुस्तैदी से निभानी होगी। इसमें किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनका उद्देश्य राजधानी में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय होगी।

24 घंटे में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत



स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में चौबीस घंटे के अंदर सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई वही कई लोग घायल हुए। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक पढ़ोरी मौदहा निवासी बाइक सवार रामकृपाल (50) को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई है। वहीं सीओ राजकुमार पांडेय ने बताया कि डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। डंपर अनुज कुमार यादव पुत्र गुलाब सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी तरह से सिसोलर थाना क्षेत्र के भुलसी गांव के निवासी विनय कुमार अपनी पत्नी आरती 26 वर्ष और बच्चों के साथ बाइक से सदर अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखने जा रहा था। सुमेरपुर थानाक्षेत्र के मुंडेरा मार्ग में मिहुना गांव के समीप ब्रह्मदेव स्थान के पास सिसोलर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार में बाइक में टक्कर मार दी। इससे विमल बाइक से उछलकर सड़क में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पति ने उसे इलाज के लिए कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया यहां डॉक्टरो ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पति पुलिस को बगैर सूचना दिए शव को लेकर वापस गांव लौट गया मृतका के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पति ने फोन बंद कर रखा है इससे पहले राठ कोतवाली क्षेत्र में कार और बाइक की टक्कर मे चाचा भतीजे की मौत हो गई वहीं कार सवार पांच लोग घायल हो गए । घायलों में तीन लोगों को मेडिकल कालेज रेफर किया गया है।मुस्करा थाना क्षेत्र के बंडवा गांव स्थित श्रीरामपुर डेरा निवासी सर्वेश पुत्र मथुरा अपने भतीजे अरविंद पुत्र करन सिंह के साथ महोबा जनपद के कुनहटा गांव अपनी बहन से मिलने जा रहे थे। मृतक सर्वेश के भाई मुन्ना के मुताबिक, धनोरी गांव के पास राठ की ओर से आ रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सर्वेश और अरविंद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में कार सवार पांच लोग भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राठ में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि सर्वेश पांच भाइयों में सबसे बड़े थे, जबकि अरविंद छह भाइयों में से एक थे। चाचा-भतीजे की एक साथ मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाली प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि रविवार को शवों के पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिये गये है।

बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में दस लोग हुए घायल, उड़े परखच्चे



स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में रविवार को सुबह तेज रफ्तार रोडवेज बस और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में बस चालक, महिला परिचालक समेत दस लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस से नजदीक के सरकारी अस्पताल भेजा गया जहां हालत गंभीर होने पर कई घायलों को रेफर कर दिया गया है। रोडवेज निगम और पुलिस के अधिकारियो ने मौके पर पहुंचकर जांच की। क्षेत्राधिकारी मौदहा राजकुमार पांडेय ने बताया कि राठ डिपो की बस सवारियां लेकर कानपुर जा रही थी। जैसे ही ये बस बिंवार थाना क्षेत्र के हीरानंद डिग्री कालेज के पास पहुंची तो ईंटों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली से टक्कर हो गई। टक्कर में बस और ट्रॉली के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बस चालक रूरीपारा ललपुरा हमीरपुर निवासी लक्ष्मीनारायण व परिचालक रीता, मधु राजपूत, आकांक्षा, मुस्करा निवासी सब्जी बिक्रेता ताहिर समेत कई छात्र व छात्राएं घायल हो गए। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में बस में सवार घायलों को इलाज के लिए नजदीक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बताते है कि तमाम छात्र और छात्राएं पीईटी की परीक्षा देने हमीरपुर आ रहे थे तभी ये हादसा हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया है।

अज्ञात वाहन और कार की टक्कर में युवक की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनपद बिजनौर के थाना धामपुर स्थित स्योहारा रोड पर रविवार सुबह सार्थक अस्पताल के पास कार और मालवाहक वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार करीब 30 वर्षीय युवक रचित कुमार की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा उसका दोस्त अंकुर शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए मुरादाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक रचित कुमार पुत्र नागेंद्र निवासी धामपुर के थे उनके पिता धामपुर शुगर मिल के डिस्टिलरी प्लांट में कार्यरत हैं। वह धामपुर में परिलोक अस्पताल के पास



स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर में कार्यरत थे। दोस्त दीपू ने बताया कि मृतक के दो भाई और एक बहन हैं। वहीं हादसे में घायल अंकुर शर्मा का मुरादाबाद के अस्पताल में उपचार चल रहा है। कोतवाली प्रभारी धीरज सोलंकी ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में जांच की जा रही है।

रिश्वत मांगने वाला पशु चिकित्साधिकारी गिरफ्तार

50 हजार की मांग, 30 हजार रुपये लेते गोरखपुर सतर्कता अधिष्ठान की टीम ने रंगेहाथों पकड़ा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। कुशीनगर सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोरखपुर सतर्कता अधिष्ठान की टीम ने कुशीनगर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शांति प्रकाश द्विवेदी को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी को पडरौना स्थित विकास भवन के पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उन्होंने मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत सरकारी सहायता दिलाने के नाम पर एक लाभार्थी से 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। पुलिस अधीक्षक के मीडिया प्रभारी ने बताया कि शिकायतकर्ता दिनेश कुमार गुप्ता निवासी बरवाजना फाटक थाना कप्तानगंज ने उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक समृद्धि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि योजना के तहत सहायता राशि दिलाने के नाम पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शांति प्रकाश द्विवेदी ने दिनेश कुमार गुप्ता से 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने गोरखपुर के सतर्कता अधिष्ठान पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया और पूरे मामले की लिखित शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता अधिष्ठान ने मामले की जांच कराई गई उसमें आरोपों की पुष्टि होने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि टीम के निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय की टीम ने पडरौना स्थित विकास भवन के पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम में निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, निरीक्षक विद्याशंकर पाण्डेय, निरीक्षक महेन्द्र, निरीक्षक शहीद अहमद, उपनिरीक्षक ईश्वर यादव, उपनिरीक्षक मिथिलेश सिंह, उपनिरीक्षक रविन्द्र पाल, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार यादव, मुख्य आरक्षी चन्द्रसेन गौतम, उपनिरीक्षक चालक कृष्ण कुमार सिंह और मुख्य आरक्षी चालक वकील यादव शामिल रहे। सतर्कता अधिष्ठान के अनुसार गिरफ्तार मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

गल्ले से चोरी करने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

डेढ़ लाख रुपये किया था पार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में दुकान के गल्ले से करीब डेढ़ लाख रुपये चोरी कर फरार हुए कर्मचारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रिंस गुप्ता (20) पुत्र महेश गुप्ता निवासी नीलमथा, थाना कैंट के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक दमन दीप सिंह पुत्र सरबजीत सिंह की दुकान पर प्रिंस गुप्ता कर्मचारी के रूप में काम करता था। आरोप है कि बीते 26 अक्टूबर को उसने दुकान के गल्ले में रखे करीब डेढ़ लाख रुपये चोरी कर लिए और फरार हो गया। दुकान मालिक की तहरीर पर पीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई। मामले के खुलासे के लिए तीन पुलिस टीमें गठित की गई थीं। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गल्ले में रखे रुपये देखकर उसके मन में लालच आ गया था, जिसके चलते उसने चोरी की योजना बनाई और नकदी लेकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 34 हजार 210 रुपये सहित एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर बस पलटी 19 श्रद्धालु घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रविवार को गंगा एक्सप्रेस-वे पर श्रद्धालुओं से भरी बस पलट गई। हादसे में 19 श्रद्धालु घायल हो गए, जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में चल रहा है। पश्चिम बंगाल के सभी श्रद्धालु वृंदावन से काशी विश्वनाथ के दर्शन को वाराणसी जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक के मीडिया प्रभारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में हावड़ा ज़िले के कदमतला के श्रद्धालुओं का एक समूह बस से वृंदावन गया था। वृंदावन दर्शन के बाद सभी लोग वाराणसी जा रहे थे। लालगंज के उमरा मऊ में गंगा एक्सप्रेस-वे पर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस सवार 19 श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव करते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए

वृंदावन से वाराणसी जा रहे थे पश्चिम बंगाल के श्रद्धाल, चालक को झपकी आने से हादसे की

अस्पताल में भर्ती कराया ।लालगंज थाना प्रभारी प्रमोद सिंह ने बताया कि घायलों में सुदीप सिंह, उनकी पत्नी मोनिता, पुत्री सोमाली तथा पुत्र सेयम सिंह, पुरखित पांजा, उत्तम दिलोई, रोमा पत्नी पुरखित पांजा, मिनोती दास, सुजीत, सुहानी, दरजीत, विभव दिलई, श्रेष्टा मन्ना,रामदेव मन्ना, स्वामी रामदेव मन्ना, रूबी मन्ना, अशोक दास, खैतली मन्ना व वंदना हैं। सभी घायलों को एंबुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से सेयमं सिंह, पुरखित पांजा, उत्तम दिलोई, रोमा, सोनाली तथा वंदना की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी प्रमोद सिंह का कहना है कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बस के चालक को नींद की झपकी आना होना बताया गया है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। नोएडा के थाना 126 क्षेत्र में कमिश्नरेट पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में रणदीप भाटी गैंग का 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश ढेर हो गया। इस मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ में मारे गए बदमाश का नाम अमन त्यागी उर्फ माया त्यागी पुत्र धनेश निवासी ग्राम छपार थाना छपार जिला मुजफ्फरनगर था। ये रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था जिस पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित डकैती, लूट के 18 से अधिक मामले दर्ज थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अमन त्यागी नोएडा के थाना 126 क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना के आधार पर, कमिश्नरेट नोएडा पुलिस और एसटीएफ की सीआरटी टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी की। जैसे ही बदमाशों ने पुलिस को देखा, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस अभिरक्षा में थाने से दुष्कर्म का आरोपी फरार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा के बिसंडा थाने में पुलिस अभिरक्षा से दुष्कर्म आरोपित हथकड़ी की रस्सी खोलकर फरार हो गया। घटना रविवार तड़के करीब चार बजे की बताई जा रही है। आरोपित के थाने से भागने की जानकारी होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार आरोपित की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। वहीं, ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात ने बताया कि महोखर निवासी एक युवती को बहला-फुसलाकर मलखान यादव अपने साथ भगा ले गया था। आरोपित के खिलाफ बिसंडा थाने में मुकदमा 172/26 दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे थाने में निगरानी के बीच हथकड़ी लगाकर रखा गया था। रविवार को किशोरी का मेडिकल परीक्षण और बयान दर्ज कराया जाना था, जबकि आरोपित को न्यायालय में पेश किया जाना था। इससे पहले ही आरोपितरविवार तड़के करीब चार बजे मौका पाकर हथकड़ी में बंधी रस्सी खोल कर थाने से फरार हो गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को जब उसके फरार होने की जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए।

> आरोपित की गिरफ्तारी के लिए स्थानीय पुलिस के साथ एसओजी और सर्विलांस टीम को लगाया गया है आरोपित और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये गये और जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा।
>
> **-कृष्णाकांत त्रिपाठी,क्षेत्राधिकारी**

करीब 100 लोगों के धर्मांतरण की साजिश नाकाम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम में घर के अंदर धर्मांतरण कराने का आरोप सामने आया है। रत्नम आई हॉस्पिटल के पास स्थित एक मकान में ईसाई धर्म की चंगाई सभा चलने की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे।कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वहां सामूहिक रूप से करीब 100 लोगों का धर्म परिवर्तन कराने की तैयारी थी। विरोध करने पर उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की कोशिश की गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वहां से 7 लोगों को हिरासत में लिया गया है।मोहल्ले के पी चॉर्ल्स और उनके बेटे रॉबर्ट पर धर्मांतरण के आरोप लगे हैं। चॉर्ल्स का परिवार यहां 2009 से रह रहा है। ये दोनों रायबरेली के रहने वाले अशोक तिवारी के मकान में किराये पर रहते हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, रविवार को बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ यहां जुटती है। पहचान बदलकर सभा में पहुंचे कार्यकर्ताबजरंग दल के कार्यकर्ताओं के मुताबिक, उन्हें घर के अंदर चंगाई सभा चलने की सूचना मिली थी। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता अपनी पहचान छिपाकर मौके पर पहुंचे। दरवाजे पर रोके जाने पर उन्होंने बताया कि वे ईसाई धर्म अपनाने के लिए सभा में आए हैं। इसके बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया।कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सभा में लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहां कहा जा रहा था कि भगवान कुछ नहीं

पुलिस टीम ने ७ लोगों को हिरासत में लेकर की पूछताछ

होता, सब कुछ ईशू हैं। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि वहां करीब 100 लोगों का सामूहिक धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इसका विरोध करने पर उन्हें बाहर निकाल दिया गया।

'आर्थिक लाभ का लालच देकर धर्मांतरण' बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख देवेंद्र ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि यहां चंगाई सभा में धर्म परिवर्तन हो रहा है। जब हमारे कार्यकर्ता अंदर पहुंचे तो वहां ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा जा रहा था। आर्थिक लाभ का लालच देकर और उनकी परेशानियों को दूर करने की बात कहकर धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को कहा जा रहा था। हमारे एक कार्यकर्ता ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई।बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के जिला सह संयोजक अनुज शर्मा ने तालकटोरा थाने में शिकायत देकर कहा कि सैंकड़ों लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए इक्कठा किया गया था। सूचना मिलने के बाद हम लोगों ने दो लोगों को प्रार्थना सभा में शामिल कराया। जब वो लोग अंदर गए तो बताया कि हिन्दू देवी देवताओं का अपमान किया जा रहा था। एक स्थानीय निवासी और सूत्रों के मुताबिक 100 से अधिक महिलाएं, पुरुष और बच्चे आये थे जिनमें महिलाओं ने बताया कि हमें ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए बुलाया गया है इससे हमारी दुख, परेशानी दूर होगी। एसीपी का कहना है कि एक क्रिश्चिन व्यक्ति ने किराए पर कमरा ले रखा है वहीं पर प्रार्थना सभा चल रही थी फिलहाल कन्वर्जन जैसा कुछ नहीं है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है जो तथ्य प्रकाश में आयेंगे आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दवाइयों की आड़ में शराब तस्करी का खुलासा, लाखों की अवैध शराब बरामद

डाक पार्सल लिखे लोडर से ले जाई जा रही थी चंडीगढ़ निर्मित 80 पेटी शराब

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली पुलिस और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने दवाइयों की आड़ में अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चंडीगढ़ निर्मित 80 पेटी अंग्रेजी शराब, 83 पैकेज दवाइयां और तस्करी में प्रयुक्त डाक पार्सल लिखे लोडर को बरामद किया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये और लोडर की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा ने रविवार को बताया कि धनतेरस और दीपावली के त्योहारों को देखते हुए जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार रात अजीतमल थाना पुलिस और स्वॉट/सर्विलांस की संयुक्त टीम अनंतराम टोल प्लाजा पर



संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि डाक पार्सल लिखे एक लोडर में दवाइयों की आड़ में अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-19 पर इटावा से औरैया मार्ग स्थित कस्बा अजीतमल के भटा रोड के पास सर्विस रोड पर घेराबंदी कर संदिग्ध लोडर को रोक लिया। तलाशी के दौरान उसमें चंडीगढ़ निर्मित 80 पेटी अंग्रेजी शराब और 83 पैकेज दवाइयां बरामद हुईं। दवाइयों से संबंधित चालान, रसीद और बिल भी मिले। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रामकुमार पुत्र प्रेमचंद्र निवासी महादेव पूर्वा, थाना इंदरगढ़, जिला कन्नौज के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि पुलिस और अन्य लोगों को शक न हो, इसलिए वह डाक पार्सल लिखे लोडर में दवाइयों के साथ शराब छिपाकर ले जाता था। वह चंडीगढ़ (हरियाणा) से सस्ते दामों पर शराब खरीदकर बिहार में महंगे दामों पर बेचता था। आरोपित ने पूर्व में मोतिहारी और मुजफ्फरपुर (बिहार) में दो बार जेल जाने की बात भी बताई है। टीम में थाना प्रभारी विजय बहादुर वर्मा, स्वॉट/सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक समित चौधरी, उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह और ऊंचा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राम बालक सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।



डिप्टी सीएम के क्षेत्र सिराथू में झाड़ू से उखड़ रही पीडब्ल्यूडी की सड़क

सड़क निर्माण की तस्वीरों ने खोली विभागीय दावों की हकीकत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से सड़कों के निर्माण और मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सरकार बेहतर

- पीडब्ल्यूडी के निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल
- अभियंताओं की निगरानी, ठेकेदारों की जवाबदेही और गुणवत्ता परीक्षण पर उठे सवाल

सड़कें बनाने और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता का दावा कर रही है, लेकिन कौशांबी जिले के सिराथू से सामने आई सड़क की तस्वीरें विभाग के इन दावों के सामने गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य विधान सभा के जबई गांव में हाल ही में बनी सड़क की सतह से झाड़ू लगाने भर से गिट्टी और डामर जैसी निर्माण सामग्री उखड़ने की तस्वीर साफ तौर पर देख सकते हैं। यह महज एक सड़क की खराब गुणवत्ता का मामला नहीं, बल्कि निर्माण प्रक्रिया, तकनीकी निगरानी और सरकारी धन के उपयोग की जांच का गंभीर विषय बन गया है।

सिराथू इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्रदेश के उपमुख्यमंत्री



केशव प्रसाद मौर्य का विधानसभा क्षेत्र है। ऐसे क्षेत्र में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठना लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। जब जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में ही निर्माण कार्यों की ऐसी तस्वीरें सामने आती हैं, तो प्रदेश के दूसरे जिलों में चल रहे कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार गिट्टी, बिटुमिनस सामग्री, तापमान, मोटाई और दबाव सहित कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का पालन जरूरी होता है। निर्माण के दौरान अभियंताओं की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण भी अनिवार्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। ऐसे में सवाल है कि संबंधित सड़क का निर्माण किस ठेकेदार ने कराया और कितनी लागत स्वीकृत हुई। निर्माण कब पूरा हुआ । भुगतान से पहले गुणवत्ता परीक्षण किस अधिकारी ने किया। मौके पर मानकों के अनुरूप निरीक्षण किया गया था या नहीं यह सब सवाल का जवाब सिराथू में कार्यरत जेई से लेकर अधिशाषी अभियंता की ओर से नहीं मिल पा रहा है। यदि सड़क की ऊपरी परत सामान्य झाड़ू लगाने से ही निकल रही है, तो निर्माण में प्रयुक्त सामग्री और निर्धारित मानकों के अनुपालन की स्वतंत्र तकनीकी जांच आवश्यक हो जाती है।

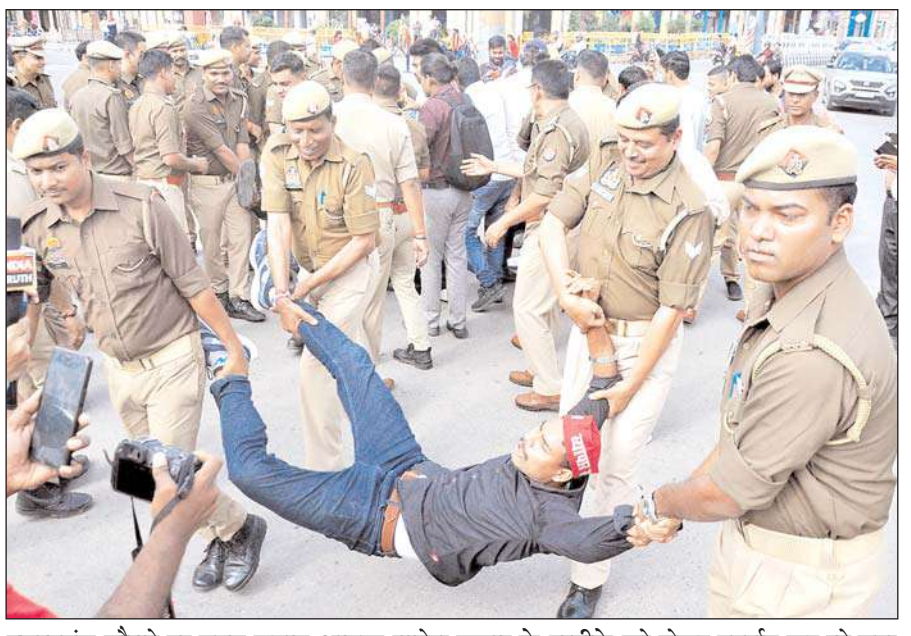
फाइलों में गुणवत्ता प्रमाणपत्र, जमीन पर कमजोर सड़क

लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभागीय निरीक्षण, प्रयोगशाला परीक्षण और माप पुस्तिका (एमबी) जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद यदि किसी सड़क की सतह इतनी कमजोर पाई जाती है कि सामान्य सफाई में ही सामग्री निकलने लगे, तो संबंधित अधिकारियों के निरीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणपत्रों की भी जांच होनी चाहिए। सबसे अहम यह है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क का भौतिक सत्यापन किया गया था क्या ठेकेदार को भुगतान से पहले गुणवत्ता की पुष्टि हुई यदि सड़क निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं बनी, तो इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदार और निगरानी करने वाले अभियंताओं की जवाबदेही कैसे तय होगी।

शासन स्तर से हो तकनीकी जांच, तय हो जिम्मेदारी

सिराथू की जबई गांव सड़क का मामला लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों के लिए जांच का विषय है। प्रमुख अभियंता और विभागीय सचिव स्तर से निष्पक्ष तकनीकी टीम भेजकर सड़क की मोटाई, बिटुमेन की मात्रा, गिट्टी की गुणवत्ता और निर्माण में इस्तेमाल सामग्री का परीक्षण कराया जाना चाहिए। साथ ही स्वीकृत एस्टीमेट, टेंडर, कार्यादेश, एमबी, भुगतान और गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट का मिलान भी जरूरी है। यदि जांच में मानकों की अनदेखी, घटिया सामग्री के इस्तेमाल या भुगतान में अनियमितता सामने आती है, तो संबंधित ठेकेदार के साथ जिम्मेदार अभियंताओं पर भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। सवाल सिर्फ सिराथू की एक सड़क का नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था का है जिसमें जनता के टैक्स का पैसा खर्च करके सड़कें बनाई जाती हैं। आखिर निर्माण की गुणवत्ता की जिम्मेदारी लेने वाला अधिकारी कौन है और यदि सड़क मानकों पर खरी नहीं उतरती तो जवाबदेही किसकी तय होगी।

> सिराथू की सड़क का मामला लोक निर्माण विभाग के लिए जांच का विषय है। सड़क की जांच कराकर संबंधित ठेकेदार,अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की संस्तुति की जायेगी ।
>
> **ए के द्विवेदी,प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष पीडब्ल्यूडी ।**



हजरतगंज चौराहे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ता

दिव्य उत्सव में श्रीकृष्ण गाथा और लोकगीतों की प्रस्तुति



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। दिव्य स्नेह फाउंडेशन की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में दिव्य उत्सव-2026 आयोजित किया गया। अनिल कश्यप के संचालन में हुए कार्यक्रम में नम्रता के निर्देशन में श्रीकृष्ण गाथा नाटक का मंचन हुआ। इसमें अनिल कश्यप, दिव्यश्री, कृतिका श्रीवास्तव, ब्रेनी सक्सेना, विवेक सिंह, बृजेश चंद्रा, राजशेखर, रोहित झा, सुधीर श्रीवास्तव, अंजना श्रीवास्तव, मयंक तिवारी, चंदा मिश्रा, शिप्रा बागची, शिखा श्रीवास्तव, अदिति राव, राघव राव, वान्या सक्सेना, अंजना सिन्हा, माही सिन्हा, आलोक वर्मा और श्यामू ने अभिनय किया। लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत करने वालों में नम्रता, चंदा मिश्रा, कुमकुम मिश्रा, अनुराधा मौर्य, अंजना श्रीवास्तव, अंजना सिन्हा, अनिल कश्यप, सुधीर श्रीवास्तव, विवेक सिंह, माही सिन्हा, विमला देवी, कृतिका श्रीवास्तव, दिव्यश्री, अदिति राव, नीलू शर्मा, भारती श्रीवास्तव, मीना राव, विवेक रावत, ब्रेनी सक्सेना, राघव राव, स्नेहा रस्तोगी, बृजेश चंद्रा और नीना चंद्रा शामिल रहे। नृत्यांगन डांस इंस्टीट्यूट ने भी प्रस्तुति दी। धर्मेंद्र के गीतों के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कैराओके गायन में अनिल कश्यप, सुधीर श्रीवास्तव, माही सिन्हा, आलोक वर्मा, नरेंद्र झा, रोहित झा, रेखा झा, मयंक तिवारी, बृजेश चंद्रा, अंजना श्रीवास्तव, अंजना सिन्हा, विवेक रावत, अनिल अग्रवाल, छाया अग्रवाल, क्षितिज श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, संगीता मिश्रा, विनोद वर्मा, अनिता, बीना, प्रमोद कुमार, अनिल सचान, अनुपमा श्रीवास्तव और आदि अनंत ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ. अंजनी कुमार मिश्र को कला और अनिल अग्रवाल को साहित्य के क्षेत्र में दिव्य रत्न अवार्ड दिया गया। अतिथियों में राजीव रंजन, सीताराम कश्यप, अभिनेता अजय सिंह, सुशील कुमार बच्चा, प्रज्ञा श्रीवास्तव और मेजर जनरल अतुल बाजपेई मौजूद रहे।

घरेलू कनेक्शन से दुकान में बिजली जलाने की छूट देने की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। अगले वित्तीय वर्ष 2027-28 की बिजली दरों में एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को घरेलू कनेक्शन से ही दुकान में बिजली जलाने की छूट देने की राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मांग की है। परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि निम्न आय वर्ग के लगभग 30 लाख उपभोक्ता घर के छोटे हिस्से में दुकानें खोलकर आजीविका चला रहे हैं। उनके यहां अक्सर विजिलेंस जांच कर राजस्व निर्धारण के साथ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज करा दिया जाता है। ऐसे में राज्य सरकार और पावर कारपोरेशन प्रबंधन से वह लगातार इस संबंध में मांग कर रहे हैं। नियामक आयोग ने बिजली वितरण कंपनियों को तीन माह में प्रस्ताव दाखिल करने के निर्देश दिए थे लेकिन अब तक प्रस्ताव दाखिल नहीं किया गया है। गौरतलब है कि अगले वर्ष की बिजली दरों के प्रस्ताव सभी बिजली कंपनियों को 30 नवंबर तक विद्युत नियामक आयोग में दाखिल करना है।

बिजली संविदा कर्मियों की विशाल रैली 10 दिसंबर को



स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। विद्युत संविदा मजदूर संगठन उप्र की कार्यकारिणी बैठक रविवार को नरही स्थित केंद्रीय कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष नवल किशोर सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के प्रमुख पदाधिकारी पुनीत राय, जितेंद्र कुमार, आशीष कुमार, राजीव रंजन राय, मोहम्मद सरफराज, राजेश्वर सिंह, सुनील गोस्वामी, संजय सिंह, आनंद सिंह, विमल सिंह, अंकित अस्थाना, अरविंद कुमार, मनीष पाल, राजू अंबेडकर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। बैठक में पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा ऊर्जा निगमों में कार्यरत संविदा कर्मियों को आउटसोर्स सेवा निगम में शामिल न किए जाने की संस्तुति किए जाने की बैठक में निंदा की गई । साथ ही यह निर्णय लिया गया कि आंदोलन के प्रथम चरण में 25 नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों में एक दिवसीय सत्याग्रह किए जाने के बाद 10 दिसंबर को शक्ति भवन, मुख्यालय पर विशाल रैली आयोजित की जाएगी। संगठन द्वारा संविदा श्रमिकों को न्यूनतम 22,000 रूपए तथा एसएसओ एवं लाइनमैन को 25,000 रूपए प्रतिमाह वेतन दिए जाने और संविदा कर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ मजदूर नेता आरएस राय ने प्रदेश के समस्त संविदा कर्मियों से अपने अधिकारों एवं भविष्य की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष में शामिल होने की अपील की। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को आउटसोर्स सेवा निगम में शामिल करने का शासनादेश जारी नहीं किया गया तो 10 दिसंबर की रैली के बाद प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार जैसे कठोर आंदोलनात्मक कदम उठाने पर संगठन बाध्य होगा ।

1984 के सिख नरसंहार के पीड़ितों के समर्थन में निकाला विरोध मार्च



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। 1984 के सिख नरसंहार की बरसी पर रविवार को सिख समाज की ओर से पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता जताते हुए शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकाला गया। मार्च गुरुद्वारा आलमबाग स्थित साहिबजादा पार्क से शुरू होकर खालसा चौक, टेढ़ी पुलिया पर समाप्त हुआ। यहां आयोजित सभा में विभिन्न सिख संगठनों के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवारों के लिए न्याय और सम्मान की मांग उठाई। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सिंह तलवार ने कहा कि एक नवम्बर सिख समाज के लिए संवेदनशील दिन है। इस तारीख को राजनीतिक रैली आयोजित करने से पीड़ित परिवारों की भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। निर्मल सिंह ने कहा कि यह दिन स्मरण, संवेदना और न्याय की अपेक्षा व्यक्त करने का है। गुरप्रीत सिंह बग्गा ने भी पीड़ित परिवारों को न्याय और सम्मान दिए जाने की आवश्यकता बताई।

- साहिबजादा पार्क से खालसा चौक तक पहुंचे प्रदर्शनकारी, सभा में न्याय और सम्मान की मांग उठाई

उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के महासचिव सुरेन्द्र सिंह बक्शी ने कहा कि प्रभावित परिवारों की पीड़ा को समझना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। महासचिव रतपाल सिंह गोल्डी ने सभी संगठनों से इस दिन की संवेदनशीलता का ध्यान रखने की अपील की। दिलप्रीत सिंह विर्क ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में व्यापारियों और आम नागरिकों की सुविधाओं का ध्यान रखने की बात कही। राजेन्द्र सिंह राजू, पूर्व पार्षद राजू गांधी, रणबीर सिंह भसीन और राजेन्द्र सिंह बग्गा लक्की ने भी सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने पर जोर दिया।

मार्च में सतबीर सिंह राजू, मनमोहन सिंह मोहनी, ओंकार सिंह पनेसर, भूपिन्दर सिंह पिन्दा, निरवैर सिंह, रणबीर सिंह कलसी, दिलमीत सिंह सेठी, टी.पी.एस. तनेजा, त्रिलोक सिंह, परविन्दर सिंह, इकबाल सिंह, हरजीत सिंह, इन्द्र मोहन सिंह और परमजीत सिंह सहित विभिन्न सिख संगठनों, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

नेताजी की परंपरा और विचारों को भूल गए क्या अखिलेश : राजभर



स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने एक नवंबर 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव को घेरा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तंज कसा। उन्होंने राहुल गांधी को अखिलेश का 'बड़का भइया' बताते हुए सवाल किया कि क्या अखिलेश अपने पिता और सपा के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की परंपरा और विचारों को भूल गए हैं।राजभर ने कहा कि आज ही के दिन 1984 में राहुल गांधी के पिता यानी राजीव गांधी के इशारे पर दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर सिख-विरोधी हिंसा और दंगे भड़के थे। इसमें हजारों सिखों की हत्या हुई थी। उन्होंने इस दुखद दिन पर सिख समाज के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव भी इस दिन को शोक के रूप में मनाते थे। लेकिन अखिलेश यादव सारी संवेदनाएं भूल गए और दिल्ली में 'बड़के भइया' की सेवा करने पहुंच गए।

राजभर ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन की आयोजित रैली को अराजकता फैलाने के लिए बुलाई गई रैली बताते हुए कहा कि अखिलेश वहां कांग्रेस के लिए झंडा उठाने और दरी बिछाने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने अखिलेश की एक पुरानी तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि पहले भी वह राहुल गांधी का झंडा ढोते नजर आए थे। अगर इतनी मेहनत उन्होंने अपनी पार्टी के लिए की होती तो आज समाजवादी पार्टी की स्थिति कुछ और होती। राजभर ने अखिलेश यादव के कृष्णवंशी होने के दावे पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश को अपने पिता मुलायम सिंह यादव की कुछ तो लाज रखनी चाहिए और चाचा शिवपाल सिंह यादव की भी इज्जत का ख्याल करना चाहिए। उन्होंने अखिलेश से सवाल किया कि इतने दबाव में रहकर कोई राजनीति कैसे कर सकता है।

कैलाशकुंज पुनर्विकास परियोजना को लेकर मंथन



स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की कैलाशकुंज पुनर्विकास परियोजना के विकास एवं इसे टीओडी कॉरिडोर से एकीकृत किए जाने की संभावनाओं को लेकर दो दिन पूर्व हुई महत्वपूर्ण बैठक एवं स्थलीय भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) की अर्बन चैलेंज फण्ड (यूसीएफ) योजना के अंतर्गत प्रस्तावित परियोजनाओं के क्रम में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत सरकार के एमओएचयूए, गुजरात एवं महाराष्ट्र सरकार तथा जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कैलाशकुंज पुनर्विकास परियोजना के प्रस्तावित स्वरूप एवं इसके विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत हाई स्पीड रेल स्टेशन क्षेत्र के सुनियोजित विकास से संबंधित जानकारियां दी गईं।

इस क्रम में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ऑर्गनाइजेशन की ओर से मोनिस खान ने विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र के ठाणे एवं वसई-विरार तथा गुजरात के सूरत एवं साबरमती में हाई स्पीड रेल स्टेशन क्षेत्र के विकास से संबंधित मॉडल एवं अनुभवों को साझा किया।

इसके बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से कैलाशकुंज कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स की पुनर्विकास परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें परियोजना के प्रस्तावित विकास, व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार, बेहतर कनेक्टिविटी तथा इसे टीओडी कॉरिडोर से एकीकृत करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही परिवहन केंद्रित शहरी नियोजन के अनुरूप परियोजना को विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी की ओर से एस. अकुमुरा एवं काजुकी योशिओका ने हाइब्रिड माध्यम से प्रतिभाग किया तथा परियोजना के संबंध में अपने सुझाव एवं विचार साझा किए। इस कार्यक्रम के दौरान परियोजना से संबंधित तकनीकी, नियोजन एवं वित्तीय पहलुओं के प्रस्तुतीकरण तथा समन्वय के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता राहुल वर्मा, प्रभारी अधिकारी संपत्ति मनोज सागर, संबंधित आर्किटेक्ट, ईवाई टीम, लेखाधिकारी एवं संबंधित सहायक नगर नियोजक उपस्थित रहे।

मामूली विवाद में दोस्त का रेता था गला, 24 घंटे में मुठभेड़ के बाद आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आजाद नगर स्थित अंबेडकर पार्क के पास शनिवार रात मामूली विवाद में दोस्त की गला रेतकर हत्या करने वाले आरोपी उजैफा को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, रामनगर निवासी रेहान शनिवार रात करीब 9:30 बजे अपने दोस्त उजैफा (निवासी गुलाब की बगिया) के साथ आजाद नगर सी-ब्लॉक स्थित अंबेडकर पार्क के पास टहलने गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। कहासुनी बढ़ते ही उजैफा ने चाकू से रेहान के गले पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया।

कारपोरेशन से निकाले गए लोग ही करने लगे मलेरिया टेस्ट किट की आपूर्ति

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मलेरिया की रैपिड टेस्ट किटों की खरीद एवं आपूर्ति को लेकर गंभीर तथ्य सामने आये है जैसे कि टेंडर की निर्धारित तकनीकी शर्तों और आपूर्ति की गई किटों के बीच कई विसंगतियां पाई गईं,यदि संबंधित कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए नमूनों, किटों की सामग्री, लेबलिंग और परीक्षण प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे प्रकरण की ढकीं परतें खुद खुलती चली जाएंगी। इस अनियमितता को लेकर कुछ दिनो पूर्व एक शिकायत भी की गयी है। शिकायत में तमाम तकनीकि एवं आर्थिक पहलुओं का उल्लेख करते हुए संबंधित रिकॉर्ड की जांच तथा अनियमितताएं प्रमाणित होने पर नियमानुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। विभागीय जानकारों का कहना है कि इस खरीद में टेंडर की तकनीकी शर्तों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है जैसे कि मलेरिया रैपिड टेस्ट किट की खरीद से संबंधित टेंडर संख्या 214/004, दिनांक 7 जून 2024' में निर्धारित तकनीकी मानकों का अनुपालन नहीं किया गया है। इसी तरह किटों मे लगने वाली सामग्री, लेबलिंग निर्धारित विनिर्देशों से मेल नहीं खाती। ऐसे में यह सत्यापित किए जाने की आवश्यकता है कि आपूर्ति की गई किटें स्वीकृत तकनीकी शर्तों के अनुरूप थीं या नहीं। यही नहीं हेपरिनाइज्ड कैपिलरी ट्यूब के स्थान पर प्लास्टिक ड्रॉपर की सप्लाई कर दी गयी है ,भारत सरकार के मलेरिया आपूर्ति के नियमों के अनुरुप नहीं है। आपूर्ति की गई कैपिलरी ट्यूब हेपरिनाइज्ड है या नहीं, इसकी जांच और पुष्टि किस स्तर पर की गई। स्टेराइल लैंसेट के स्थान पर गैर-स्टेराइल लैंसेट की आपूर्ति की गई, जिससे संक्रमण और गलत परीक्षण परिणामों का जोखिम हो सकता है। प्री एवं पोस्ट इन्फेक्शन कंट्रोल के लिए आवश्यक स्टेराइल स्वैब की गुणवत्ता और स्टेरिलिटी की पुष्टि किया जाना चाहिए। साथ ही संबंधित कंपनियों तथा सामग्री की गुणवत्ता जांचने और भुगतान स्वीकृत करने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई है।

- फिर उठे आपूर्ति पर सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

अगर इन तीनो कंपनियो की जांच रिपोर्ट जो कि इन्होंने आपूर्ति के साथ दी है, उसमे निर्माण तिथि एवं लैब द्वरा दी गयी टेस्ट रिपोर्ट तिथि की जांच की जाए तो स्पस्ट हो जायेगा की लैब रिपोर्ट फर्जी है या फिर सही।

ज्ञात हो कि मलेरिया किट टेंडर के अंतर्गत बायोजिनिक्स,एसपिन लेबरेटरीज और एवेन्टर पी मैटेरियल कंपनियों द्वारा आपूर्ति किया गया है। कमाल की बात ये है कि इन कंपनियों की आपूर्ति की गई सामग्री की गुणवत्ता में अंतर पाया गया है। यदि मलेरिया परीक्षण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं है, तो परीक्षण की सटीकता प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से कैपिलरी ट्यूब की उपयुक्तता, लैंसेट की स्टेरिलिटी और स्वैब की गुणवत्ता की जांच को महत्वपूर्ण है। इन सामग्रियों की गुणवत्ता और स्टेरिलिटी की पुष्टि नहीं की गई, तो मरीजों की सुरक्षा तथा परीक्षण परिणामों की विश्वसनीयता से जुड़े प्रश्न उत्पन्न हो सकते हैं। इन आशंकाओं की पुष्टि के लिए स्वतंत्र तकनीकी परीक्षण और संबंधित रिकॉर्ड की जांच जरूरी होगी।सबसे रोचक बात ये है कि ऑस्कर किट की आपूर्ति से जुड़े एक पूर्व मामले में भी अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे, जिसमें विभाग ने जांच में तमाम लोगो को दोषी पाया था और उने खिलाफ कार्रवाई भी की थी जिसमें एक पुनीत नामक फार्मासिस्ट भी था और 2019 मे गंभीर आरोपो के तहत बाहर हुये तत्कालीन महाप्रबंधक अंकुर मेहता मलेरिया किट आपूर्ति करने वाली तीनों कंपनियो के ऐजेंट है। गौरतलब बात है कि जो विभाग से भ्रष्टाचार के आरोप में बाहर हुये वही विभाग में मलेरिया किट की आपूर्ति कर रहे है। मलेरिया की जांच सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए डायग्नोस्टिक किटों की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों का अनुपालन और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस संबंध में जब यूपीएमएससीएल की प्रबंध निदेशक जे. रीभा से फोन पर बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे फोन न उठने के कारण बात नहीं हो सकी।

पीएनबी घोटाला : करोड़ों की हेराफेरी सीबीआई ने दर्ज कराई एफआईआर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। ग्रेटर नोएडा शाखा में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सीबीआई की गाजियाबाद यूनिट ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की सेक्टर पाई स्थित शाखा में ग्राहकों की जमा पूंजी में सेंध लगाने के मामले सीबीआई ने केस दर्ज किया है। बैंक की प्रारंभिक जांच में करीब 10.24 करोड़ रुपये की हेराफेरी का खुलासा हुआ है। आरोप है कि शाखा में तैनात एक महिला कर्मचारी ने दूसरे अधिकारियों की यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर करीब तीन साल तक ग्राहकों के खातों से अवैध रूप से रकम निकाली। इस रकम को अपने परिचितों और अन्य लोगों के खातों में स्थानांतरित किया गया। इतना ही नहीं, ग्राहकों की सावधि जमा (एफडी) को भी समय से पहले बंद कराकर रकम निकालने का आरोप है। बैंक की शिकायत पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की गाजियाबाद स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक बैंक की ओर से 23 अक्तूबर को सीबीआई को दी गई शिकायत में कार्यालय सहायक/सब स्टाफ के पद पर तैनात दीपांशी को मुख्य आरोपी बताया गया है। बैंक की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उसने बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) में दूसरे अधिकारियों की यूजर आईडी का इस्तेमाल कर ग्राहकों के खातों में अनधिकृत लेनदेन किए। इस दौरान बैंकिंग प्रक्रिया का दुरुपयोग कर बचत खातों के साथ एफडी में भी गड़बड़ी की गई। फिलहाल बैंक ने 10.24 करोड़ रुपये की हेराफेरी की पहचान की है। अन्य खातों का मिलान अभी जारी है।बैंक की शिकायत के अनुसार, ग्राहकों के खातों से निकाली गई रकम सात लोगों के खातों में स्थानांतरित की गई। इनमें अशोक कुमार पाठक, प्रदीप कुमार, मेबंती देवी, प्रियंका कुमारी, शांति देवी, शालिनी और सरोज देवी के नाम शामिल हैं। कुछ रकम सीधे अशोक कुमार पाठक के खाते में पहुंचाई गई, जबकि कुछ अन्य खातों के माध्यम से वहां तक पहुंचाई गई। बैंक को आशंका है कि लेनदेन की जानकारी ग्राहकों तक न पहुंचे, इसके लिए कुछ खातों में मोबाइल पर संदेश मिलने की सुविधा भी बंद या परिवर्तित की गई थी।

सीबीआई ने इन धाराओं में दर्ज किया केस

सीबीआई ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316, 318 और 344, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच सीबीआई के डीएसपी डॉ. जाहिर अख्तर को सौंपी गई है। प्राथमिकी में बैंककर्मी दीपांशी, अशोक कुमार पाठक और अन्य निजी व्यक्तियों के साथ अज्ञात लोकसेवकों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सीबीआई अब बैंक के दस्तावेज, लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड, संबंधित खातों और यूजर आईडी के इस्तेमाल से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल करेगी।

स्वयं सहायता समूहों के बनाए दीयों से जगमगाएंगे गांव और शहर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। दीपावली के त्योहार पर इस बार गांवों से लेकर शहरों तक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हाथों से तैयार किए गए दीये, मोमबत्तियां और आकर्षक उपहार सामग्री घरों की रौनक बढ़ाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे पारंपरिक और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। खास तौर पर समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उपहार पैकेटों और गिफ्ट हैंपर को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आय बढ़ाने के लिए आजीविका मिशन के माध्यम से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महिला स्वावलंबन और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के साथ ही लखपति दीदी के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में भी मिशन सक्रिय है।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मन मोहा

प्रधानाचार्या मीना देवी और शिक्षिकाओं के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। ऐशबाग रामलीला मैदान स्थित तुलसी सभागार में गरीब और मलिन बस्तियों के बच्चों के लिए निशुल्क संचालित विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के संचालक दीनानाथ पिछले 18 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। मुख्य अतिथि संजीत सिंह एसआरडीईई, उत्तर रेलवे, अतुल कृष्ण सिंह उप सचिव, एलडीए और कर्नल मृदुल कुमार सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की। ओपी श्रीवास्तव मेमोरियल स्कूल वार्षिकोत्सव में वसुंधरा एन इनिशिएटिव की ओर से आयोजित किया गया। उन्होंने प्रधानाचार्या मीना देवी और शिक्षिकाओं के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया। आयोजन में वसुंधरा एन इनिशिएटिव की अध्यक्ष नीना सक्सेना, सरिता शुक्ला, उपाध्यक्ष डॉ. अंजना त्रिपाठी, शंकर रोली, रुचि सिंह, लखविंदर कौर, ज्योति सिंह, ऋतुजा सिंह बघेल, विभा तिवारी, वंदना श्रीवास्तव और मधुलिका श्रीवास्तव का सहयोग रहा। युवा सृष्टि टीम की पुनीत कौर, संस्कृति सिंह, किरणदीप कौर, स्नेहा श्रीवास्तव, स्नेहा जी और अभिषेक झा ने मंच संचालन और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। इस अवसर पर बच्चों के परिजन भी मौजूद रहे।

खबर एक नज़र

बेमौसम बारिश से धान की फसल जलमग्न किसानों पर मंडराया नुकसान का खतरा

स्वतंत्र भारत इटौंजा । परसहिया, गुलालपुर, महिंगवां, अमानीगंज सहित आसपास के कई गांवों में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के चलते खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसल में पानी भर गया है। खेतों में जलभराव होने से धान की फसल के सड़ने का खतरा बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने मेहनत कर धान की फसल तैयार की थी। फसल पककर कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन अचानक हुई बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खेतों में पानी भरने से धान की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। किसानों को उनकी लागत के अनुरूप भी उत्पादन मिलना मुश्किल हो जाएगा। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को लेकर किसान बेहद चिंतित हैं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि रामदेव तिवारी सीताराम कनौजिया राम नरेश सिंह भदोरिया बबली गौतम सियाराम तथा किसानों ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि प्रभावित गांवों में फसलों के नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए और नुकसान का उचित आकलन कराकर पीड़ित किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके।

आईजीआरएस शिकायतों के कागजी निस्तारण का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र भारत, बीकेटी। राजधानी में आईजीआरएस और जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर 12 दरोगाओं को लाइन हाजिर किए जाने के बाद अब बीकेटी तहसील में भी शिकायतों की निष्पक्ष समीक्षा की मांग उठने लगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई मामलों में वास्तविक समाधान के बजाय कागजों पर ही शिकायतों का निस्तारण कर दिया जा रहा है। भाकियू तहसील अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि उन्होंने 23 सितंबर 2026 को कंप्यूटरीकृत खतौनी के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली और किसानों से कथित भेदभाव तथा 26 सितंबर को बीकेटी फलपट्टी के 82 गांवों में भू-परिवर्तन और कथित अवैध प्लाटिंग रोकने की शिकायत आईजीआरएस पर दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि शिकायतकर्ता को संतुष्ट किए बिना दोनों शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। किसानों ने निस्तारित शिकायतों की विशेष जांच कराने, दोषियों की जवाबदेही तय करने और वास्तविक समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

जुए के कथित अड्डों पर कार्रवाई के लिए महिलाओं ने सीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र भारत, बीकेटी। दीपावली नजदीक आते ही बीकेटी, इटौंजा, महोना, मड़ियांव, सैरपुर, भिठौली और कुम्हरावां समेत आसपास के क्षेत्रों में जुए की महफिलें सजने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हजारों से लाखों रुपये तक के दांव लगाए जाने की चर्चाओं के बीच क्षेत्र की महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की मांग की है। महिलाओं का कहना है कि जुए की लत से परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं। मेहनत की कमाई गंवाने से घरों में कलह और आर्थिक तंगी बढ़ती है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष पुलिस अभियान चलाने, संदिग्ध ठिकानों पर औचक छापेमारी करने और जुआ खेलने व खिलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाने की अपील की है, ताकि त्योहार के दौरान ऐसी गतिविधियों पर रोक लग सके।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजेंद्र जायसवाल सेवानिवृत्त

स्वतंत्र भारत, गोसाईगंज। लखनऊ जिला कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल 34 साल दो दिन की सेवा के बाद शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। रविवार को जेल परिसर में आयोजित विदाई समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। उन्होंने 1992 में वाराणसी केंद्रीय कारागार से उप कारापाल के रूप में सेवा शुरू की थी। इसके बाद फतेहपुर, आगरा, नैनी, कानपुर, गाजियाबाद, फिरोजाबाद, हरदोई और बुलंदशहर की जेलों में सेवाएं दीं। वर्ष 2012 में कारापाल और 2014 में अधीक्षक पद पर पदोन्नति हुई। एक अप्रैल 2025 को वरिष्ठ अधीक्षक बनाए गए थे। समारोह में जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी, सुनील दत्त मिश्र, अभय शुक्ला, डॉ. नीरज दुबे, डॉ. नवीन गुप्त, अजय कुलवंत, वीरेंद्र विक्रम सिंह, तारकेश्वर सिंह और आशुतोष मिश्र समेत डिप्टी जेलर व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। फिलहाल वरिष्ठ अधीक्षक का कार्यभार जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी को सौंपा गया है।

पांच महीने में उखड़ने लगी 11 लाख की सड़क

स्वतंत्र भारत, बीकेटी। नगर पंचायत बख्शी का तालाब के वार्ड संख्या 17 रुदही प्रथम में सन टेस्टिंग सेंटर से महादेव मंदिर तक 10 लाख 96 हजार रुपये की लागत से बनी डामर सड़क पांच महीने में ही उखड़ने लगी है। सड़क से जगह-जगह गिट्टियां निकल आई हैं और डामर की परत क्षतिग्रस्त हो गई है। हैरानी की बात यह है कि सड़क की मरम्मत कराने के बजाय ठेकेदार किनारे सफेद पट्टी बनवाकर रोड मार्किंग करा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने सड़क की तकनीकी जांच कराकर पुनर्निर्माण कराने तथा दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस मानवाधिकार विभाग ने प्रदेश पदाधिकारियों मंडल और जिला अध्यक्षों की घोषणा की

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मानवाधिकार विभाग में संगठनात्मक विस्तार करते हुए प्रदेश पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों तथा जिला एवं शहर अध्यक्षों की घोषणा की गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की सहमति और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना की संस्तुति पर मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट अली आसिफ जमा रिजवी ने नई नियुक्तियों की सूची जारी की।घोषित प्रदेश पदाधिकारियों में बीएल भारतीय, डॉ. दृगराज यादव, नवीन कुमार सक्सेना, उपेंद्र चौहान, मूलचंद्र, शान हैदर आजमी, गंगा प्रसाद मिश्रा और सुनील गौर को प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं रवि भूषण शर्मा, तस्लीमुद्दीन, इंजीनियर एसएस पांडेय, हीरेंद्र बाबा, देवानंद पांडेय, मोहम्मद असलम शाह और हेमंत कुमार श्रीवास्तव को प्रदेश समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।प्रांतीय महासचिव के रूप में विजय कुमार मौर्य, गंगाराम शर्मा, अकीदत अली खान, ममता सक्सेना, माया सिंह, आरपी गुप्ता, घिरांऊ निषाद, जेपी रावत, संजय शुक्ला, अजय कुमार भास्कर, शौकत अंसारी, जय प्रकाश विश्वकर्मा, एके सिंह, नौशाद खान, डॉ. राजेश शर्मा, शबनम बेगम, खुर्रम आजाद खान, डॉ. राम अभिलाष, डॉ. अरुण अग्रहरि, अमित चौधरी, कुंवर अली मोहम्मद खान, जोगेंद्र शास्त्री, जितेंद्र शर्मा, अजय शर्मा और डॉ. राधेश्याम गुप्ता को मनोनीत किया गया है।विभाग के प्रांतीय सचिवों में सुधीर शर्मा, राजेश कुमार, मोहम्मद फैजान, प्रशांत कुमार त्यागी, जियाउद्दीन, साधू सिंह, अनिल कुमार चौधरी, पूजा सक्सेना, श्यामबली पाल, विनोद सिंह, जटाशंकर दुबे पांडव, गोवर्धन लाल अवस्थी, दीप नारायण चौहान, प्रदीप कुमार मौर्य, राज नारायण ओझा, नीरज पंडित, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सद्दाम हुसैन, अनुपमा शर्मा, मोहम्मद खालिद, नईमा चौधरी, लालमन सिंह, राजेश तिवारी, रेखा शर्मा, सोमकरन, दिनेश सिंह, अतुल शर्मा, सुनिष्ठा सक्सेना, अकबर अली, मुनेन्द्र कनौजिया, अर्जुन शर्मा, मुइनुद्दीन (मोइन खान), अमरीश तिवारी, मोहम्मद वकील, राकेश पांडेय, अली मोहम्मद, मदन तिवारी, राशिद खान, पारस गोस्वामी, डॉ. राजेश शर्मा, ओम प्रकाश दुबे, जमशेद अंसारी, क्षितिज मिश्रा सत्यम और राम प्यारे यादव को शामिल किया गया है।मंडल चेयरमैन के रूप में फैजर नवाब को बरेली, हेमंत कुमार शर्मा को लखनऊ, अमित मिश्रा को अयोध्या, तरुण चौधरी को देवीपाटन, इंजीनियर उमेश राजभर को बस्ती, मोहम्मद मशूद को गोरखपुर, चंद्रजीत यादव को वाराणसी, रोहित पांडेय को प्रयागराज, जितेंद्र शुक्ला को कानपुर, यशपाल राना को आगरा, अमित उपाध्याय को अलीगढ़, हरिशंकर शर्मा को मेरठ, गुलबेज सिद्दीकी को मुरादाबाद, पंडित शशिभूषण संज्ञा को झांसी, आलोक दुबे को मिर्जापुर, राम प्रीत को सहारनपुर और दिलशाद अहमद को आजमगढ़ मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जिला एवं शहर चेयरमैन भी नियुक्त किए गए हैं। हालांकि उनकी सूची जारी विज्ञप्ति में शामिल नहीं है।

कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र भारत मोहनलालगंज। मोहनलालगंज स्थित सत्यशिव रिजॉर्ट्स में भाजपा मंडल की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा जिला उपाध्यक्ष हंसराज रावत ने कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र और मिष्ठान भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही सभी को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मोहनलालगंज के सत्यशिव रेजिॉर्ट मंडा मोहनलालगंज मंडल की बैठक आहूत की गई जीसमें मंडल के सभी सेक्टर अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और बूथ संयोजकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर चर्चा की गई।बैठक में मुख्य अतिथि हंसराज रावत ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन की मजबूती के लिए आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ काम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाने में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह, मंडल प्रभारी जितेंद्र लोधी, निगोहां के पूर्व मंडल अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला, महेश शुक्ला, उत्तम, मीडिया प्रभारी आशीष द्विवेदी और विजय चंद्र तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोबर के दीयों से मनाएंगे दीपावली गौ संरक्षण का लिया संकल्प



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। दीपावली पर गौ संरक्षण का संदेश देने के लिए राजाजीपुरम लखनऊ कॉमर्स एकेडमी में घायल गौवंश सेवकों की बैठक हुई। इसमें गोबर से बने दीयों का वितरण करने और गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग उठाई गई। घायल गौवंश सेवक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि 'एक दिया, एक गौ माता का जीवनदान' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। गोबर से बने उत्पादों के इस्तेमाल से वृद्ध और बेसहारा गायों के संरक्षण में मदद मिलेगी। बैठक में फेयरी टेल्स संस्थापक नेहा बनर्जी, श्री राम गौशाला के संस्थापक संदीप दुबे, एसपी श्रीवास्तव, शिक्षाविद एवं समाजसेविका श्वेता श्रीवास्तव, सुरेश यज्ञमणि, डॉ. एसके शुक्ला, ललित प्रकाश पाण्डेय, ज्ञान श्रीवास्तव, ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव, ज्ञान चंद, सिटी इंटरनेशनल विद्यालय के आशीष, राष्ट्रीय कवि सौरभ अवस्थी, अवनीश दुबे, सर्वेश, मेंहदी रत्ता, प्रतीक दुबे, विक्रम प्रताप, चंद्रेश्वर, ललित किशोर वैश्य, विमल सक्सेना और विनय पाठक सहित अनेक गौ भक्त मौजूद रहे।

बीकेटी में फुटपाथों पर अतिक्रमण का साम्राज्य

पैदल राहगीरों का रास्ता बंद,मुख्य मार्ग पर जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर लोग,जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

स्वतंत्र भारत, बीकेटी। राजधानी के बख्शी का तालाब कस्बे में अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की समस्या अब नासूर बनती जा रही है। कस्बे की प्रमुख सड़क से लेकर फुटपाथ तक दुकानदारों और वाहन चालकों के कब्जे में हैं। भोलापुरवा से तकिया गांव चौराहे तक सर्विस रोड पर दुकानदारों ने सामान फैलाकर कब्जा जमा रखा है।वहीं सड़क किनारे खुले मॉल और कॉम्प्लेक्स में खरीदारी करने आने वाले लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं।आलम यह है,कि कस्बे की मुख्य सड़क लगातार सिकुड़ती जा रही हैं और पैदल राहगीरों के लिए सुरक्षित रास्ता तक नहीं बचा है।बीकेटी की बड़ी बाजार,अस्ती रोड चौराहा,एयरफोर्स रोड चौराहा, रेलवे स्टेशन के सामने तथा चंद्रिका देवी रोड तिराहे से थाना चौराहा तक अतिक्रमण की समस्या गंभीर बनी हुई है। कहीं दुकानों का सामान फुटपाथ तक फैला है, तो कहीं मॉल,बड़े शोरूमों व अन्य दुकानों के सामने बेतरतीब खड़े दोपहिया व चारपहिया वाहनों ने रास्ता घेर रखा है। फुटपाथों पर कब्जे के चलते पैदल चलने वाले लोगों को भी मजबूरन मुख्य सड़क पर चलना पड़ता है।इससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन,नगर पंचायत और यातायात पुलिस से संयुक्त अभियान चलाकर भोलापुरवा से तकिया गांव चौराहे सहित प्रमुख मार्ग और चौराहों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। साथ ही फुटपाथों पर अवैध पार्किंग रोकने, दुकानदारों द्वारा सड़क तक फैलाए गए सामान को हटवाने और नियमित निगरानी की व्यवस्था करने की भी मांग उठाई है।

व्यस्त समय में बढ़ जाती है मुसीबत, जाम के साथ हादसों का खतरा बीकेटी कस्बे की मुख्य सड़क पर व्यस्त समय में स्थिति और विकट हो जाती है। सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग और दुकानों के बाहर फैले सामान के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है।कई स्थानों पर फुटपाथ टूटे होने से पैदल चलना भी मुश्किल है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों,महिलाओं,बच्चों और स्कूली विद्यार्थियों को उठानी पड़ती है।सुरक्षित फुटपाथ न मिलने के कारण उन्हें तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति, फिर पुराने ढर्रे पर लौटता है अतिक्रमण स्थानीय लोगों का कहना है,कि अतिक्रमण के खिलाफ नियमित और प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से कब्जाधारकों के हौसले बुलंद हैं।कभी-कभार अभियान चलने पर कुछ समय के लिए रास्ते खाली दिखाई देते हैं,लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर दुकानें सज जाती हैं और फुटपाथ वाहनों की पार्किंग में तब्दील हो जाते हैं।ऐसे में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की निरंतरता और निगरानी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

बोले राहगीर सड़क तक लगी दुकानें नगर पंचायत के अधिकारियों को नहीं दिखाई देती हैं।जानबूझकर वे कार्रवाई में कोताही बरतते हैं। इसका खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

- रवींद्र प्रताप सिंह

बीकेटी कस्बे की मुख्य सड़क को सकरा करने में अतिक्रमण का हाथ है।आम जनता से जुड़ी इस समस्या पर प्रशासन को सख्त कदम उठाना चाहिए। सड़क किनारे फुटपाथ से अतिक्रमण हटना जरूरी है।जिससे कस्बे में आवागमन सुगम हो सके।

-अनिल पांडेय

फुटपाथ पर अतिक्रमण करना गैर कानूनी है। उसे प्रशासन को मुक्त कराना चाहिए,जिससे आम जनता को राहत मिल सके। कस्बे में सड़क के दोनों किनारों पर बेतरतीब वाहन पार्किंग ही जाम की समस्या का सबसे बड़ा कारण है।

सड़क सुरक्षा का संदेश से शुरू हुआ यातायात माह, 400 बाइक सवारों ने निकाली जागरूकता रैली

पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारम्भ, वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 50 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य



स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को यातायात माह नवंबर-2026 की शुरुआत हुई। रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 50 प्रतिशत तक कमी लाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे महीने जागरूकता अभियान चलाने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार, पुलिस उपायुक्त मध्य एवं यातायात अर्पित विजयवर्गीय, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात राघवेन्द्र सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त लाइन्स राजेश कुमार यादव और संभागीय परिवहन अधिकारी प्रभात पाण्डेय सहित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों अंशु दीक्षित, एहतशाम सिद्दीकी और नफीस अहमद सहित अन्य प्रतिभागियों ने भी यातायात जागरूकता अभियान में भाग लिया। पुलिस आयुक्त ने सड़क सुरक्षा के पांच प्रमुख स्तंभों यानी बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए शिक्षा, प्रवर्तन, अभियांत्रिकी, आपातकालीन देखभाल और पर्यावरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके तहत लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देने, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने, सड़कों और दुर्घटना संभावित स्थलों में सुधार कराने तथा दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा। साथ ही सुरक्षित और स्वच्छ यातायात परिवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि यातायात माह के दौरान कमिश्नरेट के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। स्कूलों और कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी। हल्के और भारी वाहन चालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रमुख चौराहों, राजमार्गों और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

400 बाइक सवारों ने निकाली जागरूकता रैली कार्यक्रम के बाद पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने रिजर्व पुलिस लाइन्स से करीब 400 बाइक सवारों की यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लखनऊ पुलिस और यातायात पुलिस की ओर से निकाली गई यह रैली 1090 चौराहे तक पहुंची। रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों ने हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षा का संदेश दिया। लोगों से हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा तेज रफ्तार, स्टंटबाजी, गलत दिशा में वाहन चलाने और नशे की हालत में वाहन चलाने से बचने की अपील की गई।

नियमों का पालन करने की अपील पुलिस कमिश्नरेट की ओर से नागरिकों से वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने, यातायात संकेतों का पालन करने और आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने देने, निर्धारित स्थान पर ही पार्किंग करने और एंबुलेंस तथा दमकल वाहनों को रास्ता देने की सलाह दी गई। वाहन चालकों से अपने वाहनों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने को भी कहा गया। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जान सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। यातायात माह के दौरान जागरूकता और नियमों के प्रभावी पालन पर विशेष जोर रहेगा।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

सावधानी की जरूरत

दिवाली का त्योहार नजदीक आने के साथ पटाखों का इस्तेमाल फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। इन्हें छुड़ाने के तौर तरीके, इससे होने वाले नुकसान और उन्हें रोकने के उपाय, पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी तथा आम लोगों में जागरूकता जैसी बातों पर हर साल व्यापक चर्चा होती है जो इस बार भी शुरू हो गई है। कई लोगों का सुझाव रहता है कि इन पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाए। लेकिन सवाल यह है कि क्या इसे उपयुक्त कदम माना जा सकता है। विशेष रूप से परंपराओं और उनसे जुड़ी जनभावनाओं को देखते हुए क्या यह उचित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे ध्यान में रखते हुए बड़ी व्यावहारिक बात कही है। उसका कहना है कि वह पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है क्योंकि उसे जनभावनाओं का भी एहसास है। लेकिन उसने यह भी कहा है कि इसका संबंध हर जीवित प्राणी से है। प्रतिबंध की जगह उसने नियंत्रण पर जोर देते हुए कहा है कि अधिकारियों को इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करनी होगी। हम हर साल संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं लेकिन सभी का सहयोग नहीं मिलने पर ऐसा संभव नहीं हो पाता। कोर्ट ने अब तक दिए गए आदेशों को लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया जाता, तब तक आदेश और निर्देश जारी करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ऐसा नहीं होने पर यह मजाक बन कर रह जाता है। कोर्ट की बात के अलावा भी देखें तो यह साफ है कि पटाखों के इस्तेमाल पर जागरूकता का कुछ प्रचार-प्रसार होने के बावजूद इनकी खपत में खास कमी नहीं आई है। इसलिए इनके अवैध निर्माण का कारोबार भी इन दिनों तेजी के साथ फलता-फूलता है। यह व्यवस्था की कमी है कि इन पर सख्ती के साथ रोक नहीं लगाई जाती है। सभी लोग जानते हैं कि फुलझड़ी, अनार और हल्की आतिशबाजी के अलावा तेज धमाके वाले पटाखे ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलाने के साथ जीवन के लिए भी खतरनाक होते हैं। विडंबना यह है कि अब बड़ी संख्या में बच्चे तो जागरूकता अभियानों से सीख लेकर अपने ऊपर संयम और नियंत्रण रखने लगे हैं लेकिन तमाम युवा अभी भी बेखौफ होकर जबर्दस्त धमाकों की आवाज के रोमांच में ही फंसे रहते हैं। इसका नतीजा उन्हें खुद या उनके आसपास के लोगों को भुगतना पड़ता है। यह संवेदना के ह्रास की ही स्थिति तो होगी। इसलिए जरूरी है कि धमाकेदार पटाखों का इस्तेमाल रोकने के लिए जागरूकता अभियानों को और आगे बढ़ाया जाए। साथ ही, धमाकों का कारोबार करने वालों के खिलाफ अब तक दिए गए आदेशों पर सख्ती से अमल किया जाए तो तमाम दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों से बचा जा सकेगा। इस लिहाज से आने वाले दिन इम्तहान के होंगे। इसकी जगह हरित पटाखों का इस्तेमाल ज्यादा सही होगा।

सुरक्षित रक्त

अस्पतालों में इलाज के दौरान अक्सर खून की जरूरत पड़ती है। इसे पूरा करने के लिए ही ब्लड बैंक स्थापित किए गए हैं। मरीज को खून चढ़ाने के महत्व को देखते हुए ही रक्तदान को 'महादान' कहा गया है जिसके लिए समय-समय पर आमजनों से अपीलें भी की जाती हैं। चूंकि खून सीधे शरीर में चढ़ाया जाता है, इसलिए जरूरी है कि यह शुद्ध तथा संक्रमण से मुक्त हो जिससे कोई विपरीत प्रभाव न पड़ने पाए। यह शुद्धता व संक्रमणविहीनता सुनिश्चित करने के लिए कई कड़े निर्देश जारी किए जा चुके हैं और लगातार जांच अभियान भी चलाए जाते हैं। लेकिन इनका अपेक्षित असर नहीं पड़ रहा है। प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) द्वारा इकतीस जिलों के इक्यासी ब्लड बैंकों के औचक निरीक्षण के दौरान कई गंभीर कमियां मिली हैं जो चिंता पैदा करती हैं। नतीजा हुआ कि विभाग ने चौदह ब्लड बैंकों में रक्त और ब्लड कंपोनेंट्स की आपूर्ति पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। ध्यान रखने की बात यह है कि खून को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए निर्धारित प्रावधानों में खून की गुणवत्ता, संक्रमण की अनिवार्य जांच, ब्लड कंपोनेंट्स के भंडारण, कोल्ड चेन, तापमान नियंत्रण, स्टॉक और डोनर रजिस्टर तक को जांचा जाता है। रक्त की तय कीमतों की भी जांच होती है। ये सब केवल इसलिए कि खून किसी भी वजह से हानिकारक न होकर मरीजों को नया जीवन देने में अपेक्षित रूप से सहायक हो सके। मौजूदा समय में जब अनेक कारणों से कई बीमारियां नए-नए जटिल रूप ले रही हैं, तब बड़ी संख्या में लोगों का जीवन भी चिकित्सकीय उपचारों के सहारे ही है। तब जरूरी है कि इसे पूरी तरह विश्वसनीय तथा दोषरहित रखा जाए। फिर भी अगर रक्त जैसी मूलभूत आवश्यकता को ही सुरक्षित न रखा जा सके तो इलाज कैसे कारगर हो सकेगा। ब्लड बैंकों में मिलने वाली कमियां किसी न किसी रूप में घातक हो सकती हैं। अतः यह जांच अभियान नियमित रूप से चलते रहना चाहिए तथा कड़ी कार्रवाई भी होनी चाहिए।

काँव-काँव

♦♦♦

एसटीएफ ने खोलीं केजीएमयू में धर्मांतरण नेटवर्क की परतें

केजीएमयू में अब धर्मांतरण का इलाज एसटीएफ करेगा!

बुलेट ट्रेन मंजूर, लखनऊ से दिल्ली 2:12 घंटे में

ऐसे ही तरक्की करें, लखनऊ तय करता है दिल्ली की कुर्सी!

रिहा हुए आजम को ईडी ने जेल के गेट से किया गिरफ्तार

रिहाई की मुबारकबाद कुबूल करने का मौका तो दे देते!

जातिवाद और जिन्नावाद के खिलाफ लड़ना है : योगी

एनडीए के घटक दलों की जातिगत राजनीति से मत लड़िएगा!

देश से सबसे बड़ा खतरा सांप्रदायिक ताकतें : अखिलेश

भाजपा जातिवाद और जिन्नावाद को बड़ा खतरा बताती है!

शिवा के शरीर पर लिपस्टिक पोतकर किया था प्रताड़ित

हुस्न पर अंधी श्रद्धा रखने वाले सतर्क हो जाएं!

♦♦♦

नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक ध्वस्त

इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली 'नेसेट' अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की 'लिकुड' पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर 'लिकुड' पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया।



– तनवीर जाफ़री

इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली 'नेसेट' अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की 'लिकुड' पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर 'लिकुड' पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मज़बूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का क़रीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइज़नकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं। इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदाताओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हज़ारों डॉलर ख़र्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साज़िश के संदेह से भी इनकार नहीं करता। अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के क़यास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख़ को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गज़ा और लेबनान में 'सैन्य सफलताओं' को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी



में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की 'अजेय सुरक्षा प्रदाता' वाली छवि को चोट पहुंचाई।

नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को ख़त्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके ख़िलाफ़ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाज़ी की और अरब नागरिकों पर 'चुनाव चुराने' का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख़ ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के ख़िलाफ़ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था । इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना ग़लत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके 'अपराजित' होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।

।। यथार्थ गीता ।।



स्वामी अड़गड़ानंद

अथ अष्टादशोऽध्यायः

(गतांक से आगे)

योगेश्वर कहते हैं कि प्रकृति से उत्पन्न गुणों द्वारा परवश होकर मनुष्य परिस्थिति के अनुसार ढलता ही रहता है। गुण स्वतः उन्हें ढालने में सक्षम हैं। भौतिकशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, तर्कशास्त्र वह गढ़ता ही रहता है। एक ही वस्तु ऐसी है जो मनुष्य नहीं जानता, नहीं पहचानता। जो है तो उसी के पास किन्तु उसे विस्मृत है। गीता सुनकर अर्जुन की वही स्मृति लौट आयी थी। वह स्मृति है परमात्मा की, जो हृदय-देश में होकर भी उससे बहुत दूर है। उसी को मनुष्य पाना चाहता है; किन्तु रास्ता नहीं पाता। केवल कल्याण-पथ से ही मनुष्य अनभिज्ञ है। मोह का आवरण इतना घना है कि उधर सोचने का समय ही नहीं मिलता। उन महापुरुष ने आपके लिये समय दिया है, उस कर्म को स्पष्ट किया है, जिसे करने का निर्देश गीता में है। गीता मुख्यतः यही देती है। भौतिक वस्तुएँ भी उससे मिलती हैं; किन्तु श्रेय की तुलना में प्रेय नगण्य हैं।

योग-प्रदाता- योगेश्वर श्रीकृष्ण के अनुसार कल्याण-पथ की जानकारी, उसका साधन और उसकी प्राप्ति सद्गुरु से होती है। इधर-उधर तीर्थों में बहुत भटकने या बहुत परिश्रम से यह तब तक नहीं मिलता, जब तक किसी सन्त द्वारा न प्राप्त किया जाय। अध्याय 4/34 में श्रीकृष्ण ने कहा- अर्जुन! तू किसी तत्त्वदर्शी महापुरुष के पास जाकर, भली प्रकार दण्ड-प्रणाम कर, निष्कपट भाव से सेवा करके, प्रश्न करके उस ज्ञान को प्राप्त कर। प्राप्ति का एकमात्र उपाय है, किसी महापुरुष का सान्निध्य और उनकी सेवा। उनके अनुसार चलकर योग की संसिद्धिकाल में पायेगा। अध्याय 18/18 में उन्होंने बताया कि परिज्ञाता अर्थात् तत्त्वदर्शी महापुरुष, ज्ञान अर्थात् जानने की विधि और ज्ञेय परमात्मा - तीनों कर्म के प्रेरक हैं। अतः श्रीकृष्ण के अनुसार महापुरुष ही कर्म के माध्यम हैं, न कि केवल पुस्तक। किताब तो एक नुस्खा है।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

एकेन शुष्कवृक्षेण दह्यमानेन वह्निना।
दह्यते तद्वनं सर्वं कुपुत्रेण कुलं तथा।।

जिस प्रकार अग्नि से जलता हुआ एक ही वृक्ष सारे वन को जला डालता है, उसी प्रकार एक ही कुपुत्र से सारा कुल कलंकित हो जाता है।

♦♦♦

दलील से पहले फ़ॉन्ट सुधारिए

हम जो पढ़ते हैं, वह सिर्फ़ वही नहीं होता जो लिखा गया है। वह इससे भी तय होता है कि कैसे छपा है। यह बात अख़बारों ने सौ बरस पहले समझ ली थी। अब, उपलब्ध समाचारों के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उसकी लखनऊ पीठ



– के. विश्वदेव राव

भी इसे अपने ढंग से स्वीकार कर रही हैं। यह आदेश इशारा करता है कि एक विशेष फॉन्ट में मुद्रित दलील कोई निर्दोष औज़ार नहीं, वह उस विश्वास का पहला दरवाज़ा है, जो कानूनी प्रक्रिया को रेखांकित करता है। फ़ाइलों के पहाड़ में धँसा न्यायाधीश हो या सुबह की चाय के साथ अख़बार पढ़ने वाला नागरिक, उसे पठनीय मसौदे से पहले कागज़ पर उकेरे अक्षरों को सुगमता से पढ़ने की सहूलियत चाहिये। पहले ख़बर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में शिव किंकर सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व 2 अन्य के मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने आदेश दिया कि 12 नवंबर 2026 से अंग्रेज़ी में दाख़िल हर याचिका, शपथ-पत्र, प्रति-शपथ-पत्र और अपील 'टाइम्स न्यू रोमन' में, चौदह पॉइंट के आकार में और दोहरी पंक्ति-दूरी के साथ होंगी। मोटे अक्षर केवल संलग्नकों और सूची के लिए रहेंगे, तिरछे अक्षर केवल उद्धरण या अदालत और अधिनियम के नाम के लिए। प्रार्थना-खंड तिरछा हो ही नहीं सकेगा।

इस आदेश को घरेलू व्यवस्था की भाषा में लिखा गया है, यानी कागज़ चाहे भौतिक रूप में आए या इलेक्ट्रॉनिक, अभिलेख एक-सा दिखे। पर गौर करने की बात है कि अदालत का अपना पिछला निर्देश कुछ और था- आकार बारह, अक्षर 'एरियल' फॉन्ट में। यानी यह आदेश अपनी ही पुरानी भूल का मौन स्वीकार भी है। अब सवाल यह है कि अदालत को यह बात इतनी देर से क्यों सूझी, और अख़बारों को पहले क्यों? शायद इसलिए कि अख़बार का पाठक नाराज़ हो तो पन्ना पलट देता है, जबकि अदालत में मजबूरी है कि हर अक्षर उसे पढ़ना ही पड़ेगा। जिससे वो भाग नहीं सकता, उसकी थकान का हिसाब कोई नहीं रखता। टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट की जड़ें अख़बार से ही उपजी हैं। 1932 में लंदन के 'द टाइम्स' ने इसे दो इंच चौड़े संकरे स्तंभों और सस्ते, स्याही सोखने वाले न्यूज़प्रिंट के लिए अपनाया था। दो इंच में यह अक्षर चमकता है, छह इंच में बुझने लगता है। तंग गली के सिपाही को चौड़े क़ानूनी काग़ज़ के मैदान में उतारना वैसा ही है जैसे शहर के रिक्शे को राजपथ पर दौड़ा देना। इसी वजह से अमेरिका के सातवें सर्किट की मार्गदर्शिका के हवाले से कहा जाता है कि पेशेवर टाइपोग्राफ़र लंबे दस्तावेज़ों में इससे बचते हैं, और वहाँ का सर्वोच्च न्यायालय अपने नियमों में 'सेंचुरी' परिवार के फॉन्ट माँगता है।

फिर हमारी अदालत उसी की ओर क्यों जा रही है जिससे वे लोग दूर जा चुके हैं?

क्योंकि यहाँ प्रश्न सुंदरता का नहीं, एकरूपता का है। यह फॉन्ट लगभग हर कंप्यूटर में पहले से मौजूद होता हैं, और जहाँ नहीं है, वहाँ मिलते-जुलते विकल्प चल जाते हैं। झाँसी की कचहरी में बना मसौदा और लखनऊ के किसी कॉरपोरेट दफ़्तर का मसौदा एक-सा दिखेगा। हज़ारों फ़ाइलें निपटाने वाली रजिस्ट्री के लिए यह सुविधा किसी भी अक्षर-सौंदर्य से भारी है। यह तर्क हल्का नहीं है, पर इसकी क़ीमत कौन चुकाएगा, यह देखना भी ज़रूरी है। यथार्थ यह है कि आदेश आधी राह पर ठहरा हुआ लगता है। चौदह पॉइंट और दोहरी पंक्ति में सामान्य याचिका भी फूलकर मोटी हो जाएगी- ज़्यादा पन्ने, ज़्यादा फ़ोटोकॉपी, ज़्यादा जिल्द। फ़ॉन्ट पर अनुशासन हो और लंबाई खुली छूट पर, तो एक हाथ से आँख को राहत मिलती है और दूसरे हाथ से जेब पर भारी लगती है। अमेरिकी अपीली नियम इसीलिए फॉन्ट के साथ शब्द-सीमा भी बाँधते हैं, ताकि टाइपोग्राफ़ी के सहारे लंबाई चुपके से न घुसे। इलाहाबाद न्यायालय के आदेश को भी फ़ॉन्ट के साथ उचित शब्द-सीमा और पृष्ठ-सीमा तय करनी चाहिए, ताकि कागज़ की बर्बादी रुके और पढ़ने वाले की आँख और धैर्य दोनों बचें। हिंदी में दाख़िल किये जाने वाले मसौदे का प्रश्न और भी बड़ा है। आदेश के अनुसार देवनागरी के लिए कोई भी यूनिकोड अक्षर इस्तेमाल किया जा सकता है। पर देवनागरी के अक्षर मोटाई और ऊँचाई में एक-दूसरे से बहुत भिन्न होते हैं। जिस एकरूपता की बात आदेश करता है, वह यहीं सबसे पहले डगमगाएगी। बेहतर होगा कि हिंदी के लिए भी कोई स्पष्ट फॉन्ट और निश्चित आकार तय हो। 'मंगल' या 'अपराजिता' जैसे सर्वसुलभ अक्षर इस पर विचार का आरंभ-बिंदु हो सकते हैं, हालाँकि अंतिम चुनाव अदालत और विशेषज्ञों का काम है। और चूँकि अनुपालन की जाँच स्कैनिंग-शाखा में होगी, एक ग़लत पंक्ति-दूरी का अर्थ है लौटाई हुई याचिका, टला हुआ अंतरिम संरक्षण और किसी वकील की शाम जिल्द-बंदी की भेंट। यह मार सबसे ज़्यादा उन पर पड़ेगी जो ख़ुद अपनी पैरवी करते हैं, या जिनके दफ़्तर में परिपत्र पढ़ने वाला कोई मुंशी नहीं। इसलिए 12 नवंबर तक अनुपालन चाहने वाली अदालत को निर्देश के साथ एक नमूना पृष्ठ, फ़ाइलिंग-काउंटर पर जाँच-सूची और आपत्तियाँ शुरू होने से पहले थोड़ी रियायत भी देनी चाहिए। फिर भी एक बड़ी बात मान ली गई है। अदालत ने स्वीकार किया कि पन्ने की बनावट इस बात में शामिल है कि दलील कैसे ग्रहण की जाती है। मोटे, रेखांकित और तिरछे अक्षरों का जंगल वैसा ही है जैसे कोई कचहरी में चीख़कर बोले। स्वर जितना ऊँचा, विश्वास उतना कमज़ोर। जब सब कुछ ज़ोर देकर कहा जाए, तो कुछ भी ज़ोरदार नहीं रह जाता। अख़बार जानता है कि शीर्षक का फॉन्ट संपादक की आवाज़ है, और उसे अगर बदल दिया तो ख़बर की गंभीरता बदल जाती है। अदालत अब यह जान रही है कि वकील का मसौदा उसकी पहली दलील है, चाहे वकील यह माने या न माने। शब्दों को लिख कर सम्पादित करना फिर प्रिंट प्रस्तुत करना वकालत की वह आखिरी मंज़िल है जिसके बारे में अधिकतर वकील दिन रात चिराग जलाते हैं। और अंततः न्यायाधीश महोदय उस भारी भरकम जिरह जो एक पहेली होती है, उसे सुलझा कर अपना न्यायसंगत आदेश पारित करते हैं।

तो अंत में प्रश्न यही है। अगर अदालतें मानती हैं कि पन्ने की बनावट न्याय की पहली सीढ़ी है, तो क्या वे इसे फ़ॉन्ट के आदेश पर ही छोड़ देंगी, या उसके साथ लंबाई की मर्यादा, हिंदी का सम्मान और साधन-हीन वादी की सुविधा भी तय करेंगी?

न्यायालय ने न्याय तक पहुँचने का रास्ता तो सुंदर बना दिया, पर क्या वह सबके लिए सुगम भी होगा? फॉन्ट तो सँवर जाएँगे पर न्याय कहीं पीछे ना छूट जाए।

प्रेरक प्रसंग

दिल की पुकार

नावेर नाम का एक अरब था। उसके पास एक बहुत बढ़िया घोड़ा था। एक दिन दाहर नामक एक आदमी उसके पास आया। उसने घोड़ा देखा तो उसका मन उसकी ओर आकर्षित हो गया। उसके पास बहुत-से ऊंट थे। उसने नावेर से कहा, तुम ये ऊंट ले लो और अपना घोड़ा मुझे दे दो।

लेकिन नावेर को भी वह घोड़ा बहुत प्यारा था। उसने उसे देने से इन्कार कर दिया।

दाहर ने बहुत आग्रह किया, लेकिन वह घोड़ा देने के लिए किसी प्रकार भी राजी नहीं हुआ। तब दाहर ने एक चाल चली। नावेर जिस रास्ते से बाहर जाया करता था, उस रास्ते पर फटे-पुराने कपड़े पहनकर जा बैठा और अपना चेहरा छिपा लिया।

कुछ समय बाद जब नावेर अपने घोड़े पर सवार होकर उधर से निकला, तो दाहर ने उसका रास्ता रोक लिया। कहा, मैं बहुत दीन हूं, गरीब हूं। मुझे अगले गांव तक पहुंचा दोगे ?

नावेर बड़ा दयालु था। उसकी दशा देखकर उसका हृदय द्रवित हो उठा। वह घोड़े पर से उतर पड़ा और दाहर को उस पर बिठाकर स्वयं पैदल चलने लगा।

दाहर ने घोड़े को चाबुक मारकर भगा दिया और नावेर के पास आकर बोला, तुमने राजी से घोड़ा नहीं दिया। लो, मैंने तुम्हारा घोड़ा ले लिया!

नावेर ने उसे पहचानकर कहा, कोई बात नहीं है दोस्त, पर एक बात याद रखना। इस घटना की चर्चा किसी से मत करना।

क्यों? दाहर ने गर्व से पूछा।

इसलिए कि, नावेर ने कहा, आगे कभी कोई दया नहीं करेगा और बेचारे गरीब लोग बेमौत मारे जायेंगे।यह उसके दिल की पुकार थी। उसे सुनकर दाहर बड़ा लज्जित हुआ। उसने अपने किये पर क्षमा मांगी और घोड़ा लाकर उसे लौटा दिया।

आपका पत्र मिला

विपक्ष का असल विरोध या प्रगति में अवरोध?

लोकतंत्र में सत्ता की असमंजस्य नीतियों का विपक्ष द्वारा विरोध करना उनका संवैधानिक अधिकार है. जो समय-समय पर सत्ता को सही राह दिखाने के लिए जरूरी भी है. जब से देश आजाद हुआ है और हमारे देश में लोकतंत्रीय व्यवस्था व हमारा संविधान लागू है तब से ही विपक्ष द्वारा सरकार की गलत नीतियों का विरोध विपक्ष द्वारा किया जाता रहा है साथ ही बेहतर नीतियों की सराहना और सत्ता की नीतियों को और बेहतर व जनहितैषी बनाने के लिए सुझाव भी दिए जाते रहे हैं जिसे सरकार ने सहर्ष स्वीकार भी किये। किन्तु आज का विपक्ष अपने दिल से पूछे कि उसने 14 सालों में सरकार की कितनी सराहना की और कितने बेहतर नीतिगत सुझाव दिए जिसे उसने मानने से इंकार किया हो. आम जनता विपक्षियों के सरकार के प्रति रवैये को आरम्भ से ही देख और समझ रही है. आलोचना, समालोचना व जनहितैषी कार्यों की सराहना न सही नीति पर सहयोग तो सरकार को किया जा सकता है. किन्तु एकतरफा सिर्फ और सिर्फ विरोध करना ही लोकतंत्रीय व्यवस्था में विपक्ष का काम न तो स्वयं के लिए और न ही सत्ता और देश के लिए लाभकारी है।

अतः विपक्ष को इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए ताकि तर्क-वितर्क के साथ ही देशहित में विरोध भी सार्थक सिद्ध हो सके न कि वह देश की प्रगति में बाधक बने।

शकुंतला महेश नेनावा
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

दिवाली शॉपिंग के लिए देश के 10 सस्ते और मशहूर बाजार



दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगती है। घर की सजावट से लेकर नए कपड़े, ज्वेलरी, दीये, लाइट्स और गिफ्ट आइटम खरीदने तक हर कोई दिवाली की तैयारियों में जुट जाता है। हालांकि, त्योहार के दौरान बढ़ती महंगाई के बीच बजट में रहकर अच्छी खरीदारी करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में अगर आप भी कम पैसों में दिवाली की शानदार शॉपिंग करना चाहते हैं, तो देश के कुछ मशहूर बाजार आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इन बाजारों में कपड़े, सजावटी सामान, पूजा सामग्री, बर्तन, फुटवियर और गिफ्ट आइटम किफायती दामों पर मिल जाते हैं।

दिल्ली का चांदनी चौक- दिल्ली का चांदनी चौक दिवाली की खरीदारी के लिए मशहूर बाजारों में शामिल है। यहां कपड़ों, साड़ियों, ज्वेलरी, सजावटी सामान, पूजा सामग्री और गिफ्ट आइटम की कई दुकानें मिलती हैं। दिवाली के समय यहां की रौनक देखते ही बनती है। कम बजट में खरीदारी करने वालों के लिए यह बाजार अच्छा विकल्प है।



मुंबई का क्रॉफर्ड मार्केट- मुंबई का क्रॉफर्ड मार्केट दिवाली की खरीदारी के लिए लोकप्रिय जगह है। यहां घर की सजावट, लाइट्स, आर्टिफिशियल फूल, गिफ्ट आइटम, बर्तन और रोजमर्रा के सामान की कई वैरायटी मिलती हैं।

त्योहार के समय यहां खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रहती है।

जयपुर का बापू बाजार- जयपुर का बापू बाजार रंग-बिरंगे कपड़ों, जूतियों, बैग और पारंपरिक सामान के लिए जाना जाता है। अगर आप दिवाली पर एथनिक कपड़े और पारंपरिक एक्सेसरीज खरीदना चाहते हैं, तो यहां जा सकते हैं। बाजार में कई दुकानों पर बजट के अनुसार विकल्प मिल जाते हैं।



लखनऊ का अमीनाबाद बाजार- लखनऊ का अमीनाबाद बाजार खरीदारी के शौकीनों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां चिकनकारी कपड़े, साड़ियां, सूट, ज्वेलरी और घरेलू सामान की कई दुकानें हैं। दिवाली पर नए कपड़े खरीदने के लिए यह बाजार अच्छा विकल्प हो सकता है।

कोलकाता का न्यू मार्केट- कोलकाता का न्यू मार्केट दिवाली की खरीदारी के लिए मशहूर है। यहां कपड़े, फुटवियर, बैग, कॉस्मेटिक्स, गिफ्ट आइटम और सजावटी सामान मिलते हैं। यहां आपको अलग-अलग बजट में खरीदारी के कई विकल्प मिल सकते हैं।

अहमदाबाद का लाल दरवाजा बाजार- अहमदाबाद का लाल दरवाजा बाजार किफायती खरीदारी के लिए जाना जाता है। यहां कपड़े, ज्वेलरी, घरेलू सामान, फुटवियर और फैशन एक्सेसरीज की कई दुकानें हैं। दिवाली के लिए घर की जरूरतों और व्यक्तिगत खरीदारी के लिए यह बाजार अच्छा विकल्प है।

हैदराबाद का लाड बाजार- हैदराबाद का लाड बाजार खासतौर पर चूड़ियों और पारंपरिक ज्वेलरी के लिए मशहूर है। यहां रंग-बिरंगी चूड़ियों, मोतियों की ज्वेलरी और पारंपरिक एक्सेसरीज की अच्छी वैरायटी मिलती है। दिवाली पर ट्रेडिशनल लुक के लिए यहां खरीदारी कर सकते हैं।

बेंगलुरु का चिकपेट बाजार- बेंगलुरु का चिकपेट बाजार कपड़ों और साड़ियों की खरीदारी के लिए लोकप्रिय है। यहां सिल्क साड़ियों, फैब्रिक, ड्रेस मटेरियल और पारंपरिक कपड़ों की कई दुकानें हैं। दिवाली पर नए कपड़े खरीदने के लिए यह बाजार एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

पटना का हथुआ मार्केट- पटना का हथुआ मार्केट कपड़े, फुटवियर, ज्वेलरी और फैशन से जुड़े सामान की खरीदारी के लिए जाना जाता है। दिवाली के समय यहां कई तरह के सामान की दुकानें सजी रहती हैं। बजट के अनुसार खरीदारी करने के लिए यह बाजार देख सकते हैं।

वाराणसी का ठठेरी बाजार- वाराणसी का ठठेरी बाजार बर्तन और पीतल के सामान के लिए प्रसिद्ध है। दिवाली और धनतेरस के मौके पर यहां बर्तनों और पारंपरिक घरेलू सामान की खरीदारी की जा सकती है। अगर आप त्योहार पर पूजा और घर के लिए बर्तन खरीदना चाहते हैं, तो यह बाजार अच्छा विकल्प है।

पहनावा ही बता देता है आपकी पर्सनालिटी



आप किसी पार्टी में गए हों या किसी इवेंट पर या फिर शॉपिंग के लिए। आपको ना जानने वाले लोग भी आपके पहनावे के आधार पर आपके बारे में राय बना लेते हैं। आपके बोलेन से पहले ही आपका पर्सनालिटी कार्ड बन जाता है। आइए, ड्रेसिंग को लेकर ऐसी ही कुछ मजेदार बातों के बारे में जानते हैं। **कपड़ो की फिटिंग-** कपड़ों में सबसे पहले लोगों का ध्यान उसकी फिटिंग की तरफ जाता है। अगर आपके कपड़े बहुत टाइट हैं तो वो अनकंफर्टेबल नजर आते हैं और ज्यादा ढीले-ढाले कपड़ों को देखकर लगता है कि आप कुछ छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। **जूतों की हालत-** घिसा हुआ लेदर, फटे हुए सोल या गंदे स्नीकर्स देखकर लोगों को लगता है कि आप बेपरवाह हैं और छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देते। **ब्राण्ड काफी कुछ कहता है-** आपने किस ब्राण्ड के कपड़े या एसेसरीज पहनी है, उससे आपकी स्टाइल के बारे में काफी कुछ पता चलता है। लोगो देखकर ही उन्हें लगने लगता है कि आप डिजाइनर चीजों के कितने शौकीन हैं, वहीं नॉन-ब्राण्डेड चीजें ऐसा प्रभाव नहीं डालतीं। **कपड़ों का रंग कुछ कहता है-** रंगों का बहुत ही गहरा साइकोलॉजिकल प्रभाव पड़ता है। आपके कपड़ों के हल्के शेड देखकर लोग मान लेते हैं कि आप ऊर्जा से भरे और मिलनसार हैं। वहीं, कपड़ों का गहरा रंग आपके गंभीर व्यक्तित्व की ओर इशारा करता है। कपड़ों का मिला-जुला रंग आपको बेखबर दिखाता है। **अगर कपड़े हों ज्यादा रिविलिंग-** आउटफिट का ज्यादा रिविलिंग या बोल्ड डिजाइन देखकर लोगों को लगता है आपके अंदर अटेंशन पाने की कुछ ज्यादा ही चाहत है। वहीं कुछ लोग इसे मौके के हिसाब से सही चॉइस नहीं मानते।

क्या होता है रेज़िन और आखिर क्यों है ये ट्रेंडिंग



रेज़िन एक प्रकृतिक और सिंथेटिक रसायन है, जो ठोस रूप में पाया जाता है। प्रकृतिक रेज़िन, वह होते हैं जो पेड़ से निकाले जाते हैं, जबकि सिंथेटिक रेज़िन, मेन मेड होते हैं। रेज़िन का उपयोग उसकी मजबूत और टिकाऊ विशेषताओं के कारण किया जाता है। रेज़िन की विशेषताएँ जैसे कि मजबूती, वॉटरप्रूफ, और आसानी से मोल्ड होने की क्षमता इसे बाकी चीज़ो से अलग करती है। इसका उपयोग गहनों, कलाकृतियों, और निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है। चलिए, आपको रेज़िन के कुछ प्रोडेक्टस बताते हैं, जो आजकल टेंडिंग में बने हुए हैं। रेज़िन वॉच के कई फायदे होते हैं, जो इन्हें लोकप्रिय बनाते हैं। रेज़िन वॉच हल्की होती है, जिससे इनहें पहनना आरामदायक होता है। रेजिन वॉच पानी में भी सुरक्षित रहती है, जिससे यह लंबी अवधि तक चलती है। यह वॉच विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध होती हैं। अन्य प्रकार की घड़ियों की तुलना में, रेज़िन की घड़ी कम कीमत में मिल जाती है। इन वॉच में अक्सर विभिन्न फीचर्स जैसे स्टॉपवॉच, अलार्म और बैकलाइट होते हैं, जो इन्हें बाकी घड़ीयों से अलग करती है। रेजिन वॉच एक बेहतरीन और खूबसूरत विकल्प है। रेसिन पेंडेंट के कई लाभ होते हैं, जो उन्हें आकर्षक बनाते हैं।

भारत का पहला और दुनिया का दूसरा सबसे ठंडा गांव

भारत में जैसे ही सर्दियों का मौसम शुरू होता है, हम सभी मोटे-मोटे स्वेटर, जैकेट और गर्म कपड़े निकालकर ठंड से बचने की तैयारी कर लेते हैं। इनके बिना घर से निकलना संभव नहीं होता लेकिन क्या आप कभी किसी ऐसी जगह की कल्पना कर सकते हैं जहां ठंड इतनी चरम हो कि खून तक जम जाए, और हर सांस की बूंद भी बर्फ बन जाए? ऐसा अक्सर बाहर के कई देशों में होता है। पर क्या आप जानते हैं कि भारत में भी एक गांव ऐसा है, जहां इतनी ही भीषण सर्दी पड़ती है। दरअसल, लद्दाख के कारगिल जिले में स्थित द्रास गांव इसी ठंड के लिए जाना जाता है। इसे भारत का सबसे ठंडा और दुनिया का दूसरा सबसे ठंडा गांव माना जाता है। यहां सर्दियों में तापमान कई - डिग्री तक गिर जाता है, और गीले कपड़े टांगते ही कुछ ही देर में जम जाते हैं। इस गांव में जीवन जीना एक चुनौती है, लेकिन स्थानीय लोग कठोर मौसम के बीच भी अपनी परंपराओं और जीवनशैली के अनुसार अनोखी ढंग से जीते हैं। द्रास की बर्फीली घाटियां और सर्द हवा इसे साहसिक यात्रियों और फोटोग्राफरों के लिए आकर्षक



बनाती हैं। **कहां है स्थित -** द्रास को लद्दाख का प्रवेश द्वार% यानी गेटवे ऑफ लद्दाख कहा जाता है। भारत में स्थित ये खूबसूरत जगह चारों तरफ से 16 हजार से 21 हजार फीट ऊंचे पहाड़ों से घिरी हुई है, जिस वजह से यहां हिमालय की बर्फीली हवाएं खूब तेजी से चलती हैं और ठंड को और बढ़ा देती हैं। लेह और कारगिल जाने वाले यात्रियों को यहीं से गुजरना पड़ता है। **कितना रहता है तापमान-** सबसे पहले जान लेते हैं कि यहां का तापमान कितना होता है तो आपको बता दें कि सर्दियों के मौसम में यहां का तापमान आमतौर पर -20°C से -25°C तक पहुंच जाता है। कुछ समय पहले यहां का तापमान -60 डिग्री पहुंच गया था। आज भी सुबह की शुरुआत में झीलें, तालाब और गीले कपड़े जम जाते हैं। बर्फबारी कई महीने तक बनी रहती है, जिस वजह से यहां काफी ज्यादा ठंड होती है। **कैसी है स्थानीय जीवनशैली-** यहां रहने वाले लोग हमेशा मोटे ऊनी कपड़े पहनते हैं और घरों में हीटिंग का इस्तेमाल करते हैं। इनके घरों की दीवारें काफी मोटी होती हैं, जो हवा से लोगों का बचाव करती हैं। इसके साथ-साथ मांसाहारी खाना, गर्म भोजन, सूप और स्थानीय व्यंजन जैसे पकवान यहां से लोगों के शरीर को गर्माहट देते हैं। शारीरिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए मोटे कपड़े, दस्ताने, टोपी और गर्म जूते पहनना जरूरी है। **पर्यटन और रोमांच के लिए है बेहद खूबसूरत-** अक्टूबर के महीने से ही यहां बर्फीली हवाओं का तांडव शुरू हो जाता है जो अगले साल अप्रैल तक चलता है।

प्रदूषण में एक्सरसाइज करने से पहले जरूर जान लें ये बातें

सर्दियों के मौसम में बढ़ता वायु प्रदूषण लोगों की सेहत के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। खासकर दिल्ली-हृष्टक्र समेत कई शहरों में खराब एयर क्वालिटी के कारण सुबह की सैर, जॉगिंग और खुले मैदान में एक्सरसाइज करना मुश्किल हो सकता है। फिट रहने के लिए रोजाना व्यायाम करना जरूरी है, लेकिन प्रदूषण के बीच बिना सावधानी के एक्सरसाइज करना सांस और फेफड़ों से जुड़ी परेशानियों का जोखिम बढ़ा सकता है। जब हवा में PM2.5 और PM10 जैसे प्रदूषक कणों की मात्रा बढ़ जाती है, तो शारीरिक गतिविधि के दौरान तेज सांस लेने से शरीर में इन कणों का प्रवेश बढ़ सकता है। इससे खांसी, गले में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधि के फायदे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अधिक प्रदूषण के दौरान एक्सरसाइज का समय, स्थान और तीव्रता बदलना जरूरी है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदूषण के दिनों में एक्सरसाइज कैसे करें और किन बातों का ध्यान रखें? आइए जानते हैं कुछ जरूरी सावधानियां, जिनकी मदद से आप अपनी फिटनेस को बनाए रखते हुए प्रदूषण के संपर्क को कम कर सकते हैं। **एक्सरसाइज से पहले AQI जरूर चेक करें-** घर से बाहर निकलने से पहले अपने इलाके का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) जरूर देखें। भारत में (AQI) की जानकारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर मिल सकती है। यदि AQI खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में है, तो बाहर दौड़ने और कठिन एक्सरसाइज से बचें। **सही समय और जगह चुनें-** व्यस्त सड़कों, ट्रैफिक और निर्माण स्थलों के पास एक्सरसाइज करने से बचें। संभव हो तो कम प्रदूषण वाले स्थान पर जाएं। ध्यान रखें कि सुबह का समय हमेशा साफ हवा की गारंटी नहीं देता। इसलिए समय तय करने से पहले स्थानीय (AQI) की स्थिति देखें। **जरूरत पड़ने पर घर के अंदर एक्सरसाइज करें-** प्रदूषण बढ़ने पर घर के अंदर योग, हल्की स्ट्रेचिंग या अन्य उपयुक्त व्यायाम करना बेहतर विकल्प हो सकता है। यदि संभव हो तो साफ हवा वाले कमरे में एक्सरसाइज करें। घर के अंदर भी धुआं, अगरबत्ती और खाना पकाने से होने वाले प्रदूषण से बचें। **भारी वर्कआउट से बचें-** खराब एयर क्वालिटी में दौड़ना, तेज साइकिल चलाना और हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट करने से प्रदूषित हवा ज्यादा मात्रा में सांस के जरिए अंदर जा सकती है। ऐसे दिनों में एक्सरसाइज की अवधि और तीव्रता कम करें। AQI गंभीर होने पर बाहरी एक्सरसाइज टालें।





-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ सोमवार, 2 नवंबर 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके 1948 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी दक्षिण गोलगते शरद ऋतौ कार्तिक मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, अष्टमी तिथौ सोम वासरे 13/11/ आश्लेषा नक्षत्रे 27/47/ शुभ योग 12/07/ कौलव करणे 13/11/ सिंह राशिगत चन्द्रमा 27 घं. 47मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार-

मेष : नये आर्थिक निवेश में रुचि रहेगी। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा। शिक्षा प्रतियोगिता से लाभ होगा। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा।

वृष : उद्योग व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। यात्रा-वाहन पर व्यय होगा।

मिथुन : रचनात्मक कार्यों पर व्यय होगा। परिजनों की चिंता रहेगी। सुसंगति लाभ होगा। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

कर्क : राजकीय कार्यों के प्रति ध्यान रखें। किसी प्रतिष्ठस जनक कार्य के बन जाने का हर्ष भी मिलेगा। जोखिम उठाने का लाभ भी मिलेगा।

सिंह : किसी शुभ सूचना से स्थिति में सुधार होगा। आमोद-प्रमोद में रुचि लेंगे। संतान की ओर से प्रसन्नता होगी।

कन्या : सत्परामर्श से लाभ होगा। व्यापार में सुधार होगा। घरेलू चिंताएं दूर होंगी। नवीन सम्पर्कों का लाभ मिलेगा।

तुला : देनदारी में कमी आएगी। काम काज में शिथिलता रहेगी। मानसिक थकान रहेगी। आय-व्यय समानता रहेगी।

वृश्चिक : व्यर्थ ही समय नष्ट हो जाएगा। परिस्थितियों की जटिलता से कामकाज प्रभावित हो सकता है।

धनु : मनोवांछित लाभ का हर्ष होगा। गृहस्थ जीवन सुखी संपन्न होगा। श्रेष्ठ जनों से पथ प्रदर्शन मिलेगा।

मकर : शांति से कार्य करें। सफलता की आशा है। जीवनसाथी के व्यवहार से असहमति होगी। किसी कार्य विशेष की सफलता मिलेगी।

कुंभ : जीवनसाथी के व्यवहार से असहमति होगी। किसी कार्य विशेष की सफलता से दांपत्य जीवन प्रभावित होगा।

मीन : विघ्न बाधाएं दूर होंगी। मनोरंजन पर व्यय होगा। व्यय आधिक्य का डर रहेगा। घरेलू कार्यों की पूर्ति होगी।

सामान्य खेती बनाम जैविक एवं प्राकृतिक खेती : सिंहावलोकन एवं व्यावहारिक सुझाव

अनिल कुमार पाठक

भारत में खेती की पद्धति ने सैकड़ों वर्षों में अनेक परिवर्तन देखे हैं। एक समय था जब सोती मुख्यतः स्थानीय संसाधनों और प्रकृति पर आधारित थी। फसल उत्पादन हेतु कृषक अपने घरों के बाहर या अन्य उपयुक्त स्थानों पर गोबर, पशुओं के बाड़े से निकला अवशेष तथा घर का कूड़ा करकट एकत्र करते थे। यह 4-5 माह में सड़कर उत्कृष्ट खाद बन जाती थी। फसल बुवाई हेतु खेत तैयार करते समय खेतों में यह खाद डाली जाती थी। स्वतंत्रता के बाद देश की बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न आवश्यकताओं को पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी। गेहूँ सहित विभिन्न फसलों की अधिक उत्पादन देने वाली नई प्रजातियाँ विकसित हुई। इनके अनुरूप वैज्ञानिक कृषि का विस्तार हुआ और रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग का प्रचलन भी तेजी से बढ़ा। वर्ष 1960 में 2.2 किग्रा प्रति हेक्टेयर के सापेक्ष वर्तमान में 135-140 किग्रा प्रति हेक्टेयर तत्व के रूप में उर्वरक की खपत हो रही है। आज अनेक क्षेत्रों में कुछ फसलों में उर्वरकों का प्रयोग उनकी वास्तविक आवश्यकता से अधिक एवं असंतुलित होने की स्थिति है।

रासायनिक उर्वरकों का असंतुलित उपयोग आर्थिक अपव्यय के साथ साथ मिट्टी की आंतरिक संरचना को भी नुकसान पहुँचाता है। पौधे द्वारा रासायनिक तत्वों की अवशोषण क्षमता सीमित होती है। रासायनिक उर्वरकों एवं फसल सुरक्षा रसायनों के असंतुलित उपयोग से मानव एवं मृदा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचने हेतु भारत सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना तथा गो-आधारित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम प्रारम्भ किए।

इन योजनाओं से अनेक किसानों ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाई। लेकिन लगभग 10-12 वर्ष पूर्व जैविक खेती की ओर बढ़े अनेक किसान बाद में निम्नलिखित व्यावहारिक कारणों से पुनः प्रचलित खेती करने लगे। 1. जैविक फ़सलोत्पादन का अलग न्यूनतम समर्थन मूल्य का न होना। 2. जैविक फ़सलोत्पादन में अधिक श्रम लगना। 3. परिवर्तन के प्रारंभिक वर्षों में मिट्टी की स्थिति, कीट एवं रोग नियंत्रण के कारण उत्पादन में उतार-चढ़ाव का जोखिम। 4. जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए उपयुक्त तथा प्रमाणित बीजों की उपलब्धता न होना।

5. जैविक फसलोत्पादन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया, लागत और आवश्यक औपचारिकताएँ कठिन होना।

प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में मुख्य अंतर

प्राकृतिक खेती : बाहरी इनपुट पूर्णतः शून्य रहता है। मुख्यतः गोमूत्र, जीवामृत, घनजीवामृत आदि प्राकृतिक एवं स्थानीय संसाधनों का ही उपयोग होता है।

जैविक खेती : बाहरी जैविक इनपुट मान्य हैं। नीम ऑयल, जैव कीटनाशक, जैव उर्वरकों का प्रयोग होता है।

एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा एकीकृत कीट प्रबंधन कृषि पद्धतियाँ व्यावहारिक विकल्प हैं। ढूहरूमें मृदा परीक्षण के अनुसार कंपोस्ट, हरी खाद, जैव उर्वरक व संतुलित रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग होता है, जबकि ढूक्रूमें जैविक, यांत्रिक विधि व नीम ऑयल के साथ आवश्यकतानुसार कीटनाशी रासायनों का प्रयोग किया जाता है। आज आवश्यकता किसी एक कृषि पद्धति को पूर्णतः स्वीकार या अस्वीकार करने की नहीं, बल्कि ऐसी कृषि प्रणाली की आवश्यकता है जिसमे मानव स्वास्थ्य, उत्पादकता, मिट्टी का स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और किसान की आय-इन सभी के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। इसी के दृष्टिगत प्राकृतिक खेती के अतिरिक्त किसानों के बीच एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा एकीकृत कीट प्रबंधन का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने किया विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर का उद्घाटन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी के तत्वावधान में श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की निगरानी में आज जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित मेगा/वृहद विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रशासनिक न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी के कर कमलों से आडिटोरियम में फीता काटकर एवं दीप प्रज्जविल करके किया गया और आयोजन में सम्मिलित सभी स्टालों पर भ्रमण कर शिविर से संबंधित जानकारी ली गई। इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न विभागों से जुड़े चिन्हित पात्र लाभार्थियों को एक ही मंच से राज्य सरकार की जन हितैषी योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया। इस



कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'एक छत, एक समाधान' की भावना को साकार करना था, जिससे लाभार्थियों को एक ही स्थान पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर सर्वप्रथम श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुख्य अतिथि को लाइव प्लाण्ट देकर उनका स्वागत किया गया। मंच पर श्रीमती अल्पना सक्सेना, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बाराबंकी, श्रीमती वन्दना सिंह प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायलय, श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला जज/नोडल अधिकरी मेगा कैम्प, श्रीमती शाम्भवी यादव सीजेएम, ईशान प्रताप सिंह जिलाधिकारी, श्रीमती रवीना त्यागी पुलिस अधीक्षक, उज्वल उपाध्याय सिविल जज सी0डि0/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी, राकेश कुमार सिंह परियोजना निदेशक/नोडल अधिकारी मेगा कैम्प, रमन लाल द्विवेदी अध्यक्ष जिला बार एशोसिएशन, प्रदीप श्रीवास्तव, महामंत्री जिला बार एशोसिएशन विराजमान थे। मेगा सहायता व सेवा शिविर में सभी विभागों के स्टाल लगाया गया। आडिटोरियम में सभी न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष, बड़ी संख्या में महिलाएं, पत्रकार, युवा एवं अन्य पात्र नागरिक उपस्थित थे। जीजीआईसी की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। सूरज सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी बाराबंकी के मार्गदर्शन में लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, जादू जैसे सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रमों का भी आयोजन कर मेगा शिविर की भव्यता बढ़ाई गई। इस अवसर पर न्यायमूर्ति मनीष कुमार ने कहा, 'यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि सरकार की हर कल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। यह 'एक छत' कार्यक्रम इसी संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थियों का चयन पूरी पारदर्शिता से किया जाए और उन्हें योजनाओं की जानकारी भी नियमित रूप से दी जाए। श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि यह शिविर केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह संविधान की प्रस्तावना में वर्णित 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय' को साकार करने की एक सशक्त पहल है। हमारा प्रयास है कि न्याय की मुख्य धारा से वंचित लोग, जैसे कि अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, श्रमिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया से जुड़ सकें। अंतिम छोर तक न्याय की पहुंच हो इसके लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं।

गड्ढा मुक्त अभियान की गुणवत्ता पर उठने लगे सवाल

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बाऊली चौराहा से खुशहालपुर सहयोगी डिग्री कॉलेज होते हुए कस्बा जैदपुर को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर चलाए गए गड्ढा मुक्त अभियान की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पैचिंग कार्य शुरू होने के महज दो-तीन दिन के भीतर ही सड़क पर डाली गई गिट्टियां उखड़ने लगीं, जिससे निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, लॉ कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, बैंक सहित कई महत्वपूर्ण संस्थानों को जोड़ता है। पहले से ही सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण राहगीरों और स्कूली छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतों के बाद विभाग ने पैचिंग कार्य शुरू कराया, लेकिन



ग्रामीणों का दावा है कि कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि गड्ढों में गिट्टी के बजाय ईंट के टुकड़े डाले गए और सड़क की धूल साफ किए बिना ही केमिकलयुक्त तारकोल डालकर पैचिंग कर दी गई। उनका कहना है कि घटिया सामग्री के इस्तेमाल का परिणाम यह रहा कि कुछ ही दिनों में सड़क फिर से उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि बाऊली चौराहा से करीब 100 मीटर तक सड़क तालाब जैसी स्थिति में बनी हुई है, जहां न तो पैचिंग की गई और न ही निर्माण कार्य पूरा किया गया। आरोप है कि बीच में ही काम रोक दिया गया। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा सड़क का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने की मांग की है।

सिगरेट लेने को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। शहर में वन विभाग गेट के पास सिगरेट लेने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शुक्रवार रात 11 बजे कहासुनी के बाद हुई मारपीट में पीएसी के दरोगा समेत तीन लोग घायल हो गए। दरोगा के होंठ पर चोट आई। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। मेडिकल जांच में दरोगा के शरीर में अल्कोहल की पुष्टि होने की बात भी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, नगर कोतवाली क्षेत्र में वन विभाग गेट के पास एक पान की गुमटी पर सिगरेट लेने के दौरान सरदार किरत और पीएसी दरोगा कोकब रसूल व उनके साथियों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि सरदार किरत ने रियाजुल उर्फ संटू (41), यासिर मलिक (39) और कोकब रसूल (40) के साथ मारपीट की। इसके बाद वह मौके से चला गया। कोकब रसूल 12वीं बटालियन पीएसी, फतेहपुर में दरोगा हैं। मारपीट में उनके होंठ पर गंभीर चोट आई।

मेडिकल रिपोर्ट में अल्कोहल की पुष्टि

मेडिकल रिपोर्ट में पीएसी दरोगा कोकब रसूल के शरीर में अल्कोहल की पुष्टि होने की बात सामने आई है। सिविल लाइन चौकी प्रभारी अनुराग पाठक ने बताया कि अभी किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। बताया जा रहा है कि सरदार किरत के जाने के बाद घायल पक्ष के लोगों ने शुक्लाई निवासी अनुराग वर्मा के साथ मारपीट की। आरोप है कि तीन लोग अनुराग को पीट रहे थे। इसी दौरान सिविल लाइन चौकी में तैनात सिपाही सौरभ मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया।

धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं भगवान : पं.अजय शास्त्री

हैदरगढ़ बाराबंकी। कस्बे के ब्रम्हनान वार्ड में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा के तीसरे दिन बहुताधाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथा व्यास पंडित अजय शास्त्री ने अपनी सुमधुर आवाज में दिव्य प्रसंगों का वर्णन कर पंडाल में उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया। इस धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान प्रेमचंद तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला देवी ने विधि-विधान से व्यास पीठ और श्रीमद् भागवत महापुराण की आरती उतारकर कथा का शुभारंभ कराया। कथा व्यास पंडित अजय शास्त्री ने आज के प्रसंगों की शुरुआत करते हुए भगवान के विदुर कुटिया आगमन का जीवंत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भगवान कृष्ण ने दुर्योधन के छप्पन भोग का त्याग कर





परम भक्त विदुर जी के घर जाकर प्रेमवश बथुए का साग स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने वराह अवतार और हिरण्याक्ष वध की कथा सुनाते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। कथा के अगले क्रम में महर्षि कपिल अवतार और उनकी माता देवहूति के संवाद के माध्यम से सांख्य दर्शन व आत्मज्ञान का महत्व समझाया गया। वहीं, बालक ध्रुव के चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि दृढ़ संकल्प और सच्ची भक्ति से ईश्वर को भी प्राप्त किया जा सकता है। संगीतमय भजनों पर झूमते श्रद्धालुओं से पूरा ब्रम्हनान वार्ड 'जय श्री कृष्ण' और 'राधे-राधे' के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर हरिश्चंद्र तिवारी,माता प्रसाद अवस्थी, शैलेंद्र तिवारी, सत्येंद्र, राहुल दीक्षित, स्कंद तिवारी भारी संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर एक नज़र

युवती से अभद्रता का विरोध करने पर दबंग ने महिला को डंडे से पीटा

हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पूरे अंचली गाँव में एक घटना सामने आई है। यहाँ अपनी बेटी से सरेराह गाली-गलौज और अभद्रता का विरोध करने पर एक दबंग ने महिला को लाठी-डंडों से पीट दिया। पीड़िता की बेटी ने किसी तरह बीच-बचाव कर मां की जान बचाई। पीड़िता ने सुबेहा थाने में नामजद तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। नगर पंचायत सुबेहा के पूरे अचली वार्ड की रहने वाली राम दुलारी पत्नी राम मनोहर शनिवार शाम करीब 5 बजे अपने खेत के पास मौजूद थीं। इसी दौरान पड़ोस के गांव पूरे बादल का रहने वाला भदई पुत्र बैजनाथ वहां पहुंचा और राम दुलारी की बेटी लीला को देखते ही सरेआम गंदी-गंदी गालियां देने लगा।बेटी के साथ हो रही अभद्रता को देख जब मां राम दुलारी ने दबंग भदई को रोकने की कोशिश की और मना किया, तो आरोपी आगबबूला हो गया। आरोप है कि भदई ने महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए डंडे से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला के शरीर पर गम्भीर चोट आई हैं। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से मौके की जांच कराकर आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। भारतीय किसान यूनियन (हरपाल गुट) के ब्लॉक अध्यक्ष नीरज कुमार ने रविवार को हैदरगढ़ कोतवाली में तहरीर देकर अलमापुर गांव की एक महिला को अपमानित करने और धमकाने वाले आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। भाकियू नेता ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने कार्रवाई में लापरवाही बरती तो संगठन थाने पर प्रदर्शन करेगा। कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में ब्लॉक अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि अलमापुर गांव की निवासिनी श्याम कुमारी पुत्री मंगल को पोखरा गांव के निवासी दीपक यादव और उनके भाई ने सरेराह अपशब्द कहे, उन्हें अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से पीड़िता और उसका परिवार डरा हुआ है। भाकियू नेता ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि पीड़िता का मुकदमा तुरंत पंजीकृत कर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में पुलिस को चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली की गई, तो भारतीय किसान यूनियन पुलिस के रवैये के खिलाफ थाने का घेराव कर उग्र प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक साथ रहने को हुए राजी

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। मिशन शक्ति केंद्र पर पुलिस की प्रभावी काउंसलिंग के बाद करीब नौ माह से अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से समझौता करा दिया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम कसैटा मजरे बम्भौरा लोदी निवासी शिवानी पुत्री श्यामलाल ने अपने पति आयुष निवासी रौना, थाना हैदरगढ़ के विरुद्ध करीब नौ माह से मायके में रहने और पति द्वारा ससुराल न ले जाने के संबंध में शिकायत की थी। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाकर काउंसलिंग की। इस दौरान सामने आया कि आपसी अनबन, घरेलू विवाद और एक-दूसरे पर शक के चलते दंपती साथ नहीं रह पा रहे थे। मिशन शक्ति टीम प्रभारी एसएसआई सुरेश गुप्ता, हेड कांस्टेबल पंकज वर्मा और महिला कांस्टेबल प्रिया गुप्ता ने दोनों पक्षों को काफी देर तक समझाया। पुलिस की समझाइश के बाद पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई। पति ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने का भरोसा भी दिया। इसके बाद शिवानी खुशी-खुशी अपने पति के साथ ससुराल रवाना हो गई।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हत्या, घर में पड़ा मिला शव

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। महादेवा मंदिर से करीब सौ मीटर दूर दलित बस्ती में रविवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्री मंजू गौतम (40) की हत्या से सनसनी फैल गई। उसका शव घर के अंदर पड़ा मिला। सिर पर चोट के निशान

- संपत्ति विवाद में भाई और भाभी पर हत्या का आरोप
- मुकदमा दर्ज खुलासे के लिए लगाई गई टीमें

पाए गए हैं। मृतका की छोटी बहन वंदना गौतम ने संपत्ति विवाद को लेकर अपने सगे भाई संदीप और उसकी पत्नी शीतल पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच शुरू कर दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तत्काल



खुलासे के निर्देश दिए हैं। मंजू गौतम पुत्री समई अपने मकान में अकेली रहती थीं। वह विकासखंड सूरतगंज की ग्राम पंचायत लोधौरा में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर कार्यरत थीं। ग्राम बिंदौरा परसपुर में ब्याही छोटी बहन वंदना रविवार शाम करीब चार बजे पहुंची तो देखा उसका शव घर में पड़ा मिला। इसकी जानकारी होने पर छोटी बहन वंदना गौतम ने पुलिस को सूचना दी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।सीओ गरिमा पंत और प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह चौकी इंचार्ज महादेवा रजनीश पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम और अन्य साक्ष्यों के आधार पर भी जांच की जा रही है।सीओ गरिमा पंत ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

घटना को लेकर मुहल्ले में खामोशी

आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हत्या घनी आबादी के बीच हुई, लेकिन घटना को लेकर पूरा मोहल्ला चुप्पी साधे है। मृतका का मकान आसपास के घरों से सटा हुआ है। ऐसे में सिर पर भारी वस्तु से वार किए जाने के दौरान चीख-पुकार और शोर जरूर हुआ होगा, लेकिन हैरानी की बात है कि कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। आसपास के लोगों की खामोशी ने घटना को और संदिग्ध बना दिया है। आखिर हत्या के दौरान क्या हुआ और पड़ोसियों ने कुछ सुना या देखा, यह पुलिस की जांच में सामने आना बाकी है।

स्वाधीनता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक पटेल जी का जीवन त्याग तप एवं अदम्य राष्ट्रभक्ति का प्रतीक रहा : कांति सिंह

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। स्वाधीनता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक, सरदार पटेल का जीवन त्याग तप एवं अदम्य राष्ट्रभक्ति का प्रतीक रहा हैं। इन्होंने अपनी लौह इच्छाशक्ति, दूरदृष्टि तथा कौशल के बल पर भारत की बिखरी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक संगठित भारत की नींव रखी थी। उक्त विचार लखनऊ खंड स्नातक क्षेत्र से नवनिर्वाचित एमएलसी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती कांति सिंह ने जिला समाजवादी पार्टी पर जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद के अध्यक्षता एवं जिला महासचिव हिमांशु यादव के संचालन में देश को एकता अखंडता के एक सूत्र में पिरोन वाले सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती एवं आचार्य नरेंद्र देव जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सरदार पटेल एवं आचार्य नरेंद्र देव जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत व्यक्त किये। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने सरदार वल्लभभाई पटेल के कार्यों विचारों को विस्तार से रखते हुए कहा सरदार पटेल देश की एकता अखंडता को मजबूत बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने के साथ किसानों नौजवानों को देश के विकास की धुरी मानकर इनके विकास के लिए हमेशा संघर्ष करते रहे। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए जैदपुर विधायक गौरव रावत ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता अखंडता को मजबूत बनाए रखने के लिए निरंतर संघर्ष करते हुए देश की एकता भाईचारे बंधुत्व को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करते हुए सदैव देश को एकता भाईचारे के सूत्र में पिरो कर रखा। विचार गोष्ठी के उपरांत लखनऊ खंड स्नातक क्षेत्र से नवनिर्वाचित एमएलसी श्रीमती कांति सिंह को बाराबंकी जनपद स्नातक प्रभारी अरविंद कुमार सिंह गोप जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद विधायक गौरव रावत पूर्व विधायक रामगोपाल रावत पूर्व विधायक राम मगन रावत पूर्व विधायक रतनलाल राव पूर्व विधान परिषद सदस्य राजेश यादव राजू अरविंद यादव पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा प्रीतम सिंह वर्मा आशीष सिंह आर्यन महिला सभा के जिला अध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव सहित पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने बड़ी माला से स्वागत करते हुए अन्य पदाधिकारी ने श्रीमती कांति सिंह वर्मा को गुलदस्ता अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत करते हुए उनको जीत की बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।



देवा मेले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने लोकगीतों और जादू के माध्यम से बांधा समां

लोकगीतों में गूंजा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश, गीत-संगीत और जादू के जरिए हजारों दर्शकों को किया जागरूक

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। ऐतिहासिक देवा मेला एवं प्रदर्शनी-2026 में रविवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। गीत-संगीत, लोकगायन, बिरहा और जादू के अनूठे संगम के माध्यम से कलाकारों ने प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सामाजिक जागरूकता के संदेशों को प्रभावशाली ढंग से जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत लोक गायक मुन्ना अलबेला एंड पार्टी के कलाकारों की प्रस्तुतियों से हुई। कलाकारों ने लोकगीतों की मधुर धुनों के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और पर्यावरण संरक्षण एवं वानिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रस्तुत किया। सुमंगला योजना पर आधारित गीत 'आइल सुमंगला योजनवा नैनवा का खोला ए भाई' तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर 'योजनवा भावे सबके मनवा' जैसे गीतों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं, पर्यावरण एवं वानिकी पर आधारित गीतों के जरिए प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात लोकगीत एवं बिरहा गायक राजेश कुमार ने अपनी सशक्त गायकी से सामाजिक सरोकारों को स्वर दिया। उन्होंने 'गांव-घर स्वच्छ बनावा, शिक्षा से नेहिया लगाइला, बबुआ आगे बढ़ा' जैसे प्रेरक गीतों के माध्यम से स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इसी क्रम में जितेंद्र कुमार सांस्कृतिक दल



के कलाकारों ने 'यूपी के चमके चमनवा हो, आई सुंदर योजनवा हो' गीत की आकर्षक प्रस्तुति देकर प्रदेश में संचालित विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। इसके बाद लोकगीत एवं बिरहा गायक विजय सिंह एंड पार्टी के कलाकारों ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान पर केंद्रित गीत 'बेटी बाग की चिरैया भैया, बेटी बचइया नाय' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। गीत के माध्यम से बेटियों के संरक्षण, सम्मान और शिक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ह्रदेश तिवारी जादूगर की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने रोचक और हैरतअंगेज जादुई करतबों के माध्यम से शिक्षा, मिशन शक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक विषयों के प्रति लोगों को जागरूक किया। मनोरंजन के साथ जनहितकारी संदेश देने की उनकी अनूठी शैली को दर्शकों ने खूब सराहा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने अपनी लोककला और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि लोकगीत, संगीत और पारंपरिक कलाएं जनजागरूकता का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।

'रंग-ए-झूम' में भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

देवा मेला एवं प्रदर्शनी-2026 की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को आयोजित 'रंग-ए-झूम' कार्यक्रम में भरतनाट्यम की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शास्त्रीय नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं, लयबद्ध पद संचालन और आकर्षक भाव-भंगिमाओं के माध्यम से कलाकारों ने भारतीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा के विविध स्वरूपों को मंच पर जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में भरतनाट्यम की प्रतिभाशाली कलाकार कलवाणी अभिलाषा सिंह ने अपने सह कलाकारों अनुष्का प्रकाश, यशिका शुक्ला, दिया चंद्रा, अक्षरा भारद्वाज, कशिश वर्मा एवं विधि गुप्ता के साथ शानदार प्रस्तुतियां दीं। अभिलाषा सिंह ने गुरु 'कलाश्री' सय्यद शमशुर रहमान से भरतनाट्यम की विधिवत शिक्षा प्राप्त की है।



भगवान राम की महिमा का किया भावपूर्ण वर्णन

कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति 'शुद्धं ब्रह्म परात्पर राम' रही। इस प्रस्तुति के माध्यम से भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप, उनके आदर्श चरित्र और महिमा का भावपूर्ण चित्रण किया गया। कलाकारों ने अपनी भाव-भंगिमाओं और नृत्य मुद्राओं से रामभक्ति की अलौकिक अनुभूति कराई।

महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम से साकार हुई मां दुर्गा की शक्ति

दूसरी प्रस्तुति 'महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम' पर आधारित रही। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित इस स्तोत्र के माध्यम से मां दुर्गा के विविध स्वरूपों, उनकी शक्ति, शौर्य और महिषासुर पर विजय की गाथा को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों की प्रभावशाली मुद्राओं ने देवी के दिव्य एवं शक्तिशाली स्वरूप को मंच पर साकार कर दिया।

शिव तांडव स्तोत्रम में दिखा महादेव का विराट स्वरूप

तीसरी प्रस्तुति 'शिव तांडव स्तोत्रम' पर आधारित रही। इसमें भगवान शिव के गंगाधर, नटराज, दिगंबर और महाकाल स्वरूपों का मनोहारी चित्रण किया गया। शिव के नेत्रों की अग्नि, उनकी जटाओं में प्रवाहित गंगा और प्रचंड तांडव की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

'स्वरांजलि' में दिखी भरतनाट्यम की शास्त्रीय सुंदरता

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति 'स्वरांजलि' रही, जिसमें कलाकारों ने भरतनाट्यम की विशिष्ट पद संचालन शैली, लय, ताल और भाव-भंगिमाओं का सुंदर प्रदर्शन किया। कलाकारों के उत्कृष्ट सामंजस्य और अनुशासित नृत्य संयोजन ने प्रस्तुति को विशेष आकर्षण प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शक भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा, आध्यात्मिक भावधारा और कलात्मक सौंदर्य से अभिभूत नजर आए। 'रंग-ए-झूम' की प्रस्तुतियों ने देवा मेला की सांस्कृतिक गरिमा को और समृद्ध करते हुए भारतीय कला एवं संस्कृति की जीवंत विरासत का सुंदर संदेश दिया।

खबर एक नजर

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। जनपद में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पीईटी+2026 को सुचारु, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी न्यायिक विशाल यादव ने चन्द्रपाल इंटर कॉलेज गंगागंज, जनपद इंटर कॉलेज हरचन्दपुर सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में पीईटी-2026 की परीक्षा मे कुल 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई। पीईटी-2026 की प्रथम पाली में कुल 9.744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6905 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2839 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में भी कुल 9.744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6925 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 2819 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 19.488 पंजीकरण के सापेक्ष 13830 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 5658 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

67 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक दवा का वितरण किया गया

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। औघड़ भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम, औघड़ आश्रम मुंशीगंज रमें पथरी के 67 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक दवा का वितरण किया गया है। श्री सर्वेश्वरी समूह औघड़ भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम में प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को दूर दराज से आए हुवे पथरी के 67 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक दवा का वितरण किया गया। दवा वितरण करने वाले रामप्यारे मौर्य ने मरीजों को दवा सेवन की विधि बताई तथा दवा के सेवन के समय किस.किस चीज का परहेज करें इस का सेवन कैसे करें, इन सब के बारें में आए हुए मरीजों को विस्तार से बताया। आए हुवे मरीजों में प्रदेश के विभिन्न अलग-अलग जिलों से 67 मरीज़ आए हुवे थे। औघड़ आश्रम मुंशीगंज रायबरेली में हर रविवार को दवा वितरण का यह कार्यक्रम सुचारु रूप से विगत कई दशकों से निरंतर चलता रहता है।

चोरों ने अभिलेख भी जलाए

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। कस्बे के चिकमंडी स्थित प्राथमिक विद्यालय में शनिवार की रात अज्ञात चोर ताला तोड़कर सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने स्कूल की आलमारी में रखें कागजातों में आग लगा दी। प्रधानाध्यापक ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है। प्रधानाध्यापक हेमा पांडेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीती रात अज्ञात का राजा तत्वों ने विद्यालय परिषद में घुसकर रसोई घर ऑफिस और कक्षाओं के ताले तोड़कर गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, थालियां कड़ाई बाल्टी और खाना बनाने के अन्य बर्तन खाद्यान्न का सामान गेहूँ चावल चोरी कर ले गए। बताया कि ऑफिस की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे अभिलेख निकालकर मेजा में रखे और उनमें भी आग लगा दी। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले का शिकायती पत्र मिला है। जांच की जा रही है।

किलोमीटर की मैराथन दौड़ में माही, प्रिया और शिवांशी ने मारी बाजी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। क्षेत्र के आहार गांव में रविवार को सातवीं विशाल मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के क्षेत्र के तमाम युवक और युवतियों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में माही यादव प्रिया और शिवांशी ने स्थान बनाया। वहीं बालक वर्ग में नागेश गौरव पाल फौजी आर्मी ने क्रमशः पहला दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। आयोजक राजेश फौजी ने बताया कि विगत 7 वर्षों से लगातार मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है इसमें बालक और पालिका वर्ग की अलग.अलग दौड़ प्रतियोगिता आयोजित होती है प्रतियोगिता को लेकर स्थानीय युवाओं में खाता उत्साह देखने को मिलता है। इस प्रतियोगिता में इस बार बालक और बालिका वर्ग को मिलाकर ढाई सौ से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया। बताया कि दौड़ प्रतियोगिता में स्थान बनाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन संतोष मिश्रा ने किया। इस मौके पर प्रख्यात संत सर्वेश्वर व्यास जी महाराज, विकल्प पांडेय, गिरीश शुक्ला, धीरेंद्र मिश्रा, अशोक बाजपेई, संतोष पांडेय, अखिलेश, भोला यादव, जितेंद्र यादव, पनिश सैनी, संदीप यादव, दिनेश यादव, नीरज पाल, केशव यादव, आशीष वर्मा, विमलेश तिवारी, जयप्रकाश श्रीवास्तव, शीलू साहू, भोला यादव आदि मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी मिनी बस पलटी, सात रेफर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार तड़के ऐहार टोल प्लाजा के निकट श्रद्धालुओं से भरी मिनी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बच्चों और महिलाओं समेत एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। इनमें सात यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। सभी घायलों को यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया गयाएजहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के कदमताल क्षेत्र निवासी 26 श्रद्धालु बस से मथुरा.वृंदावन में दर्शन करने के बाद वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर जा रहे थे। रविवार तड़के करीब ऐहार टोल प्लाजा के निकट किलोमीटर संख्या 486 पर अचानक बस अनियंत्रित हो गई और पलट गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री नींद में थे।बस पलटने के बाद करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटती हुई डिवाइडर से जा टकराई। अचानक हुए हादसे से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। हादसे में श्रेयम 13, सोमाली सिंह 14, मिनोती दास 57, सुदीप सिंह 50, मौमिता 35, पुरखित पांजा 38, उत्तम दिलोय 60, रीमा 29, सुजीत पात्रा 40, सुहानी पात्रा 13, सोनाली पांजा 60, दरजीत 10, विभव दिलोय 58, श्रेष्ठा 11, रूबी मन्ना 38, वंदना 40, स्वामी रामदेव मन्ना 49,अशोक दास 47 और खेतली मन्ना 32 घायल हो गए। इनमें सोमाली, श्रेयम, पुरखित, उत्तम, रीमा, सोनाली और वंदना को अधिक चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि चिकित्सकों के मुताबिक रेफर किए गए घायलों की हालत फ्लिहाल अधिक चिंताजनक नहीं थी। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी लालगंज सुजीत कुमार राय सीएचसी पहुंचे और घायलों का हालचाल जानने के साथ ही चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। चिकित्सक डॉ सत्यजीत ने बताया कि हादसे में एक दर्जन से अधिक घायलों को अस्पताल लाया गया जिनमें सात को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

स्वतन्त्रता सेनानी की 28वीं पुण्य तिथि

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव के पिता स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बद्री प्रसाद यादव की 28वीं पुण्यतिथि एकता दिवस के रूप में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पुस्तकालय हाल में मनायी गयी। इस अवसर पर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार शुक्ल ने कहा कि बद्री प्रसाद यादव ने 6 जनवरी 1921 को मात्र 9 वर्ष की उम्र में तिरंगा थामा था। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव ने कहा कि स्वतन्त्रता सेनानियों के संघर्ष व बलिदान के कारण ही हमें स्वतन्त्रता मिली है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने हमें संविधान दिया और हम एक स्वस्थ लोकतंत्र में सांस ले रहे हैं।

महिलाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर उनको सशक्त बनाकर आगे बढ़ाने का किया जा रहा कार्य-मनोज पाण्डेय



स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति उ0प्र0 मनोज कुमार पाण्डेय ने एक लॉन के मैदान में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम के तत्वाधान में आयोजित जनपद स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेला-2026 का फ ेता काटकर उद्घाटन कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्वःनिर्मित उत्पादों की विक्रय एवं प्रदर्शनी के लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बच्चों का अन्नप्राशन कराया एवं गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की। इसी दौरान मंत्री द्वारा कृषि विभाग अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबंधन योजनान्तर्गत धान, अन्य फसलों की पराली न जलाएं इससे खाद बनाये के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार शुक्ला, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री द्वारा विधानसभा ऊँचाहार क्षेत्र के अन्तर्गत नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। जिसमें विकास खण्ड ऊँचाहार 09, जगतपुर 03, रोहनिया 03, दीनशाहगौरा 02 एवं डलमऊ 13 कुल 30 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों प्रमाण पत्र वितरित एवं पंचायती राज विभाग अंतर्गत आकाश पुत्र स्व0 राजकुमार को अनुकम्पा नियुक्ति के अन्तर्गत नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मातृ शक्ति को स्वावलंबी व सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है, आज देश व प्रदेश में महिलाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर उनको सशक्त बनाकर आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। आज आप छोटे-छोटे कार्यों से लेकर महिलाओं के समूह के कार्यों का आकलन करेंगे तो आपको गर्व होगा कि हमारी मातृ शक्ति सशक्त, स्वावलंबी बनकर आगे बढ़ रही है हर क्षेत्र में देश, प्रदेश व जनपद का नाम रोशन कर रही है। मंच का संचालन एसएस पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, सहायक श्रमायुक्त उमेश यादव, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी आरवी सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष बने दीपक कुमार, नीतू सिंह को मिली ब्लॉक मंत्री की जिम्मेदारी



स्वतंत्र भारत संवाददाता, जगतपुर, रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की जगतपुर ब्लॉक इकाई का निर्वाचन रविवार को संपन्न हुआ। इसमें दीपक कुमार लगातार चौथी बार निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उनके पुनः अध्यक्ष चुने जाने पर शिक्षक साथियों ने खुशी जताई। निर्वाचन प्रक्रिया जिला कार्यकारिणी द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव पर्यवेक्षक रवि प्रकाश श्रीवास्तव, चुनाव अधिकारी कुसुम चंद्र तथा सहयोगी चुनाव अधिकारी शिवकुमार सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। चुनाव में नीतू सिंह को ब्लॉक मंत्री और अनुराग गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं दिनेश बहादुर सिंह एवं मंजूलता सिंह उपाध्यक्ष, जय कुमारी और ज्ञानेंद्र सिंह संयुक्त मंत्री, प्रमिला लेखाकार तथा पवन कुमार ऑडिटर निर्वाचित हुए। निर्वाचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अनुदेशक और शिक्षामित्र शामिल हुए। इस दौरान राजेश सिंह, संतोष कुमार मिश्रा, सदाशिव त्रिपाठी, दिलीप मिश्रा, रमाकांत द्विवेदी, अमित पांडेय, नीरज द्विवेदी, रीना गुप्ता, कामिनी ओझा, रामरानी, रेनू सिंह, सुचिता सिंह, राजकुमार सिंह, रामसुमेर, डॉ संजय सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह और विवेक कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली की तैयारियों को लेकर भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न



स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। आगामी 03 नवंबर 2026 को लखनऊ में आयोजित होने वाली श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी की तैयारी बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी ने रैली की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी ने जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं मंडलों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं समर्थकों की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और जनहित के मुद्दों को लेकर आयोजित इस रैली को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा, समर्पण एवं एकजुटता के साथ जुट जाएं। बैठक में सलोन विधायक अशोक कोरी, बछरावां नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र राम, परसदेपुर नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद कौशल, छतोह ब्लॉक प्रमुख विशाल सिंह, क्षेत्रीय सदस्य देवेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष जन्मेजय सिंह एवं विजय सिंह, अभिषेक वर्मा, कमलेश चौधरी, जिला महामंत्री शरद सिंह, अनुज मौर्य, जिला मंत्री शिवेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी मोहित सिंह, कार्यालय सह मंत्री सुधीर गुप्ता, आईटी सह संयोजक पंकज सिंह, जिला सह कोषाध्यक्ष सुनील सिंह सहारा, लवलेश चौधरी, अनुराग वर्मा एवं अविनाश शुक्ला सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि जनपद से अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कर 03 नवंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाली इस रैली को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

महापुरुषों को नमन कर करणी सेना ने यूजीसी और आरक्षण मुद्दे पर भरी हुंकार



स्वतंत्र भारत संवाददाता, ऊंचाहार, रायबरेली। करणी सेना ने यूजीसी , एससी एसटी एक्ट और आरक्षण के मुद्दे पर बड़ा ऐलान किया है और समरता की दुहाई देकर सवर्णों के विरुद्ध साजिश के विरुद्ध मुखर होकर लड़ने का ऐलान किया है। रविवार को क्षेत्र के जमुनापुर स्थित एक निजी मैरिज लॉन में संपन्न बैठक में करणी सेना भारत ने यह ऐलान किया है। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूपेंद्र बहादुर सिंह उर्फ नन्हे भैया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई बैठक में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। बैठक में समाज के उत्थान, अधिकारों की रक्षा और विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां भवानी तथा महान राजपूत योद्धाओं के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने समाज को एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। इस दौरान यूजीसी ए एससी एसटी एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक संशोधन, वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा, ईडब्ल्यूएस नियमों को सरल बनाना जैसी मांग सरकार से की गई। बैठक मे सवर्ण समाज के हितों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोग की मांग की गई। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक इन न्यायसंगत मांगों पर विचार नहीं होता, तब तक संगठन का लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। मुख्य अतिथि ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज को निराशा से बचने और मुश्किल रास्तों के बावजूद अपनी मंजिल तक पहुंचने की आवश्यकता है। उन्होंने क्षत्रिय समाज और अन्य वर्गों को एक मंच पर लाने में आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मजबूत संगठन का होना बेहद जरूरी है। बैठक में जिला अध्यक्ष सत्येंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू भदौरिया, युवा जिला अध्यक्ष योगेश सिंह, राजेंद्र सिंह, रिंकू सिंह, जितेन्द्र सिंह चंदेल और एडवोकेट विजय सिंह भदौरिया सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन को धरातल पर मजबूत करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

छतोह में शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न, गिरजेश सिंह दूसरी बार बने ब्लॉक अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, नसीराबाद, रायबरेली। विकासखंड छतोह स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र बीआरसी में रविवार को उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ का ब्लॉक स्तरीय चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव में सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से निर्विरोध किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला। निर्वाचन अधिकारी साधना शर्मा एवं पर्यवेक्षक गयामणि पाल की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई गई। पर्यवेक्षक ने बताया कि सभी शिक्षकों ने आपसी सहमति से संगठन के नए पदाधिकारियों का चयन किया है। यह शिक्षकों की एकजुटता और संगठन के प्रति विश्वास को दर्शाता है। चुनाव में गिरजेश सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

वहीं मुकेश ओझा एवं कृता सरोज को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिरजा शंकर को कोषाध्यक्ष, प्रमोद कुमार यादव को मंत्री, हरिकेश कुमार मौर्य एवं विरेन्द्र कुमार को संयुक्त मंत्री चुना गया। इसके अलावा दल बहादुर को लेखाकार तथा मनीष कुमार को ऑडिटर पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरजेश सिंह ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के साथियों ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। शिक्षकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जूनियर हाईस्कूल के शिक्षकों की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें शासन स्तर तक पहुंचाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। वहीं नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष गिरजा शंकर एवं मंत्री प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी शिक्षकों को एकजुट किया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक शिक्षकों को संगठन से जोड़ने का प्रयास होगा।

पंचायत स्तर प्रतियोगिता में दिखा गांव का टैलेंट, प्रदेश स्तर पर बच्चे कर रहे प्रतिभाग

ग्राम प्रधान विद्यावती और प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने सातवीं बार कराया आस्था के केंद्र में आयोजन



स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली। गांव में खेलो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में नित नए आयोजन के आयाम कराकर गांव की प्रतिभा को निखारना उनकी महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षा में शामिल है। विकासखंड डलमऊ की बहु चर्चित आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार में विकास कार्यों को अमली जामा पहनाने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देने का काम ग्राम प्रधान विद्यावती व प्रधान प्रतिनिधि राजेश यादव फौजी के द्वारा पिछले 7 सालों से किया जा रहा है। बीते रविवार को ग्राम पंचायत ऐहार के खेल ग्राउंड में मैराथन प्रतियोगिता की गई जहां पर ग्राम सभा के सभी गांव के बच्चों ने रेस में भाग लिया। जिसमें से लगभग ग्राम सभा के 500 बच्चों ने हिस्सेदारी करते हुए लंबी तथा छोटी रेस में 10 साल से लेकर 25 साल तक के बच्चों ने हिस्सा लिया और जिसमें से बालिका वर्ग में प्रथम स्थान माही यादव, द्वितीय स्थान प्रिया, तृतीय स्थान शिवांशी तथा बालकों में प्रथम स्थान गौरव पाल और द्वितीय तृतीय स्थान हासिल करने वाले बच्चे बच्चियों को पुरस्कृत किया गया। विभिन्न रेसो में प्रतिभाग करने वाले अन्य बच्चों को भी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश यादव फौजी के द्वारा उत्सावर्धन करने के लिए छाया प्रति भेंट की गई। इस दौरान ग्राम सभा के नागरिको को ग्राम सभा की पहचान वाली छाया प्रति भेंटकर ग्राम प्रधान द्वारा सम्मानित किया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश यादव फौजी ने अपने संबोधन में कहा नल नाली खारिंजा तो हर ग्राम सभा में मूलभूत समस्या है जो हर ग्राम प्रधान कराता है। लेकिन अगर गांव के बच्चों को पर्याप्त अवसर और संसाधन दिए जाएं तो शायद वह गांव से निकलकर शहर तक अपनी छाप छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा इस प्रतियोगिता का आयोजन पिछले 7 सालों से लगातार किया जा रहा है और आज मैं देख रहा हूं कि हमारी ग्राम सभा के बच्चे जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक खेलों में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करा रहे हैं जो बहुत ही गर्व की बात उनके द्वारा ऐसा आयोजन आगे भी जारी रहेगा और आगे ग्राम सभा में ऐसा आयोजन किया जाएगा। जिसमें मातृशक्ति को भी सम्मानित करने का काम किया जाएगा। आपको बता दें विकास खंड डलमऊ की ऐहार ग्राम पंचायत में विकास की नई इमारत पिछले 5 सालों में ग्राम प्रधान के द्वारा लिखी गई। जिससे ग्राम सभा में खेलकूद के लिए ग्राउंड और पार्क जैसे धार्मिक स्थल का सौंदर्यीकरण जैसे आनेको काम किए गए हैं। वही कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित संचालक संतोष मिश्रा, ब्यास महाराज, पुत्तू जिला पंचायत सदस्य, लक्ष्मी शंकर पांडे, गिरीश चंद्र, पिंटू बाजपेई, प्रेयांक, बृजलाल, संतोष पांडे, राजू बीडीसी, दीपू बीडीसी, सुशील मास्टर, रामविलास वर्मा, भोलानाथ यादव, राकेश पाल, रामधनी यादव, विकल्प पांडे, अरविंद साहू, पिंटू, जितेंद्र मास्टर, आशीष वर्मा, पुनीत, जेपी श्रीवास्तव, गयादीन, दिनेश वर्मा, रामसनेही, शिवगोपाल, रामगोपाल सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

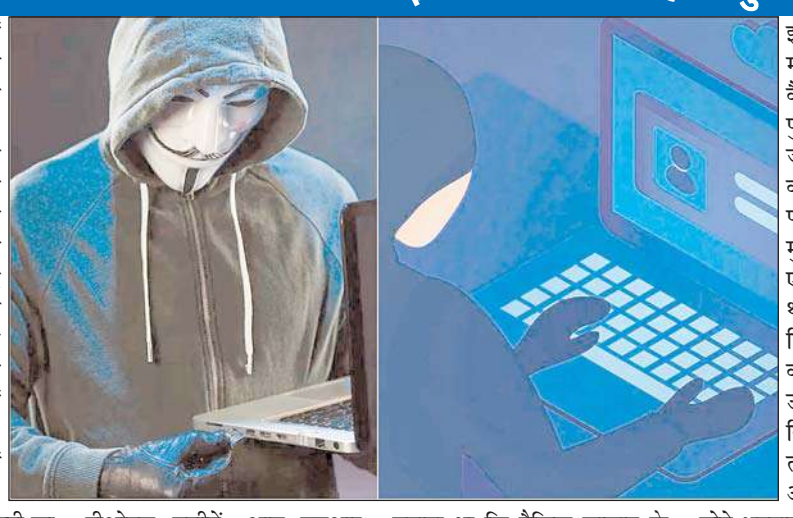
जनपद न्यायाधीश ने वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर किया उद्घाटन



स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व सैयद माऊज़ बिन आसिम अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में रिफ ॉर्म क्लब में वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को विधिक अधिकारों एवं कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करना रहा। वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर कार्यक्रम में मा0 जनपद न्यायाधीश सैयद माऊज बिन आसिम ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर शिविर का उद्घाटन किया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। जनपद न्यायाधीश ने विधिक सेवा प्राधिकरण एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा उनके माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से आमजन को विधिक सहायता, कानूनी अधिकारोंए निःशुल्क विधिक सेवाओं तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। लोगों को योजनाओं की पात्रता, लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जागरूक किया गया, ताकि वे अपने अधिकारों को समझते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी, टूल किट, डमी चेक एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस पहल के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने तथा सरकारी सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से इस मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को जागरूक करनाए उन्हें विधिक रूप से साक्षर बनाना तथा उनके कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। जब लोगों को अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं कानूनी सहायता प्राप्त करने के साधनों की जानकारी होगी, तभी वे आवश्यकता पड़ने पर उचित कानूनी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। शिविर के माध्यम से लोगों को विधिक जानकारी के साथ.साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया है, जिससे वे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकें। उन्होंने आमजन से शिविर में दी गई जानकारियों का लाभ उठाने तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने कार्यक्रम के सफ ल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में आगामी 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक प्रस्तावित जनगणना के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की। उक्त वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में प्रतिमा विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न निःशुल्क योजना, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 दिसम्बर 2026 व हेल्पलाइन नं0. 15100 के सम्बन्ध में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनिशा ने उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आगामी 12 दिसम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के माध्यम से पात्र वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते एवं मध्यस्थता के जरिए कराया जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने ऐसे वादों के निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं, जिनका समाधान नियमानुसार सुलह-समझौते के आधार पर संभव है। विधिक सहायता एवं आवश्यक मार्गदर्शन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश भूपेन्द्र राय, अपर जिला जज अनिल पंचम, अमित कुमार पाण्डेय, रामनेत, अजय कुमार.तृतीय, गुणेन्द्र प्रकाश व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह व अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, मुख्य चिकित्साधिकारी, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, सहायक श्रमायुक्त उमेश यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी आरवी सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा आमजन उपस्थित रह

अंतरराष्ट्रीय मनी म्यूल नेटवर्क का पर्दाफाश

फर्जी चालानों के नाम पर ठगी गई रकम को भेज रहे थे कुवैत



नई दिल्ली। देशभर में लोगों को फर्जी ट्रैफिक चालान के मैसेज भेजकर ठगी गई रकम कुवैत भेजी जा रही थी। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस ने फर्जी ट्रैफिक चालान मैसेज के जरिये होने वाली धोखाधड़ी, संगठित एसएमएस फिशिंग और अंतरराष्ट्रीय मनी म्यूल नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर देशभर में दर्ज 544 साइबर शिकायतें मिली हैं और इनके खातों में 10 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का लेनदेन सामने आया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों मोती सिंह बघेला, हर्षपाल, विक्की, विशाल दास वैष्णव और बृजेश कुमार के कब्जे से 15 मोबाइल फोन और टैबलेट, 59 डेबिट कार्ड, 52 पासबुक और चेकबुक, 14 फर्मों की मुहरें, पांच पीओएस मशीनें, आठ क्यूआर स्कैनर, एक सोने की चेन और एक कार बरामद की है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि गत वर्ष 28 नवंबर को जिले के साइबर थाने में 2.21 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। पीड़ित ने शिकायत में बताया था कि ट्रैफिक चालान के भुगतान के नाम पर उसे एक लिंक भेजा गया था। लिंक खोलने के बाद उसके खाते से 2.21 लाख रुपये निकल गए। जांच में पता चला कि इस तरह के करीब 3,300 फर्जी एसएमएस भेजे गए थे। पुलिस जांच में एसएमएस भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और विंगो कैश एप का पता चला। पुलिस ने रिवॉर्ड एप के जरिये यूजर को भुगतान करने वाले बैंक खाते की पड़ताल की। यह खाता मुंबई की श्री बालाजी एंटरप्राइजेज के नाम पर था, जिसे आरोपी मोती सिंह बघेला संचालित कर रहा था। पुलिस उपायुक्त गोयल ने बताया कि इस खाते से महज तीन दिनों में 41 हजार से अधिक लोगों को छोटे-छोटे भुगतानों के रूप में करीब दो करोड़ रुपये भेजे गए थे।

इसी रकम के लेनदेन की जांच से गिरोह के बैंकिंग नेटवर्क का पता चला। रकम के लेनदेन का एक वित्तीय सुराग नेशनल बैंक ऑफ कुवैत में संचालित खाते तक भी पहुंचा।

दिल्ली-एनसीआर में 50 फीसदी कर्मचारी करेंगे वर्क फ्रॉम होम

वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका में एहतियाती कदम



नई दिल्ली। सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में एहतियाती कदम उठाए हैं। आयोग के आदेश के मुताबिक, 5 से 20 नवंबर तक दिल्ली और एनसीआर के चुनिंदा जिलों में सरकारी और निजी कार्यालयों में अधिकतम 50 फीसदी कर्मचारी ही काम के लिए बुलाए जा सकेंगे। शेष कर्मचारियों को घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करना होगा। इसके अलावा, धूल उड़ाने वाली निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर भी इस अवधि में रोक रहेगी। आदेश के दायरे में दिल्ली के साथ हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत तथा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिले शामिल हैं। इन क्षेत्रों के सभी संबंधित सरकारी और निजी कार्यालयों को कर्मचारियों की उपस्थिति 50 फीसदी तक सीमित रखनी होगी। हालांकि, ऐसी औद्योगिक इकाइयों और जरूरी सेवाओं को छूट दी गई है, जहां काम की प्रकृति के कारण घर से काम करना संभव नहीं है। सीएक्यूएम ने निर्माण गतिविधियों से निकलने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए 5 से 20 नवंबर तक एनसीआर में बाहरी निर्माण और तोड़फोड़ के काम बंद रखने का निर्देश दिया है। इस प्रतिबंध में हाईवे, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, बिजली की ट्रांसमिशन लाइन, पाइपलाइन और दूरसंचार से संबंधित निर्माण कार्य भी शामिल हैं।

पुंछ में महिला लापता, पीओके पहुंचने की आशंका

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास रहने वाली एक महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। आशंका जताई जा रही है कि महिला अपनी आठ बकरियों के साथ नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पहुंच गई है। महिला की पहचान रूबीना कौसर, पत्नी मोहम्मद शफी, निवासी गांव कीरनी के रूप में हुई है। रूबीना शुक्रवार को अपनी बकरियों को चराने के लिए घर से निकली थी लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। उसके मवेशियों के साथ एलओसी पार करने की आशंका जताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, सेना और प्रशासन के अधिकारी गांव पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला गलती से नियंत्रण रेखा पार कर गई या उसने जानबूझकर ऐसा किया।

तूफान अर्नब का असर खत्म अब शुरू होगी तेज ठंड



इंदौर। इंदौर के मौसम में अब बदलाव नजर आने लगा है। दिन में धूप के साथ ठंड हो रही है और रात के साथ अलसुबह भी तेज ठंड हो रही है। इससे प्रतीत हो रहा है कि अब ठंड का मौसम आ चुका है। इंदौर में आज अधिकतम तापमान 27.3एष्ट दर्ज किया गया। शुक्रवार रात का न्यूनतम तापमान 19.5एष्ट दर्ज हुआ। दिन भर मौसम पूरी तरह से साफ और हल्की धूप वाला बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार तूफान अर्नब का असर अब क्षेत्र से पूरी तरह से खत्म हो गया है। रविवार के मौसम की बात की जाए तो दिन में आंशिक रूप से धूप खिली रहेगी। मौसम के मिजाज में अब धीरे-धीरे बदलाव नजर आने लगा है। इस सप्ताह से दिन के समय भी ठंड का अहसास बना रहेगा।

इसके साथ ही अलसुबह के समय हल्की धुंध और कोहरा रहने की संभावना जताई जा रही है। इंदौर में हवा की गुणवत्ता का स्तर यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स 75 से 98 के बीच दर्ज किया गया है।

यह स्तर मध्यम और सन्तोषजनक श्रेणी के अंतर्गत आता है। आम नागरिकों के लिए सांस लेने के लिहाज से हवा सामान्य बनी हुई है, हालांकि इस स्थिति में संवेदनशील वर्ग के लोगों को धूल और हल्की धुंध से थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

लद्दाख की बंजर जमीन पर खिले केसर के फूल

चार दिन में 22 ग्राम उत्पादन से बढ़ी उम्मीद

लेह। लद्दाख में केसर की खेती को लेकर किया गया प्रयोग शुरुआती चरण में सफल होता नजर आ रहा है। लेह जिले की बंजर जमीन पर शुरू की गई केसर की प्रायोगिक खेती में महज चार दिनों के भीतर करीब 22 ग्राम शुद्ध केसर का उत्पादन हुआ है। खास बात यह है कि यहां केसर के फूल सामान्य समय से करीब एक महीने पहले ही खिलने लगे हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख में केसर के पहले फूल केवल 30 दिनों में खिल गए, जबकि आमतौर पर इसमें करीब दो महीने का समय लगता है। उन्होंने खुद स्पितुक फरका में केसर के खेत का निरीक्षण कर फूलों को देखा। इस प्रायोगिक परियोजना की शुरुआत 2 अक्तूबर को की गई थी। इसके तहत लेह जिले के स्पितुक फरका में पहले से बंजर पड़ी करीब 4,000 वर्ग मीटर जमीन पर ईरान से मंगाए गए लगभग 90 हजार उच्च गुणवत्ता वाले केसर के कंद लगाए गए थे। इनका कुल वजन करीब 800 किलोग्राम है। इन कंदों का चयन लद्दाख की ऊंचाई और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया गया है। सक्सेना ने बताया कि इन खेतों में रोजाना औसतन 20 से 25 फूल खिल रहे हैं, जबकि एक ही सुबह में 72 फूल दर्ज किए गए। शुरुआती चार दिनों में करीब 22 ग्राम शुद्ध केसर एकत्र किया जा चुका है। उपराज्यपाल ने कहा कि यह प्रयोग लद्दाख में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि की नई संभावनाओं को सामने लाता है। इससे भविष्य में केसर की खेती का बड़े स्तर पर विस्तार किया जा सकेगा। साथ ही स्थानीय रोजगार, कृषि आधारित उद्यमों और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पीईटी परीक्षा : तीसरे दिन आसान रहा पेपर



गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की पहली पाली रविवार को जिले के 44 केंद्रों पर हुई। तीसरे दिन आयोजित परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों ने पहले दो दिनों के मुकाबले प्रश्नपत्र को सरल बताया। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों का कहना था कि इस बार डेटा इंटरप्रिटेशन (डीआई), सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स के सवालों ने ज्यादा नहीं उलझाया। बीते दो दिनों की परीक्षाओं में इन विषयों के सवालों को कठिन बताया जा रहा था, लेकिन रविवार को इनका स्तर सामान्य रहा। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों के चेहरे खिले नजर आए। अमरोहा से आए गाजी अब्बास ने बताया कि बीते साल के मुकाबले इस बार का पेपर काफी आसान लगा। रीजनिंग के सवाल बहुत सरल थे। कोडिंग-डिकोडिंग और संख्या श्रृंखला जैसे प्रश्नों को हल करने में परेशानी नहीं हुई। थोड़ा बहुत कठिन कहने लायक हिस्सा डीआई था, बाकी पेपर आसान रहा। अमरोहा से आए शाकुल यादव ने बताया कि हिंदी के सवाल बहुत आसान थे। वह पहले भी एक बार पीईटी की परीक्षा दे चुके हैं।

एक नज़र

घर से नाराज दो किशोरियां रेलवे स्टेशन पर मिली

गाजियाबाद। गाजियाबाद थाना लिंक रोड पुलिस ने घर से बिना बताए निकलीं दो नाबालिग लड़कियों को दिल्ली के शालीमार रेलवे स्टेशन से ढूंढ निकाला। पुलिसन ने दोनों लड़कियों को कर परिजनों को सौंप कर दिया। दोनों किशोरियां घर से नाराज होकर कहीं दूर जाने की फिराक में ट्रेन का इंतजार कर रही थीं। पुलिस ने मोबाइल नंबर ट्रेस कर उनकी लोकेशन का पता लगाया और तत्काल मौके पर पहुंचकर उन्हें बरामद कर लिया। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि 31 अक्टूबर को साहिबाबाद गांव निवासी एक व्यक्ति की 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री और कॉलोनी निवासी दूसरे व्यक्ति की 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री सुबह करीब नौ बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थीं। दोनों के परिजनों ने शाम सात बजे थाना लिंक रोड प्रभारी को फोन के माध्यम से सूचना दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी के निर्देश पर रेलवे रोड चौकी प्रभारी, और महिला कांस्टेबल ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने तत्काल सर्विलांस टीम की मदद से दोनों किशोरियों के मोबाइल नंबर ट्रेस किए। मोबाइल की लोकेशन दिल्ली के शालीमार के आसपास मिली। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों व मुखबिर की मदद से दोनों को शालीमार रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया।

जमीन के विवाद में रिटायर्ड एएसआई की हत्या भाई गिरफ्तार

राजोरी। राजोरी जिले की की पंचायत मोहड़ा में शुक्रवार सुबह जमीन विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में जम्मू-कश्मीर पुलिस के सेवानिवृत्त एएसआई की मौत हो गई। मृतक की पहचान सखी मोहम्मद निवासी मोहड़ा के रूप में हुई है। मृतक के बेटे के आरोप पर पुलिस ने उनके चाचा मोहम्मद रफीक के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बेटे मोहम्मद कलीम ने आरोप लगाया कि उनका परिवार लंबे समय से चाचा मोहम्मद रफीक और उसके परिवार के साथ जमीन विवाद को लेकर तनाव में था। इस विवाद के चलते पहले भी उन्हें धमकियां दी गई थीं और मारपीट की घटनाएं हुई थीं। कलीम के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे उनके पिता घर के पास अपनी जमीन पर किसी काम से गए थे। चाचा मोहम्मद रफीक, उनके बेटे जुल्फिकार अली और पत्नी परवीन अख्तर ने उन पर हमला कर दिया। पिता जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल कोटरंका ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

जेल की सलाखों के पीछे से आतंकी फंडिंग का खेल

भाई-भतीजे के सहारे चला रहा था नेटवर्क

कठुआ। सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में कोट भलवाल जेल में बंद आतंकी मददगार हबीब ने सलाखों के पीछे से ही नया नेटवर्क खड़ा कर लिया। टेरर फंडिंग के इस खेल में उसने अपने सगे भाई काजू और भतीजे हनीफ को भी झोंक दिया। दोनों को मोहरा बनाकर हबीब आतंकी गतिविधियों के लिए विभिन्न स्रोतों से धन जुटा रहा था। शोपियां पुलिस के हाथ जब इन भाई-भतीजे के पास पहुंचे तो पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश हो गया। आतंकी मददगार हबीब वर्ष 2022 के चर्चित ड्रोन से हथियारों की ड्रॉपिंग के मामले में जम्मू की हाई-सिक्योरिटी कोट भलवाल जेल में बंद है। वह कठुआ के सीमावर्ती हरिया चक का रहने वाला है। नए नेटवर्क के मामले की शुरुआत गत 17 अक्तूबर को हुई थी जब शोपियां पुलिस ने कठुआ जिले के राजबाग थाना पुलिस की मदद से सीमावर्ती क्षेत्र सपराल पाई (हरिया चक) से हनीफ पुत्र काजू को चोरी के आरोप में पकड़ा था। तफ्तीश आगे बढ़ी तो काजू को भी हिरासत में लिया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों से गहन पूछताछ की तो राष्ट्रविरोधी साजिश सामने आने लगी।

हाईटेक रोबोटिक सर्जरी अब भोपाल में होगी उपलब्ध

मरीजों को मिलेगी राहत, अगले महीने आएगी मशीन

भोपाल। एम्स भोपाल में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू होने जा रही है। संस्थान ने करीब 30 करोड़ रुपये की लागत वाले 'द विंची रोबोट 4.0' का ऑर्डर जारी कर दिया है। अगले एक महीने के भीतर यह मशीन अस्पताल में आ जाएगी। मशीन के आगमन के बाद इसका इंस्टॉलेशन, तकनीकी परीक्षण और डॉक्टरों का प्रशिक्षण पूरा किया जाएगा। इन सभी प्रक्रियाओं के पूरा होने पर ही मरीजों के जटिल ऑपरेशन के लिए इस रोबोटिक सिस्टम का इस्तेमाल शुरू होगा।शुरुआती चरण में इस मशीन की मदद से यूरोलॉजी विभाग में प्रोस्टेट कैंसर, किडनी ट्यूमर और मूत्राशय के कैंसर से पीड़ित मरीजों की जटिल शल्य चिकित्सा की जाएगी। आने वाले समय में कार्डियक, गैस्ट्रो, जनरल सर्जरी और स्त्री रोग जैसे विभागों में भी रोबोटिक सर्जरी का विस्तार करने की योजना तैयार की गई है।

पुंछ में एलओसी के पास मिला पुराना मोर्टार शेल

सेना ने इलाके की घेराबंदी कर किया निष्क्रिय

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शनिवार को एक पुराना मोर्टार शेल मिला जिसे सेना ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह मोर्टार शेल पाकिस्तान की ओर से की गई सीमा पार गोलाबारी के दौरान दागा गया था जो जमीन पर गिरने के बाद फटा नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 9:50 बजे सावजियां सेक्टर में एक अग्रिम चौकी के पास यह बिना फटा मोर्टार शेल देखा गया। इसके बाद सेना ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और लोगों की आवाजाही रोक दी। सूचना मिलने पर बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। दस्ते ने सावधानियां बरतते हुए मोर्टार शेल को निष्क्रिय कर दिया।

पैराग्लाइडिंग हादसा: 500 फीट नीचे खेतों में गिरा पर्यटक

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में पैराग्लाइडिंग के दौरान एक विदेशी पर्यटक हादसे का शिकार हो गया। गुम्मा (छनांग) क्षेत्र में उड़ान के दौरान पैराग्लाइडर करीब 500 फीट नीचे खेतों में जा गिरा। हादसे में ऑस्ट्रिया के पर्यटक निकोलस थॉमस गंभीर रूप से घायल हो गए। पैराग्लाइडिंग के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। पैराग्लाइडर ऊंचाई से नीचे खेतों में गिर गया। घटना के बाद स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा घायल पर्यटक को रेस्क्यू किया। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें जोगिंद्रनगर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे में निकोलस थॉमस के पैर, पीठ और कंधे पर चोटें आने की जानकारी सामने आई है।

नाबालिग बेटी की शिकायत पर पिता गिरफ्तार

दुष्कर्म का लगाया था आरोप

कुल्लू। जिले में नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने उसके पिता को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ उसकी पत्नी ने शिकायत दर्ज करवाई है। महिला ने पति पर बेटी का यौन उत्पीड़न करने और घटना के बारे में बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 अक्तूबर को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया कि 25 अक्तूबर को पति की ओर से कथित तौर पर शारीरिक उत्पीड़न किए जाने के बाद उसे तेगूबेहड़ अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह अपनी दोनों बेटियों के साथ अपनी मां के पास रहने लगी थी। महिला के मुताबिक, 30 अक्तूबर को सुबह उसका पति दोनों बेटियों को स्कूल खुलने के कारण अपने क्वार्टर ले गया था। दोपहर करीब तीन से चार बजे के बीच दोनों बेटियां अपनी नानी के क्वार्टर पहुंचीं। इसी दौरान बड़ी बेटी ने अपनी मां को बताया कि उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। बेटी ने यह भी बताया कि आरोपी ने उसे इस बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने पीड़िता का क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में मेडिकल परीक्षण करवाया और मामले की जांच शुरू की।

तंत्र-मंत्र के नाम पर एक करोड़ की ठगी

बेटे को घर लौटाने का झांसा देकर भाई-बहन ने ऐंठे नकदी और जेवर



भोपाल। परिवार से बिछड़े बेटे को वापस घर लाने की उम्मीद एक महिला को इतनी महंगी पड़ी कि उसे करीब एक करोड़ रुपये गंवाने पड़ गए। भोपाल में तंत्र-मंत्र और गृहशांति के नाम पर ठगी के एक मामले में भाई-बहन ने महिला को पारिवारिक परेशानियां दूर करने का झांसा देकर विश्वास में लिया। इसके बाद उससे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए लाखों रुपये, नकदी और बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर ले लिए। ठगी का खुलासा तब हुआ, जब एक ज्वेलर ने बकाया भुगतान के लिए महिला के पति से संपर्क किया। मामले में क्राइम ब्रांच ने आशा यादव और उसके भाई मुकेश यादव के खिलाफ धोखाधड़ी और षड्यंत्र का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक साकेत नगर निवासी पुरुषोत्तम शर्मा (57) ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी पत्नी राजेश्वरी शर्मा (55) की पहचान मोहल्ले की परिचित गौरी सिंह के माध्यम से आशा यादव से हुई थी। आशा ने बताया था कि उसका भाई मुकेश तंत्र-मंत्र और गृहशांति का काम करता है। उस समय शर्मा दंपती का बेटा परिवार से अलग रह रहा था। बेटे को वापस घर लाने और परिवार में सुख-शांति स्थापित होने की उम्मीद में राजेश्वरी का आशा के घर आना-जाना शुरू हो गया। आरोप है कि 25 मई 2025 से आशा ने गृहशांति और तंत्र-मंत्र के नाम पर उनसे रुपये और कीमती सामान लेना शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार राजेश्वरी ने अलग-अलग समय पर फोन-पे के माध्यम से करीब 7.16 लाख रुपये ट्रांसफर किए।इसके अलावा लगभग 12.54 लाख रुपये नकद दिए गए। आरोपियों ने उनसे करीब 625 ग्राम सोने और 500 ग्राम चांदी के जेवर भी ले लिए। इस तरह ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, नकदी और कीमती आभूषणों को मिलाकर कुल ठगी की रकम करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

फंदे पर लटकी मिली यूपीएससी की छात्रा



इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं क्षेत्र स्थित एक निजी हॉस्टल में रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का शव कमरे में फंदे पर लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से किसी भी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। भंवरकुआं थाना पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 20 वर्षीय जूलिया पुत्री शैलेंद्र उइके के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सिवनी जिले के पास स्थित लखनादौन की रहने वाली थी। इंदौर के भंवरकुआं इलाके में रहकर वह संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रही थी। शनिवार शाम को वह अपने कमरे में फंदे पर लटकी हुई मिली, जिसके बाद हॉस्टल प्रबंधन ने तुरंत उसके परिजनों को इस घटना की जानकारी दी। मृतक छात्रा के माता-पिता ने हॉस्टल संचालिका और एक युवक पर उनकी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक जूलिया मई 2026 में देवेंद्र नगर स्थित इस हॉस्टल में रहने के लिए आई थी। इस हॉस्टल में गर्ल्स विंग की जिम्मेदारी स्वाति नामक युवती संभालती थी जबकि बॉयज विंग की देखरेख शुभम जायसवाल करता था।

परिजनों का कहना है कि शुभम अक्सर स्वाति से बातचीत करने के लिए गर्ल्स हॉस्टल के अंदर आ जाता था, जिसका जूलिया ने कड़ा विरोध किया था।

■ हॉस्टल संचालिका और युवक पर शक

वर्क आउट के दौरान गई किशोर की जान

इंदौर। इंदौर के अटल खेल परिसर में व्यायाम करते समय 15 वर्षीय किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कनिष्क बोयक के रूप में हुई है, जो स्कीम 78 का निवासी था। कनिष्क अपने 17 वर्षीय भाई दिव्यांश के साथ अटल खेल परिसर में नियमित वर्कआउट और एक्सरसाइज करने पहुंचा था। परिसर में दोनों भाई साथ मिलकर वार्मअप एक्सरसाइज कर रहे थे। इसी दौरान कनिष्क अचानक जमीन पर गिर पड़ा। अपने छोटे भाई को अचानक गिरता देख दिव्यांश घबरा गया और उसे होश में लाने का प्रयास करने लगा। दिव्यांश ने तत्काल समझदारी दिखाते हुए कनिष्क को सीपीआर भी दिया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। कनिष्क की हालत बिगड़ती देख दिव्यांश ने परिसर में आसपास व्यायाम कर रहे अन्य लोगों से मदद मांगी। वहां मौजूद लोग किशोर को तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने कनिष्क का परीक्षण किया और उसे मृत घोषित कर दिया। यह पूरी घटना शनिवार शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच की बताई जा रही है।

आधुनिक बीमारियों का अचूक इलाज है पारंपरिक कुमाऊंनी थाली



अल्मोड़ा। बदलते दौर की आधुनिक जीवनशैली में जहां पूरी दुनिया हृदय रोग, मोटापा और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों से बचने के लिए प्लांट-बेस्ड डाइट (पौधों पर आधारित आहार) अपना रही है वहीं पर्वतीय क्षेत्र अल्मोड़ा का पारंपरिक खान-पान हमेशा से ही वीगन जीवनशैली के बेहद करीब रहा है। एक नवंबर को मनाए जाने वाले विश्व शाकाहारी (वीगन) दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्थानीय और पारंपरिक मोटे अनाजों को उत्तम स्वास्थ्य का आधार बताया है। स्थानीय चिकित्सकों के अनुसार अल्मोड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सदियों से खाए जाने वाले पारंपरिक उत्पाद जैसे मडुआ (रागी), झंगोरा, गहत की दाल, भट्ट और स्थानीय हरी सब्जियां पूरी तरह से प्राकृतिक और पोषक तत्वों से भरपूर हैं। यह आहार बिना किसी डेयरी या पशु-उत्पाद के भी शरीर को पर्याप्त कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर प्रदान करता है जो दिल की बीमारियों और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायक है।

अल्मोड़ा के युवाओं और जागरूक नागरिकों में भी अब वीगन डाइट को लेकर रुझान बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर जैविक खेती को बढ़ावा मिलने से लोगों को रसायन-मुक्त शुद्ध शाकाहारी उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि यदि युवा पीढ़ी अपनी जड़ों की ओर लौटे और पारंपरिक कुमाऊंनी खान-पान को दैनिक जीवन में अपनाए तो कई गंभीर लाइफस्टाइल बीमारियों से आसानी से बचा जा सकता है।

उज्जैन में जहरीली गैस से चार मौतें

उज्जैन। उज्जैन के देवास रोड स्थित श्री गंगा रेस्टोरेंट में फूड वेस्ट टैंक की सफाई के दौरान चार कर्मचारियों की मौत के मामले में रविवार को पुलिस और प्रशासन ने जांच तेज कर दी। सुबह फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और चैंबर का बारीकी से निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। वहीं, चारों मृतकों के शवों का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:30 बजे रेस्टोरेंट के फूड वेस्ट टैंक में जाम होने के कारण सफाई का काम किया जा रहा था। इसी दौरान एक कर्मचारी चैंबर के भीतर फंस गया। उसे बचाने के लिए एक-एक कर तीन अन्य लोग भी अंदर उतरे, लेकिन जहरीली गैस और दम घुटने की स्थिति के कारण चारों बाहर नहीं निकल सके। घटना की सूचना पर माधव नगर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय-बाजार से रु. 34,843 करोड़ निकाले

2026 में अब तक रु. 2.95 लाख करोड़ की निकासी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर के महीने में भी जारी रहा। अक्टूबर में FPIs ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल रु. 34,843 करोड़ निकाल लिए हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बाजार में भारी बिकवाली की है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, दुनिया भर में ऊंची ब्याज दरें और कंपनियों के सुस्त तिमाही नतीजों के अनुमान के चलते विदेशी निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ है। हालांकि, अक्टूबर के आखिरी हफ्ते (26-30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने रुख बदलते हुए बाजार में ?6,300 करोड़ का नेट यानी शुद्ध निवेश किया, जबकि इससे पिछले हफ्ते (23 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह) में उन्होंने 2,700 करोड़ की बिकवाली की थी।

2026 में अब तक रु. 2.95 लाख करोड़ की बिकवाली- सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर से पहले सितंबर महीने में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे। इससे पहले जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,631 करोड़ का नेट निवेश आया था।

अक्टूबर की नई बिकवाली को मिलाकर, साल 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से FPIs का कुल आउटफ्लो 2.95 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है।

4 में से 3 ट्रेडिंग सेशन में खरीदार रहे विदेशी निवेशक

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में आए सुधार से बाजार का शॉर्ट-टर्म सेंटिमेंट तो बेहतर हुआ है, लेकिन बाजार जानकारों का कहना है कि सिर्फ एक हफ्ते की खरीदारी को ट्रेंड में स्थायी बदलाव (रिवर्सल) नहीं माना जा सकता। कैश मार्केट में 30 अक्टूबर को खत्म हुए आखिरी चार कारोबारी सेशन में से तीन में FPIs नेट खरीदार रहे। इससे भारतीय शेयरों को लेकर विदेशी निवेशकों के नजरिए में धीरे-धीरे सुधार के संकेत मिल रहे हैं।

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स से मिल रहा सपोर्ट

अक्टूबर के आखिरी हफ्तों में विदेशी निवेशकों की तरफ से आई खरीदारी के दम पर निफ्टी एक बार फिर 23,000 का स्तर पार करने में कामयाब रहा।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, FPIs की लगातार जारी बिकवाली के बावजूद डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। DIIs ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव को संभाला और बाजार में स्थिरता बनाए रखी।

फार्मा, हेल्थकेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म शेयर्स में खरीदारी

अक्टूबर महीने में विदेशी निवेशकों की पसंद और नापसंद में साफ अंतर देखा गया। एक तरफ जहां FPIs ने लार्ज-कैप फाइनेंशियल (बैंकिंग और वित्तीय) शेयरों में बिकवाली जारी रखी, वहीं दूसरी तरफ वे चुनिंदा फार्मास्युटिकल (दवा), हेल्थकेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के शेयरों में खरीदारी करते दिखे।

बिकवाली और खरीदारी के पीछे के 5 प्रमुख कारण

कच्चे तेल की कीमतें: अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के ऊंचे दाम भारत में महंगाई और कंपनियों के प्रॉफिट मार्जिन के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और यूएस फेड: अमेरिका में बॉन्ड यील्ड की दरों के चलते ग्लोबल कैपिटल वहां शिफ्ट हो रही है। हालांकि, यूएस फेड के ब्याज दरें स्थिर रखने के फैसले से थोड़ा सहारा मिला। आकर्षक वैल्युएशन: बिकवाली के कारण भारतीय लार्ज-कैप शेयरों के दाम आकर्षक स्तर पर आ गए हैं। घरेलू आर्थिक ग्रोथ: भारत की मजबूत आर्थिक ग्रोथ के संकेतों ने विदेशी निवेशकों के सेंटिमेंट में पॉजिटिव बदलाव किया। ग्लोबल AI ट्रेड में सुस्ती: ग्लोबल लेवल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े ट्रेड्स में आई सुस्ती ने भी विदेशी निवेशकों के पोर्टफोलियो एलोकेशन को प्रभावित किया।

एक्सपर्ट्स की राय: कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी चुनावों पर रहेगी नजर- मीरा मनी के को-फाउंडर आनंद के. राठी के मुताबिक, अक्टूबर महीने के दौरान विदेशी बिकवाली काफी ज्यादा रही है, जो क्रूड ऑयल, वैश्विक ब्याज दरों और कंपनियों के नतीजों को लेकर अनिश्चितता को दर्शाती है। विदेशी फंड्स का आगे टिकाऊ रहना ग्लोबल मैक्रोइकॉनॉमिक परिस्थितियों, कच्चे तेल के दाम और कंपनियों की कमाई के आउटलुक पर निर्भर करेगा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजिस्ट वी. के. विजयकुमार ने बताया कि आकर्षक वैल्युएशन और यूएस फेड के फैसले ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। वहीं बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) पवित्र मुखर्जी ने कहा कि FPIs का वापस लौटना बाजार के लिए पॉजिटिव है, लेकिन क्रूड ऑयल की कीमतें तेजी को सीमित कर सकती हैं।

नवंबर में कितने दिन रहेगी बैंकों की छुट्टी?



नई दिल्ली। कल से नए महीने यानी नवंबर की शुरुआत हो रही है। ऐसे में अगर आपने इस महीने में किसी काम से बैंक जाने का प्लान किया है, तो आपके लिए ये चेक करना जरूरी हो जाता है कि नवंबर में कब-कब बैंक बंद रहेंगे और कब-कब खुले रहेंगे। बैंकों में लोगों के कई काम होते हैं और आप भी बैंक जाने वाले हैं, तो पहले ये चेक कर लें कि नवंबर में आपके शहर में कब बैंक बंद रहने वाले हैं। चलिए जानते हैं नवंबर में कितने दिन बैंकों की छुट्टी है।

किस-किस दिन बंद रहेंगे बैंक-

9 नवंबर 2026- अगरतला, भोपाल, चंडीगढ़, गंगटोक, इंफाल, जयपुर, कानपुर और लखनऊ में दिवाली से जुड़े त्योहारों के साथ लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और विश्वकर्मा दिवस की वजह से बैंकों की छुट्टी रहेगी।

10 नवंबर 2026- अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, देहरादून, गंगटोक, मुंबई और नागपुर में बाली प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा, लक्ष्मी पूजा और विक्रम संवत नववर्ष के कारण बैंक बंद रहेंगे।

11 नवंबर 2026- गंगटोक, इंफाल, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ और शिमला में भाई दूज, निंगोल चकौबा, लक्ष्मी पूजा और चित्रगुप्त जयंती की छुट्टी होने की वजह से बैंक बंद रहेंगे।

13 नवंबर 2026- इस दिन मेघालय की राजधानी शिलांग में वांगला फेस्टिवल के कारण बैंकों की छुट्टी रहेगी।

16 नवंबर 2026- इस दिन छठ पूजा की वजह से बिहार और झारखंड में बैंक बंद हैं।

20 नवंबर 2026- इस दिन उत्तराखंड के देहरादून में इगास-बग्वाल के चलते बैंक बंद रहेंगे।

23 नवंबर 2026- इस दिन मेघालय के शिलांग में सेंग कुट स्नेम की वजह से यहां बैंकों की छुट्टी रहेगी।

24 नवंबर 2026- इस दिन गुरु नानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और राहस पूर्णिमा की वजह से आइजोल, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून, हैदराबाद, ईटानगर, जम्मू, जयपुर, कानपुर, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रायपुर, रांची, शिमला और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर 2026- इस दिन बेंगलुरु में कनकदास जयंती है, इसलिए इस दिन बैंकों की छुट्टी रहेगी इस शनिवार और रविवार को बंद रहेंगे बैंक।

दूसरे और चौथे शनिवार यानी 14 और 28 नवंबर को भी बैंक बंद रहेंगे, क्योंकि महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं।

1, 8, 15, 22 और 29 नवंबर को रविवार का अवकाश रहेगा।

जीएसटी नियमों में बदलाव की सिफारिश : मुकदमे की सीमा बढ़ेगी, छोटे कारोबारियों को राहत

नई दिल्ली। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने जीएसटी परिषद के कुछ अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और प्रवर्तन शक्तियों को तर्कसंगत बनाने के फैसले को महत्वपूर्ण संस्थागत सुधार बताया है। संगठन के मुताबिक, यह कदम भरोसे पर आधारित आर्थिक शासन की ओर बदलाव का संकेत है। साथ ही भारत में आर्थिक सुधारों के अगले चरण के लिए एक मॉडल भी पेश करता है। जीएसटी परिषद की आठ अक्तूबर को हुई बैठक में लिए गए फैसलों पर सीआईआई ने कहा कि आम सहमति से लिए गए ये निर्णय दिखाते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें कठिन सुधारों के लिए मिलकर काम कर सकती हैं। इससे सरकार और कारोबारियों के बीच संबंध बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी और वित्त मंत्री के नेतृत्व की सराहना- सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि जीएसटी परिषद के फैसले ऐतिहासिक संस्थागत सुधार हैं। उन्होंने इस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व की सराहना की। साथ ही इस मुद्दे पर सहमति बनाने में राज्य सरकारों की रचनात्मक भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। बनर्जी ने कहा कि प्रवर्तन, राजस्व की सुरक्षा और करदाताओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बुनियादी बदलावों को लेकर सहमति बनाना सहकारी संघवाद की बड़ी उपलब्धि है। यह दिखाता है कि केंद्र और राज्य सरकारें वैध कारोबार को अधिक भरोसा देने के लिए पुराने नियामक तरीकों पर दोबारा विचार करने को तैयार हैं। **गिरफ्तारी और जेल की सजा से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की सिफारिश-** जीएसटी परिषद ने आठ अक्तूबर को हुई अपनी 57वीं बैठक में जीएसटी कानून के तहत गिरफ्तारी के प्रावधान हटाने की सिफारिश की थी। इसके अलावा, मुकदमा चलाने की सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम (CGST Act) की धारा 132 के तहत कुछ अपराधों का दायरा सीमित करने का प्रस्ताव दिया गया। परिषद ने जेल की सजा से जुड़े प्रावधानों को भी तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की। इसके तहत अदालतों को सजा तय करने में अधिक अधिकार देने, केवल जुर्माना लगाने का विकल्प उपलब्ध कराने और न्यूनतम छह महीने की जेल की सजा का प्रावधान हटाने की बात कही गई। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य वास्तविक कारोबारी विवादों और प्रक्रियागत गलतियों को जानबूझकर की गई कर धोखाधड़ी और कर चोरी से अलग करना है। इन सिफारिशों को लागू करने के लिए जरूरी विधायी संशोधन करने होंगे।

त्योहारों के बीच जीएसटी से सरकार की बंपर कमाई 2.31 लाख करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा



नई दिल्ली। अक्तूबर में भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.88 लाख करोड़ रुपये था। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार है।

एक साल पहले क्या थे आकड़े- रिफंड को घटाने के बाद, जीएसटी राजस्व इस महीने में 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अक्तूबर 2025 में यह 1.61 लाख करोड़ रुपये था। सकल कलेक्शन में इस वृद्धि को आयात से प्राप्त राजस्व में 42.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का समर्थन मिला। आयात से प्राप्त राजस्व 72,246 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 50,796 करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी राजस्व में भी 15.8 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई और यह 1.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये हो गया। घरेलू कलेक्शन के अंतर्गत, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 42,935 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) कलेक्शन 51,340 करोड़ रुपये रहा। घरेलू लेन-देन से प्राप्त एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) कलेक्शन 64,769 करोड़ रुपये रहा। अक्तूबर के दौरान कुल रिफंड सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपये हो गए। घरेलू रिफंड 9.8 प्रतिशत बढ़कर 14,007 करोड़ रुपये हो गए, जबकि आयात पर रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13,927 करोड़ रुपये हो गए। शुद्ध आधार पर, घरेलू जीएसटी राजस्व 16.4 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि सीमा शुल्क (कस्टम्स) से जुड़े जीएसटी संग्रह से प्राप्त शुद्ध राजस्व 56.2 प्रतिशत बढ़कर 58,319 करोड़ रुपये हो गया।

सालाना आधार पर कितनी प्रतिशत की वृद्धि हुई- प्रमुख राज्यों में, महाराष्ट्र ने 35,150 करोड़ रुपये का घरेलू जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि है। गुजरात का संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 13,516 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कर्नाटक में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15,922 करोड़ रुपये का संग्रह दर्ज किया गया। हरियाणा का संग्रह 17 प्रतिशत बढ़कर 11,529 करोड़ रुपये हो गया। असम ने राज्यों के बीच सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की, जहां संग्रह 47 प्रतिशत बढ़कर 1,934 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कुल मिलाकर, अप्रैल-अक्तूबर 2026-27 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपये था। सात महीने की इस अवधि के दौरान शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपये हो गया।

त्योहारी बाजार में नए कारोबारी अवसर, उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। दिवाली के मद्देनजर देश के प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल बाजार में ग्राहकों की खरीदारी को लेकर कंपनियां नए प्रयोग कर रही हैं। त्योहार के दौरान परिधानों, एक्सेसरीज, सौंदर्य उत्पादों और उपहारों की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनियां अपने उत्पादों को नए अंदाज में पेश कर रही हैं। इस बार फैशन बाजार में पारंपरिक परिधानों के साथ आधुनिक पश्चिमी और इंडो-वेस्टर्न पहनावे का मिश्रण देखने को मिल रहा है। त्योहारी खरीदारी को ध्यान में रखते हुए एक विशेष फैशन शोकेस के जरिए दिवाली के अलग-अलग अवसरों के लिए तैयार परिधानों और लाइफस्टाइल उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इसमें घर वापसी, दोस्तों के साथ पार्टी, पारिवारिक मेल-मिलाप और बड़े उत्सवों के लिए चार अलग-अलग फैशन थीम पेश की गई। कैजुअल वेस्टर्न वियर से लेकर पार्टीवियर, फ्यूजन और पारंपरिक भारतीय परिधानों तक के विकल्प शामिल रहे। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, शॉपर्स स्टॉप दिवाली फैशन कलेक्शन त्योहारों के दौरान उपभोक्ता खर्च का दायरा अब केवल कपड़ों तक सीमित नहीं है। हैंडबैग, घड़ियां, एक्सेसरीज, परफ्यूम और ब्यूटी उत्पाद भी खरीदारी का हिस्सा बन रहे हैं। इससे प्रीमियम लाइफस्टाइल उत्पादों के खुदरा बाजार में कारोबार के नए अवसर बन रहे हैं। कंपनियां भी एक ही स्थान पर कई श्रेणियों के उत्पाद उपलब्ध कराकर ग्राहकों को आकर्षित करने की रणनीति अपना रही हैं। फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र में बदलती पसंद के बीच पारंपरिक और आधुनिक उत्पादों का संयोजन खुदरा कारोबार के लिए महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। दिवाली जैसे बड़े खरीदारी सीजन में यह रणनीति बिक्री बढ़ाने के साथ प्रीमियम उत्पादों के बाजार का विस्तार करने में भी भूमिका निभा सकती है।

कब आएगी लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त? किन महिलाओं के अटक सकते हैं 1500 रुपये



नई दिल्ली। महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार लाड़ली बहना योजना चलाती है। यह लोकप्रिय योजना राज्य की करोड़ों महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का एक बड़ा जरिया बन चुकी है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने नियमित रूप से 1500 रुपये की वित्तीय सहायता राशि दी जाती है। बता दें कि अब तक इस योजना की 41 किस्तें जारी हो चुकी हैं। पिछली किस्त मिलने के बाद अब सभी लाड़ली बहनों को इसकी अगली यानी 42वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि सरकार की तरफ से अभी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन पिछले भुगतानों को देखते हुए नवंबर महीने में इसके आने की पूरी उम्मीद है। अगर आप भी इस योजना का लाभ लेती हैं, तो यह जानना बेहद जरूरी है कि किन छोटी-छोटी गलतियों या तकनीकी कमियों के कारण आपका पैसा अटक सकता है।

अगली किस्त कब तक आएगी- पिछले कई महीनों से लाड़ली बहना योजना की किस्त 10 से 15 तारीख के बीच में लाभार्थी महिलाओं के खाते में जाती है। मगर जिस महीने में बड़ा त्योहार होता है उस महीने पहले भी किस्त जारी हो सकती है। ऐसे में देखा जाए तो इस महीने दिवाली का त्योहार है, तो उम्मीद है कि दिवाली से पहले करोड़ों महिलाओं के खाते में 1500 रुपये क्रेडिट हो जाएंगे। हालांकि अभी तक सरकार ने इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

किन महिलाओं के पैसे अटकेंगे- जिन महिलाओं ने अपने बैंक खाते को आधार से लिंक नहीं कराया है या जिनकी डीबीटी सेवा सक्रिय नहीं है, उनका पैसा तकनीकी कारणों से बीच में ही अटक सकता है। इसलिए लाभार्थी ये जरूर चेक करें कि उनका बैंक अकाउंट आधार से लिंक है या नहीं। योजना का लगातार लाभ पाने के लिए समय पर ई-केवाईसी पूरी करना अनिवार्य है। अगर दस्तावेज अधूरे हैं या उसमें कोई गलती है, तो सरकार द्वारा भेजी जाने वाली सहायता राशि रुक सकती है।

खाते में गड़बड़ी का असर - बैंक खाते का बंद होना, नाम में गलती होना या दस्तावेजों का अधूरा होना भी भुगतान रुकने का मुख्य कारण बनता है। इसलिए समय रहते अपनी सभी जानकारियों को सही करा लेना चाहिए।

आधुनिकीकरण से तकनीकी उपकरणों की मांग को मिलेगी गति

नई दिल्ली। दिवाली के नजदीक आने के साथ ही देश में कारोबार से जुड़ी खरीदारी का बाजार भी सक्रिय हो गया है। छोटे-बड़े कारोबारियों और कार्यालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विभिन्न व्यावसायिक उत्पादों की खरीद पर विशेष छूट दी जा रही है। इसमें लैपटॉप, टेलीविजन, एयर कंडीशनर, ऑफिस फर्नीचर, स्टेशनरी और लाइटिंग जैसे उत्पाद शामिल हैं। चुनिंदा श्रेणियों में अधिकतम 84 प्रतिशत तक की छूट के साथ थोक खरीद पर अतिरिक्त लाभ भी दिया जा रहा है। त्योहारी बिक्री के दौरान कारोबारियों को कार्यालयों के आधुनिकीकरण, नए उपकरणों की खरीद और जरूरी सामान का स्टॉक तैयार करने का अवसर मिल रहा है। लैपटॉप और कंप्यूटर उपकरणों पर 33 प्रतिशत तक, जबकि टेलीविजन और एयर कंडीशनर पर 49 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। वहीं, ऑफिस फर्नीचर की खरीद पर 84 प्रतिशत तक की छूट के साथ 11 प्रतिशत तक अतिरिक्त थोक छूट का लाभ दिया जा रहा है। कार्यालयों में रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली सामग्री की खरीद पर भी विशेष ऑफर हैं। कॉपियर पेपर और कैश काउंटिंग मशीन सहित ऑफिस सप्लाई उत्पादों पर 55 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। वहीं, वॉल लाइट और टेबल लैंप जैसे प्रकाश उपकरणों पर 75 प्रतिशत तक की छूट के साथ थोक खरीद पर अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके अलावा विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में तत्काल बैंक छूट और 9,999 रुपये तक अतिरिक्त कैशबैक का विकल्प भी दिया जा रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल व्यावसायिक खरीदारी को प्रोत्साहित कर सकते हैं। खासकर छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए एक साथ अधिक मात्रा में सामान खरीदने पर मिलने वाली छूट लागत प्रबंधन में मददगार हो सकती है। हालांकि, वास्तविक बचत उत्पाद, खरीद की मात्रा और लागू शर्तों पर निर्भर करेगी।

त्योहारी सीजन में यूपीआई का धमाका : अक्तूबर में 31.53 लाख करोड़ रुपये पहुंचा लेनदेन



नई दिल्ली। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले लेनदेन में त्योहारी सीजन के दौरान अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 25.47 अरब हो गई। वहीं, इस दौरान लेनदेन की कुल रकम 16 प्रतिशत बढ़कर 31.53 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

अक्तूबर में हर दिन औसतन करोड़ लेनदेन हुए- अक्तूबर में यूपीआई के जरिए हर दिन औसतन करीब 82.2 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। इस दौरान रोजाना लेनदेन की औसत रकम करीब 1,01,707 करोड़ रुपये रही। इससे पहले सितंबर में यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 24.07 अरब रही थी, जबकि लेनदेन की कुल रकम 18 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। इसके अलावा, अक्तूबर में तत्काल फंड ट्रांसफर की सुविधा देने वाली आईएमपीएस के जरिए लेनदेन की रकम सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 7.63 लाख करोड़ रुपये हो गई। एनपीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने आईएमपीएस के जरिए रोजाना औसतन 1.21 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। वहीं, हर दिन लेनदेन की औसत रकम 24,601 करोड़ रुपये रही।

एमडीआर लागू करने का फैसला दिवाली तक टाला गया- एनपीसीआई ने पिछले महीने चुनिंदा यूपीआई मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का फैसला दिवाली के बाद तक टाल दिया था। इससे त्योहारी सीजन के दौरान कारोबारियों और ग्राहकों को अस्थायी राहत मिली। एनपीसीआई ने कहा था कि यूपीआई और सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए इसे लागू करने की तारीख आगे बढ़ाने का फैसला किया है। एमडीआर का नया नियम पहले 15 अक्तूबर से लागू होना था। एनपीसीआई ने यह भी कहा कि इसे लागू करने की नई तारीख की जानकारी अलग से दी जाएगी। प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था के तहत रेलवे, टेलीकॉम सेवाओं, बीमा और ईंधन की खरीदारी जैसी चुनिंदा मर्चेंट कैटेगरी में 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 5 रुपये का तय शुल्क लगेगा। वहीं, इसी सीमा से अधिक के भुगतान बड़े कारोबारियों को करने पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, यह शुल्क प्रति ट्रांजेक्शन अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रहेगा। एनपीसीआई का कहना है कि एमडीआर की नई व्यवस्था का यूपीआई के व्यापक नेटवर्क पर सीमित असर पड़ेगा। अनुमानों के मुताबिक, मर्चेंट ट्रांजेक्शन में से केवल करीब 4 प्रतिशत ही नई व्यवस्था के दायरे में आएंगे। वहीं, कारोबारियों को किए जाने वाले 95 प्रतिशत से अधिक यूपीआई भुगतान पर एमडीआर शुल्क नहीं लगेगा।

अटल पेंशन योजना में कैसे और किसे मिलती है 5000 रुपये पेंशन?



नई दिल्ली। जब भी बात निवेश की आती है, तो लोग ऐसी जगह पर निवेश करना चाहते हैं जहां से बिना किसी दिक्कत के रिटर्न आ सके क्योंकि लोग सुरक्षित निवेश पसंद करते हैं। इसके लिए लोग कई तरह की स्कीम, एसआईपी या कई योजनाओं में निवेश करते हैं। वहीं, कई सरकारी योजनाएं भी ऐसी हैं, जहां पर कम निवेश करके सुरक्षित रिटर्न का लाभ उठा सकते हैं। ऐसी ही एक योजना है अटल पेंशन योजना, जिसकी शुरुआत साल 2015 में हुई थी। मौजूदा समय में इस अटल योजना से काफी लोग जुड़े हुए हैं। अगर आप भी चाहें तो इससे जुड़कर लाभ कमा सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए इस अटल पेंशन योजना के बारे में जानते हैं।

क्या है अटल पेंशन योजना- बात अगर इस योजना की करें, तो ये एक निवेश योजना है। इसमें पहले आपको निवेश करना होता है और फिर 60 साल की उम्र के बाद आपको हर महीने पेंशन के रूप में 5 हजार रुपये तक मिल सकते हैं उदाहरण के लिए अगर आप इस अटल पेंशन योजना में हर महीने 210 रुपये का निवेश करते हैं। तो आपको 60 साल की उम्र के बाद हर सालना 60 हजार रुपये तक पेंशन मिल सकती है यानी हर महीने आपको योजना के तहत 5 हजार रुपये की पेंशन मिल सकती है।

अटल पेंशन योजना के लिए कौन पात्र है- जो भारत का नागरिक है वो आवेदन कर सकता है। जिसकी उम्र 18 से 40 साल के बीच है। जिसके बाद बैंक खाता है और वो आधार से लिंक है। ऐसा व्यक्ति जो पहले से इस योजना का लाभ न ले रहा हो।

योजना से जुड़ने का तरीका क्या है- योजना के आधिकारिक पोर्टल enps.nsdl.com/eNPS/NationalPensionSystem.html पर जाकर 'एपीवाई एप्लीकेशन' पर क्लिक करें और फिर आधार की जानकारी भरें। अब मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को दर्ज करें और फिर आपके बैंक खाते की जानकारी वेरिफाई होगी। इसके बाद आपका बैंक खाता सक्रिय हो जाएगा, फिर प्रीमियम और नॉमिनी की जानकारी दें। अब ई-साइन करें और वेरिफिकेशन के बाद आपका रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाएगा।

हाइलो ओपन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु ने जीते खिताब

लक्ष्य दूसरी बार यह टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने, फाइनल में गत चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को हराया; सिंधु ने भी डेनमार्क की क्यैरफेल्ट को सीधे गेमों में दी मात

नई दिल्ली। जर्मनी के सारब्रुकेन में आयोजित हाइलो ओपन-2026 भारतीय बैडमिंटन के लिए यादगार बन गया। रविवार को टूर्नामेंट के पुरुष और महिला एकल दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने खिताब जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के गत चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को हराकर दूसरी बार हाइलो ओपन का खिताब अपने नाम किया, जबकि महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होयमार्क क्यैरफेल्ट को शिकस्त देकर ट्रॉफी जीती। लक्ष्य और सिंधु की इस सफलता के साथ भारतीय बैडमिंटन को एक ही दिन दो बड़ी उपलब्धियां मिलीं।





क्रिस्टी को सीधे गेमों में हराकर लक्ष्य ने बनाया रिकॉर्ड- पुरुष एकल के फाइनल में 25 वर्षीय लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया। मुकाबले की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। क्रिस्टी ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य और बेहतर कोर्ट कवरेज के दम पर पहले गेम में बढ़त हासिल की। निर्णायक अंकों पर लक्ष्य ने सटीक शॉट लगाए और 21-17 से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य का प्रदर्शन और प्रभावशाली रहा। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल अपनाया और क्रिस्टी को रक्षात्मक खेलने के लिए मजबूर कर दिया। तेज रिटर्न, दमदार स्मैश और कोर्ट पर शानदार मूवमेंट के सामने इंडोनेशियाई खिलाड़ी टिक नहीं सके। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-10 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस तरह उन्होंने सीधे गेमों में फाइनल जीतकर टूर्नामेंट में अपनी श्रेष्ठता साबित की। इस जीत के साथ लक्ष्य सेन हाइलो ओपन का खिताब दो बार जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। वह इस टूर्नामेंट की किसी भी श्रेणी में दो बार खिताब हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। इससे पहले भी लक्ष्य इस प्रतियोगिता में चैंपियन बन चुके हैं। उनका इस वर्ष का यह पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब है। गत चैंपियन क्रिस्टी के खिलाफ मिली इस जीत को उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल किया जा रहा है।

सिंधु ने 39 मिनट में फाइनल जीतकर हासिल किया सातवां वर्ल्ड टूर खिताब- महिला एकल के फाइनल में पीवी सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होयमार्क क्यैरफेल्ट को 21-12, 21-14 से पराजित किया। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ 39 मिनट तक चले मुकाबले में शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा। पहले गेम में सिंधु ने अपने आक्रामक खेल और सटीक शॉट्स के दम पर बढ़त बनाई और 21-12 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को जारी रखा और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु का यह इस वर्ष का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे पहले उन्होंने जुलाई में जापान ओपन-2026 का खिताब जीता था। उस टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराया था। जापान ओपन की सफलता दिसंबर 2024 के बाद उनका पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब थी और उनके करियर का पहला सुपर-750 खिताब भी रहा। हाइलो ओपन में जीत के साथ सिंधु ने 2022 के बाद पहली बार एक ही सत्र में दो बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारने के बाद इस टूर्नामेंट में उनकी वापसी उल्लेखनीय रही। उन्होंने पूरे हाइलो ओपन में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक पहुंचने के दौरान एक भी गेम नहीं गंवाया।

श्रृंखला से काफी कुछ सीखने को मिला : अय्यर

नई दिल्ली। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अलग-अलग परिस्थितियों में टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं लेकिन उन्होंने कहा कि आगे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत है। भारत ने शुरुआती तीन मैच जीतने के बाद अंतिम दो मुकाबले गंवा दिए लेकिन श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। अय्यर ने न्यूजीलैंड जैसी अपरिचित परिस्थितियों में बेहतर क्षेत्ररक्षण की जरूरत पर जोर दिया। अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''हम गेंदबाजी तथा क्षेत्ररक्षण में और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। हमारा क्षेत्ररक्षण थोड़ा ढीला रहा लेकिन यह सीखने का शानदार अनुभव था। विदेश में आकर, न्यूजीलैंड में अलग-अलग परिस्थितियों और मैदानों पर खेलने से हमें काफी कुछ सीखने को मिला। यह हमारे लिए सीखने का शानदार अवसर रहा।'' अय्यर की कप्तानी में किसी एईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देश में भारत ने पहली श्रृंखला जीती है। उन्होंने आयरलैंड और इंग्लैंड में लगातार दो श्रृंखलाओं में हार के साथ अपनी कप्तानी की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, ''शुरुआती तीन मैच ने हमारे लिए लय तय की। इसके बाद अंतिम दो मुकाबलों में मुझे लगा कि हम ऐसी स्थिति में थे जहां हम कुछ प्रयोग करना चाहते थे और खुद को थोड़ी अधिक चुनौती देना चाहते थे।'' अय्यर ने कहा, ''आज इसके लिए सही मौका था और जाहिर है कि हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह हमारे लिए सीखने का अच्छा अनुभव रहा।'' सुधार की गुंजाइश वाले क्षेत्रों के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने कहा, ''मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहता क्योंकि हमें अब एकदिवसीय मैच खेलने हैं लेकिन खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप विदेश दौरे पर जाते हैं तो खेल के विभिन्न पहलुओं में आपको अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जितना अधिक आप इन चुनौतियों का डटकर सामना करते हैं, उतना ही बेहतर होता जाता है।''



न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने शुरुआती तीन मुकाबलों में अहम मौकों पर टीम के चूकने पर निराशा जताई। इन तीनों मैच में न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा था। सैंटनर ने कहा, ''हम इस श्रृंखला की समीक्षा करेंगे। हमें पता है कि मुकाबला बेहद करीबी था और भारत एक अच्छी टीम है। शुरुआती दो मैच में कुछ ऐसे छोटे-छोटे मौके थे जहां हम शायद मैचच जीत सकते थे या हमें जीतना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो श्रृंखला का नतीजा कुछ और हो सकता था।''

साइफर्ट-फिलिप्स का बल्ला और मिल्ने की गेंदबाजी पड़ी भारी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले में भारत को 7 विकेट से हरा दिया. इस हार के बावजूद भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीत ली. सीरीज के शुरुआती तीन टी20

न्यूजीलैंड ने जीता मैच लेकिन सीरीज 3-2 से भारत के नाम

मैच भारत ने जीते जबकि आखिरी के दोनों मैच न्यूजीलैंड ने अपने नाम किए. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 191 रन बनाए. शुरुआती झटकों के बाद ईशान किशन (61) और कप्तान श्रेयस अय्यर (50) ने आक्रामक अर्धशतकीय पारियां खेलकर पारी को संभाला, लेकिन एडम मिल्ने की घातक गेंदबाजी (4/19) के आगे भारतीय मध्यक्रम बिखर गया. जवाब में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

भारत की ओर से रखे गए 192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 18 ओवर में 3 विकेट खोकर 195 रन बनाए. न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 9 के कुल स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा दिया. विस्फोटक ओपनर फिन एलेन को अर्शदीप सिंह ने ईशान किशन के हाथों कैच कराया. एलेन तीन गेंदों पर दो रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद टीम साइफर्ट को डेरिल मिचेल का साथ मिला. दोनों ने 72 रन की साझेदारी की. साइफर्ट के रूप में कीवी टीम का तीसरा विकेट गिरा. साइफर्ट ने 50 गेंदों पर 93 रन की पारी खेली जिसमें 11 चौके और पांच छक्के शामिल थे. साइफर्ट के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों पर नाबाद 65 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।



इससे पहले, कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर फॉर्म में वापसी की. लेकिन तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की अगुआई में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट पर 191 रन ही बनाने दिए. टीम इंडिया की पारी तीन चरणों में गुजरी. उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन बीच के ओवरों में उसने तेजी से रन बनाए और डेथ ओवरों में फिर से कुछ खास नहीं कर पाए. अय्यर (23 गेंद पर 50) और किशन (32 गेंद पर 61) ने सात से कुछ अधिक ओवर में 107 रन की साझेदारी की. पिच से तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिल रही थी, लेकिन अय्यर और किशन इससे बिल्कुल भी परेशान नहीं दिखे. किशन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की और पहली 11 गेंदों में केवल 13 रन बनाए, लेकिन एक बार लय में आने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ की गेंद पर लॉन्गऑफ पर चौका और ब्लेयर टिकनर की गेंद पर प्वाइंट के ऊपर से छक्का जड़कर उन्होंने अपना आक्रामक रवैया दिखाया. वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में अपना पहला शतक लगाने के बाद अय्यर कुछ खास नहीं कर पाए थे. उन्होंने स्मिथ की गेंद पर छक्का लगाकर शुरुआत की और इसके बाद भी कुछ दर्शनीय शॉट लगाए। उन्होंने ऑफ स्पिनर माइकल ब्रैसवेल पर लगातार 6, 4, 6 रन बनाए. इसमें आखिरी छक्का 100 मीटर की दूरी तक गया. किशन ने ब्रेसवेल की गेंद पर छक्का लगाकर 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि 40 रन पर जीवनदान पाने वाले अय्यर ने भी जल्द ही उनका अनुसरण करते हुए स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

नामीबिया ने रचा इतिहासः आखिरी मैच में आयरलैंड को हराया पहली बार पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ जीती वनडे सीरीज

नई दिल्ली। नामीबिया क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। रविवार को खेले गए सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में नामीबिया ने आयरलैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसके साथ ही नामीबिया ने पहली बार किसी आईसीसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने का ऐतिहासिक कारनामा किया। नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम ने शानदार गेंदबाजी के दम पर आयरलैंड को महज 129 रन पर समेट दिया।

इसके बाद बल्लेबाजों ने 21.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज छह रन के स्कोर पर टिम टेक्टर (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कैड कारमाइकल और एंड्रयू बालबर्नी ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन बालबर्नी नौ रन बनाकर आउट हो गए। कारमाइकल ने 57 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हैरी टेक्टर ने कप्तान लॉरेन टकर के साथ कुछ देर तक पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, नामीबिया के गेंदबाजों ने लगातार विकेट निकालकर आयरलैंड को दबाव में बनाए रखा। नामीबिया की ओर से जेजे स्मिट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आयरलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पारी के 22वें ओवर में उन्होंने पहली दो गेंदों पर लॉरेन टकर (20) और कर्टिस कैंफर (0) को पवेलियन भेजा। इसके साथ ही उनके पास हैट्रिक लेने का मौका था, लेकिन जॉर्ज डॉकरेल ने तीसरी गेंद पर कोई रन नहीं बनने दिया। हालांकि, स्मिट ने ओवर की चौथी गेंद पर डॉकरेल को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इस तरह उन्होंने एक ही ओवर में तीन विकेट हासिल किए और आयरलैंड को बड़ा झटका दिया। एक समय आयरलैंड का स्कोर 84 रन पर छह विकेट था।

वनडे श्रृंखला में अगर अच्छा प्रदर्शन हुआ तो श्रेय अनुभवहीन गेंदबाजों को मिलना चाहिए : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चार नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की वनडे श्रृंखला में अगर भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करती है तो इसका पूरा श्रेय उसके अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण को दिया जाना चाहिए। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में भारत को मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, आकिब नबी, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ जैसे गेंदबाजों पर निर्भर रहना होगा। इनमें सिराज सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जिनके नाम 51 वनडे मुकाबले दर्ज हैं। न्यूजीलैंड दौरे के व्यस्त कार्यक्रम में वनडे श्रृंखला के बाद टेस्ट मुकाबले भी खेले जाने हैं। ऐसे में भारतीय टीम को अलग-अलग प्रारूपों की तैयारी एक साथ करनी पड़ रही है, जिसका असर खिलाड़ियों की उपलब्धता पर भी पड़ा है। कार्यक्रम के व्यस्त होने से टीम की तैयारियों पर पड़ने वाले असर से जुड़े सवाल पर गंभीर ने कहा, ''मेरे लिए हर श्रृंखला जीतना महत्वपूर्ण है। यह सिर्फ न्यूजीलैंड में जीतने की बात नहीं है। हर श्रृंखला जीतना चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप देखें तो वनडे क्रिकेट में यह शायद हमारा सबसे अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण होगा।'' उन्होंने कहा, ''इस बारे में कोई बात नहीं करेगा। लेकिन आंकड़ों पर नजर डालें तो आकिब नबी और अंशुल कंबोज ने एक-एक मैच खेले हैं। गुरनूर ने 10 (नौ वनडे) खेले हैं। हमारे सबसे अनुभवी गेंदबाज अर्शदीप सिंह (18 वनडे) हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद अगर हम एकदिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो इसका पूरा श्रेय इस गेंदबाजी आक्रमण और इन युवा खिलाड़ियों को जाएगा। हमारी बल्लेबाजी में काफी अनुभव है। बल्लेबाजी में हमारे पास अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।'' विदेशी परिस्थितियों में गेंदबाजों की भूमिका को अहम करार देते हुए गंभीर ने कहा, ''जब आप विदेश दौरे पर होते हैं तो खासकर वनडे और टेस्ट क्रिकेट में श्रृंखला आपके गेंदबाज जिताते हैं। इसलिए अगर हम वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो बल्लेबाजों की ज्यादा चर्चा करने के बजाय गेंदबाजों को इसका बड़ा श्रेय दिया जाना चाहिए।''



'मेरे शब्दकोश में डर नाम की कोई चीज नहीं'

जब गंभीर से पूछा गया कि क्या टीम के सामने आने वाली चुनौतियां उन्हें कभी परेशान करती हैं, तो उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं किसी चीज से नहीं डरता। मेरे शब्दकोश, मेरी सोच और मेरी विचारधारा में डर नाम की कोई चीज नहीं है। हम पेशेवर हैं और मैंने हमेशा माना है कि बहाने बनाने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हमें जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, हम उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना और नतीजे हासिल करना ही हमारा लक्ष्य है।'

टी20 सीरीज खत्म, अब वनडे की बारी, रोहित-विराट की वापसी, शुभमन गिल संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ उतार-चढ़ाव से भरी पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज रविवार को समाप्त हो गई. शुरुआती मुकाबलों में भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाते हुए लगातार तीन मैच जीते और पहले ही सीरीज पर कब्जा जमा लिया था. हालांकि, कीवी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अंतिम दोनों मैचों में शानदार जीत दर्ज की और सीरीज का अंत जोरदार अंदाज में किया. सीरीज के आखिरी और पांचवें टी20 मुकाबले में रविवार को न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से करारी शिकस्त दी. टी20 सीरीज के रोमांच के बाद अब दोनों टीमें 50 ओवर के यानी वनडे फॉर्मेट की लंबी जंग के लिए पूरी तरह तैयार हैं. भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज में भिड़ेगी. खास बात यह है कि भारत का यह दौरा साल 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पहला ऐसा मौका होगा जब टीम इंडिया कोई पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी. उस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई सीरीज में मेहमान टीम ने 3-2 से बाजी मारी थी।

पांच मैचों की वनडे सीरीज का आगाज बुधवार, 4 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क मैदान से होगा. यह सीरीज भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाली है क्योंकि इसमें भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा की वनडे फॉर्मेट में वापसी हो रही है. चूंकि ये दोनों धुरंधर टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए अब वे केवल इसी यानी वनडे फॉर्मेट में ही राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते नजर आते हैं. इन दोनों ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में भी हिस्सा लिया था. उस सीरीज में रोहित शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए कुल 225 रन बनाए थे, जबकि विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का ऐतिहासिक 55वां शतक जड़ते हुए नाबाद 139 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी।

हरमनप्रीत की हैट्रिक से भारत ने मलयेशिया को 4-2 से हराया लगातार चौथी जीत के साथ सेमीफाइनल में बढ़ाया कदम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को मलयेशिया को 4-2 से हरा दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम की जीत के नायक कप्तान हरमनप्रीत सिंह रहे, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाई। उनके तीन गोल की मदद से भारत ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। सुखजीत सिंह ने भी एक मैदानी गोल करके टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस जीत के साथ भारत ने राउंड रॉबिन चरण में अपना दबदबा कायम रखा और सेमीफाइनल में जगह बनाने की दिशा में मजबूत स्थिति हासिल की।



पहले हाफ में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं

मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया। तीसरे मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल में बदल दिया। इस गोल के साथ भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली। शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने मलयेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। हालांकि कई अच्छे मौके मिलने के बावजूद टीम दूसरा गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में मलयेशिया ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। उसने भारतीय गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए और 24वें मिनट में तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। भारतीय रक्षापंक्ति ने शुरुआती हमलों को नाकाम किया, लेकिन 25वें मिनट में अखिमुल्लाह अनुआर ने मैदानी गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त लेने की कोशिश की, लेकिन पहले हाफ के अंत तक स्कोर बराबर रहा।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो गोल कर बनाई बढ़त

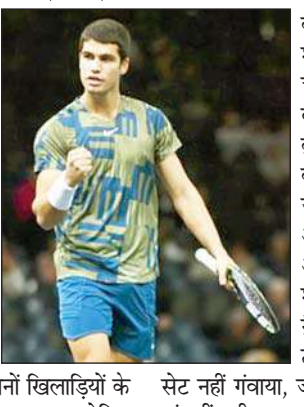
तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने फिर से आक्रामक खेल दिखाया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत सिंह ने अपनी सटीक ड्रैग फ्लिक से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। कप्तान का यह दूसरा गोल था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने मलयेशिया पर दबाव बनाए रखा और लगातार हमले किए। 43वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त 3-1 कर ली। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने मिडफील्ड में गेंद पर नियंत्रण हासिल करते हुए सुखजीत सिंह को पास दिया। सुखजीत ने बेहतरीन टॉमहॉक शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के बाद भारत ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। मलयेशिया ने अंतर कम करने के प्रयास किए, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसके हमलों को काफी हद तक नियंत्रित रखा।

58वें मिनट में हरमनप्रीत ने पूरी की हैट्रिक

मैच के अंतिम क्वार्टर में मलयेशिया ने गोल करने के लिए दबाव बनाया, लेकिन भारतीय टीम ने जवाबी हमले जारी रखे। 58वें मिनट में भारत को छठा पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत के गोल की ओर बढ़ते फ्लिक के मलयेशियाई डिफेंडर के शरीर से टकराने के कारण भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला।

वियना ओपनः कार्लोस अल्कराज ने एलेक्स डी मिनौर को हराकर जीता खिताब, पूरे टूर्नामेंट में नहीं गंवाया एक भी सेट

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी और सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने वियना ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ अल्कराज ने इस साल अपना चौथा और करियर का 28वां खिताब हासिल किया। अल्कराज की डी मिनौर के खिलाफ यह लगातार सातवीं जीत है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक सात मुकाबले हुए हैं और हर बार स्पेनिश खिलाड़ी ने बाजी मारी है। खास बात यह है कि अल्कराज ने डी मिनौर को घास, क्ले और इंडोर-आउटडोर हार्ड कोर्ट जैसे सभी तरह के कोर्ट पर हराया है। फाइनल में अल्कराज ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला सेट महज 6-1 से जीतकर मुकाबले में बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में डी मिनौर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अल्कराज ने 6-4 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैच का सबसे आकर्षक पल आखिरी गेम में देखने को मिला। अल्कराज ने बैकहैंड ड्रॉप शॉट से डी मिनौर को नेट की ओर बुलाया। इसके बाद शानदार बैकहैंड लॉब लगाकर उन्हें चकमा दिया। डी मिनौर ने वॉली से गेंद वापस भेजी, लेकिन अल्कराज ने क्रॉस-कोर्ट फोरहैंड लगाकर मुकाबले को यादगार अंदाज में समाप्त किया। इस जीत के साथ अल्कराज ने 2026 में अपना चौथा खिताब जीत लिया। इसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी शामिल है, जिसके साथ उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। पूरे वियना ओपन टूर्नामेंट के दौरान अल्कराज ने एक भी सेट नहीं गंवाया, जो उनके शानदार फॉर्म को दर्शाता है। पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर इस साल अपना दूसरा खिताब जीतने के इरादे से फाइनल में उतरे थे। उन्होंने सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। वहीं, अल्कराज ने दूसरे सेमीफाइनल में रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। ज्वेरेव सोमवार से विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले हैं। इस तरह वियना ओपन में अल्कराज ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम कर लिया।



सीएमओ ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का किया निरीक्षण



स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। सीएमओ कीर्ति कुमार मिश्रा ने रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान चिकित्सक विवेक खरे द्वारा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में मरीजों का उपचार करते हुए मिले सीएमओ द्वारा गलरा गांव में बनकर तैयार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर भवन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के संचालन शुरू कराने के लिए भवन के व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया है जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन शुरू कराया जा सके जिससे मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लाभ मिल सके इस संबंध में सीएमओ कीर्ति कुमार मिश्रा ने बताया की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का निरीक्षण किया गया जंहा पर चिकित्सक द्वारा मेला में उपचार करते हुए मिले गलरा गांव में बनकर तैयार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के संचालन शुरू कराने के लिए व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया गया है जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन शुरू कराया जा सके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर व्यवस्थाओ के लिए जो कमिया है उसके मांग के लिए डिमांड भेजे व्यवस्थाओ को पूरा कराया जा सके इस दौरान चिकित्सक विवेक खरे, डॉक्टर रीना पटेल, फार्मासिस्ट अजय कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

सहायता शिविर में उमड़ा जनसैलाब, जनपद न्यायाधीश ने दिव्यांगजनों को बांटी ट्राईसाइकिल



स्वतंत्र भारत, बलिया। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के तत्वावधान में रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित गंगा बहुउद्देशीय सभागार में मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार झा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश ने दीप प्रज्वलित करने तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर, असहाय एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। जिसमें जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हेतु 30 विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का भ्रमण कर विस्तृत जानकारी ली। शिविर परिसर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से लोगों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।इस दौरान जनपद न्यायाधीश श्री अनिल कुमार झा ने उपस्थित लोगों को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, पारिवारिक विवादों के सौहार्दपूर्ण निस्तारण, महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित कानूनों तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और आवश्यकता पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश ने दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल वितरित की तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश दिया गया। वहीं जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने अपने संबोधन में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रमिक पेंशन योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना, किसान कल्याण योजनाएं तथा दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाएं प्रमुख रहीं। अधिकारियों ने महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं श्रमिकों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को न्याय के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुलभ, निःशुल्क एवं त्वरित विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से जरूरतमंद लोगों तक न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमरेन्द्र कुमार पौत्स्यायन ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी विभागों के अधिकारियों ने जनहित में आपसी सहयोग एवं समन्वय बनाए रखने का संकल्प लिया।

जन कल्याणकारी योजनाओं द्वारा इन विभागों के लगाए गए स्टॉल

जिसमें राजस्व विभाग, श्रम विभाग, पंचायती विभाग, जिला विकासखंड/विकास, आवास एवं नगर विकास विभाग, डूडा विभाग, सूचना विभाग, आपदा विभाग, आईटीआई विभाग, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, बैंक सहायता ऋण योजनाएं, युवा कल्याण विभाग, वन विभाग, विद्युत वितरण विभाग, खनन विभाग, नगर पालिका परिषद, समाज कल्याण विभाग, कौशल विकास विभाग, जल शक्ति विभाग, परिवहन विभाग, जिला प्रोबेशन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा, अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम श्री पुनीत कुमार गुप्ता, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट श्री प्रथमकान्त, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी, अपर प्रधान न्यायाधीश श्री कमलापति, अपर जनपद न्यायाधीश श्री प्रमोद कुमार गंगवार, श्री सैफ अहमद, श्री रामकृपाल, श्री हरीश कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शैलेश पाण्डेय, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सुश्री गार्गी शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, मीडियाकर्मी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शराब के नशे में धुत दो महिलाओं और युवक ने बीच सड़क पर मचाया उत्पात, वीडियो हो रहा प्रसारित

स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रतेह चौराहा पर शराब के नशे में चूर होकर दो महिलाएं और एक युवक आपस में उलझ गए।आपस में कहासुनी के बाद दोनों महिलाएं और युवक एक दूसरे पर चप्पलों बौछार कर मारपीट करने लगे। जिसका वीडियो बनाकर किसी ने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। शराब के नशे में धुत दोनों महिलाओं और युवक के इस कारनामे को देख तमाशबीन बने स्थानीय लोग और राहगीर दंग रह गए। स्थानीय लोगों के अनुसार बीते शनिवार शाम को भैंसोड़ जेर गांव से आए एक युवक और दो महिलाओं ने रतेह चौराहा स्थित कंपोजिट शराब की दुकान पर जाकर शराब खरीदी और तीनों ने आपस में एक साथ बैठकर शराब पी। कुछ देर बाद शराब के नशे में होने पर दोनों महिलाएं और युवक बीच सड़क आपस में कहासुनी कर चप्पल से मारपीट करने लगे।बीच सड़क पर महिलाओं और युवक का उत्पात देख राहगीरों ने डांट फटकार लगाई तो दोनों महिलाएं और युवक कुछ देर बाद वहां से खिसक लिए। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो को देखने के बाद स्थानीय लोगों में महिलाओं के शराब पीकर खुलेआम बीच सड़क पर हंगामा व मारपीट करने को लेकर को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

तालाब में उतराता मिला अधेड़ का शव, गांव में मचा हड़कंप

स्वतंत्र भारत, बाबागंज बहराइच। रुपईडीहा थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के उत्तर दिशा में स्थित तालाब में शनिवार को एक अधेड़ व्यक्ति का शव उतराता मिला। शव दिखाई देने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, बिहार निवासी अधेड़ व्यक्ति को ग्रामीण 'दिलजले' के नाम से जानते थे। वह पिछले दो-तीन वर्षों से गांव में अलग-अलग लोगों के यहां रह रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक, गुरुवार को उसे गांव में मिट्टी लाते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह लापता था। शनिवार को कुछ ग्रामीण धान की कटाई के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर तालाब में उतराते शव पर पड़ी। सूचना पर पहुंची रुपईडीहा पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक का पूरा नाम और स्थायी पता अभी अज्ञात है। उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

डबल डेकर बस की टक्कर से युवक की मौत

स्वतंत्र भारत, नानपारा बहराइच। दिल्ली मजदूरी करने जा रहे 20 वर्षीय अशोक की डबल डेकर बस की चपेट में आने से मौत हो गई। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव पैतृक गांव गुरघुट्टा पहुंचा तो परिजनों में चीख-पुकार मच गई।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी गया प्रसाद का पुत्र अशोक दोस्तों के साथ दिल्ली जा रहा था। बस के इंतजार में खड़े होने के दौरान सवारियां भरने की होड़ में आई डबल डेकर बस संख्या एआर 06 की 5051 की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया, जिसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। सोमवार को गांव में गमगीन माहौल में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण सम्पन्न

स्वतंत्र भारत उतरौला/बलरामपुर। जनगणना-2027 के दूसरे चक्र के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण रविवार को एचआरए इण्टर कॉलेज के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इसमें 24 प्रशिक्षकों ने 550 प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को जनगणना की प्रक्रिया, दिशा-निर्देशों और जिम्मेदारियों का प्रशिक्षण दिया। शनि वार को अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व संदीप केला ने प्रशिक्षण का निरीक्षण कर कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा में शुद्धता और जिम्मेदारी के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनगणना के पहले चरण में मकानों की गणना पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे चरण में व्यक्तियों की गणना की जाएगी। इसके तहत 16 नवम्बर से लेकर 30 नवम्बर 2026 तक स्वगणना होगी। एक दिसम्बर 2026 से लेकर चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर लोगों की गणना करेंगे। उन्होंने सभी कर्मचारियों से स्वगणना के प्रति लोगों को जागरूक करने और अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित कराने की अपील की। उपजिलाधिकारी योगेन्द्र शरण शाह ने कहा कि पहले चरण में कर्मचारियों ने सराहनीय कार्य किया है। दूसरे चरण में भी बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा है। तहसीलदार वीरेन्द्र प्रताप ने प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को जनगणना की प्रक्रिया, दायित्वों और सावधानियों की जानकारी देते हुए पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 5 जनवरी से लेकर 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण गणन(रिवीजन काउंट) होगी। इस दौरान गणना अवधि में जन्म और मृत्यु जैसी परिस्थितियों में विवरण संशोधित किया जाएगा।

व्यक्ति की संदिग्ध मौत

स्वतंत्र भारत संवाद मानिकपुर प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना के बड़गों निवासी छोटे लाल साहू 50 पुत्र स्व जवाहर लाल शनिवार को मानिकपुर नगर मे आयोजित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह मे शामिल होने आया।शाम को अचानक वह सड़क किनारे गिरकर अचेत हो गया,जिसे स्थानीय लोगों व पुलिस ने सीएचसी कालाकांकर भेजा जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मौत का कारण हृदयाघात बताया जा रहा है।परिजनों मे कोहराम मच गया।रविवार को परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।

दुकान से एक लाख की हुयी चोरी सीसीटीवी से हुआ चोर की पहचान

स्वतंत्र भारत तुलसीपुर/बलरामपुर। स्थानीय लाल चौराहे के पास स्थित एक किराने की दुकान के गल्ले में रखे लगभग एक लाख रुपये चोर ने पार कर दिए। पुलिस द्वारा छानबीन के दौरान सीसीटीवी फुटेज से चोर की पहचान की गई तो चोर पड़ोस में रहने वाला अंशु ही निकला। दुकान स्वामी शंकर ने इस संबंध में तहरीर दी है। शंकर ने बताया कि वह दुकान में गल्ला रखकर सो रहा था, इस दौरान किसी समय चाबी से ताला खोलकर गल्ले में रखे लगभग एक लाख रुपये कोई चुरा ले गया। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया है कि छानबीन के दौरान पता चला कि आरोपी उनके घर में आता-जाता रहता था और उसे पता था कि रुपये-पैसे कहां रखे रहते हैं। गल्ले के ताले की डुप्लीकेट चाबी उसने पहले से बनवा रखी थी। शनिवार की रात जब शंकर आदि लोग सो गए तो चौनल के अंदर हाथ डालकर उसने ताला खोल लिया और पैसा निकालकर फरार हो गया। सूचना मिली है कि वह लखनऊ भाग गया है । जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

गंगा बहुद्देशीय सभागार में कृषि विभाग के मिलेट्स स्टॉल का परिवहन मंत्री व अधिकारियों ने किया अवलोकन



स्वतंत्र भारत, बलिया। बताया जाता है कि गंगा बहुद्देशीय सभागार में आयोजित वृहद विधिक सहायता एवं शिविर कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा मिलेट्स (श्रीअन्न) का आकर्षक स्टॉल लगाया गया। स्टॉल का अवलोकन परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, जिला न्यायाधीश श्री अनिल कुमार झा, जिलाधिकारी बलिया श्री ज्ञानेंद्र सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर कृषि विभाग की ओर से उप कृषि निदेशक मनीष कुमार सिंह, प्रधान सहायक उमेश कुमार यादव, सहायक विकास अधिकारी कृषि रामजीत यादव एवं वरिष्ठ सहायक संदीप कुमार सिंह उपस्थित रहे।
मिलेट्स स्टॉल पर मोटे अनाज से तैयार विभिन्न पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। इसमें बाजरे के लड्डू, ज्वार की नमकीन बिस्कुट, सांवा की खीर, सांवा का पोहा सहित अन्य व्यंजन शामिल रहे। अतिथियों को इन व्यंजनों की विशेषताओं एवं उपयोगिता से भी अवगत कराया गया। जिला न्यायाधीश श्री अनिल कुमार झा एवं जिलाधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह ने स्टॉल पर प्रदर्शित सभी व्यंजनों का स्वाद चखा तथा उनकी सराहना की। उन्होंने मोटे अनाज से तैयार व्यंजनों की गुणवत्ता, स्वाद एवं पौष्टिकता की प्रशंसा की। कृषि विभाग द्वारा लगाए गए इस स्टॉल के माध्यम से आमजन को श्रीअन्न (मिलेट्स) के महत्व, पौष्टिक गुणों तथा दैनिक खानपान में इनके उपयोग के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स आधारित पारंपरिक एवं आधुनिक व्यंजनों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा।

जन आरोग्य मेले में 229 मरीजों का उपचार, मुफ्त दवा वितरित



स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। हलिया विकास खंड के पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें कुल 229 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में चिकित्सक कामेश्वर तिवारी ने 43, मुड़पेली में चिकित्सक मनीष कुमार ने 41, बरौंधा में चिकित्सक अभिषेक जायसवाल ने 45, ड्रमंडगंज में चिकित्सक बाल कृष्ण मिश्रा ने 49 और हलिया में 51 मरीजों का उपचार किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उनके स्वास्थ्य के अनुसार दवाएं दीं। प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अवधेश कुमार ने बताया कि मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। मच्छरों से बचाव के साथ खानपान में संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए। इस मौसम में सर्दी-जुकाम, बदन दर्द, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सक से परामर्श लेकर उपचार कराना चाहिए।

मीटर के लोड सर्वे डाटा से पकड़ी गई बिजली चोरी अहरौरा में दो आटा चक्की संचालकों पर मुकदमा दर्ज



स्वतंत्र भारत, चुनार (मिर्जापुर)। विद्युत वितरण खण्ड चुनार ने मीटर के लोड सर्वे डाटा के विश्लेषण से बड़ी बिजली चोरी पकड़ी है। अधिशासी अभियन्ता शुभम मिश्रा के नेतृत्व में चले अभियान के तहत अहरौरा क्षेत्र में दो औद्योगिक परिसरों में बिजली चोरी के मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में विद्युत चोरी निरोधक थाना, मीरजापुर में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 138 के तहत अभियोग पंजीकृत कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विभाग द्वारा अधिक भार वाले उपभोक्ताओं के मीटरों से एम.आर.आई. द्वारा प्राप्त लोड सर्वे डाटा का विश्लेषण किया गया। इसमें ऐसे संयोजन चिन्हित किए गए जिनके मीटर प्रतिदिन एक ही समय पर बंद हो जाते थे, जबकि क्षेत्र में आपूर्ति सामान्य थी। इसी आधार पर की गई स्थलीय जांच में चोरी पकड़ी गई। पहला मामला 28 अक्टूबर की रात्रि का है। चौक बाजार, अहरौरा स्थित श्री हिमांशु गुप्ता के औद्योगिक परिसर में स्वीकृत भार 26 किलोवाट के सापेक्ष आटा चक्की चलती मिली, जबकि मीटर में वोल्टेज एवं करंट शून्य था। क्लैम्प मीटर से जांच पर लाइन में 36-38 एम्पियर करंट पाया गया, जो मीटर में दर्ज नहीं हो रहा था। प्रयोगशाला परीक्षण में मीटर के अंदर रिमोट कंट्रोल्ड उपकरण लगा पाया गया, जिससे प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से प्रातः 7 बजे तक मीटर बंद कर चक्की चलाई जा रही थी। मौके पर संयोजित भार 44-24 किलोवाट पाया गया। दूसरा मामला दिनांक 31 अक्टूबर को ग्राम पट्टीकला, अहरौरा स्थित श्री प्रहलाद प्रसाद के औद्योगिक परिसर में मिला। यहां स्वीकृत भार 50 के.वी.ए. के परिसर में परिवर्तक से आने वाली न्यूट्रल केबल काटकर घरेलू संयोजन के न्यूट्रल को एम.सी.बी. के माध्यम से जोड़ा गया था। एम.सी.बी. बंद करते ही मीटर रुक जाता था और चक्की चलती रहती थी। लोड सर्वे के अनुसार मीटर प्रतिदिन रात्रि 11 बजे से प्रातः 7 बजे तक बंद रहता था। संयोजित भार 54-13 किलोवाट पाया गया। दोनों प्रकरणों में आपूर्ति विच्छेदित कर मीटर सील किए गए। जांच दल में उपखण्ड अधिकारी संजय यादव, सहायक अभियन्ता विनय सिंह, अवर अभियन्ता पंचधारी सिंह एवं प्रवर्तन दल के अधिकारी शामिल रहे।
अधिशासी अभियन्ता शुभम मिश्रा ने बताया कि चोरी के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और उपभोक्ताओं से मीटर से छेड़छाड़ न करने के लिए अपील किया गया।

नाबालिग किशोरी को भगा ले जाने के आरोप, केस दर्ज

स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी 28 अक्टूबर को बहन के यहां से घर लौटते समय लापता हो गई थी। मां की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार की रात में नामजद युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। किशोरी अपनी बहन के घर से साइकिल से लौट रही थी। स्वजनों ने उसकी तलाश की तो उन्हें पता चला कि एक युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। इसके बाद मां ने लालगंज थाने में युवक के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र का रहने वाला है, वह अपनी रिश्तेदारी में अक्सर नाबालिग किशोरी के गांव में आता जाता था, जहां पर किशोरी से उसकी मुलाकात हुई। पड़ोस के जिले प्रयागराज की सीमाएं लालगंज थाना क्षेत्र से जुड़े होने के कारण पुलिस प्रयागराज पुलिस से भी संपर्क कर रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर किशोरी की तलाश और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई हैं। पुलिस सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। स्वजनों से भी आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।
इस संबंध में लालगंज कोतवाली के इंस्पेक्टर वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और किशोरी को तलाश कर स्वजनों को सौंपा जाएगा।

मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन



स्वतंत्र भारत बलरामपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलरामपुर के सहयोग से रविवार, 01 नवंबर 2026 को जिला पंचायत भवन के सभागार में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस मेगा शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाना तथा विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) अवधेश कुमार द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गलरा गांव में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सीएमओ ने किया निरीक्षण, जल्द शुरू होगा संचालन



स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। हलिया विकास खंड के गलरा गांव में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के संचालन को लेकर भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कीर्ति कुमार मिश्रा व डिप्टी सीएमओ मुकेश कुमार ने भवन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।भवन की व्यवस्थाओ को बारीकी से सीएमओ ने निरीक्षण किया है की कार्यदाई संस्था द्वारा भवन में सारी व्यवस्था किया गया है की नहीं इस दौरान चिकित्सक विवेक खरे व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरुण कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे।अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन शुरू किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

अधिवक्ता के हत्या मामले मे पांचवां आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाद कुंडा प्रतापगढ़। कुंडा कोतवाली के बरई लोहराबाग दर्जियाना टोला मे बीते दिनों जमीन विवाद मे पड़ोसियों ने लाठी डंडा रॉड से जानलेवा हमलाकर अधिवक्ता आशिक अली को घायल कर दिया जिससे उसकी ईलाज दौरान मौत हो गई।पुलिस ने सुसंगत धाराओं मे पहले ही अभियोग पंजीकृत कर चार आरोपी को जेल भेज दिया।

गड़बड़ा धाम के पास बन रही सड़क की गुणवत्ता पर उठे सवाल

स्वतंत्र भारत, हलिया (मिर्जापुर)। क्षेत्र में गड़बड़ा धाम के पास प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क बनते ही उखड़ने लगी है।ग्रामीणों के अनुसार सड़क में डाली गई गिट्टी की मोटाई बेहद कम है, मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। ताजी बनी सड़क पर ही गिट्टी उखड़ रही है और हाथ से ही निकल जा रही है, जिससे साफ लग रहा है कि निर्माण में भारी लापरवाही बरती जा रही है।ग्रामीणों ने कहा कि इस सड़क से रोज सैकड़ों श्रद्धालु और स्थानीय लोग गड़बड़ा धाम आते-जाते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार की वजह से सड़क बनने से पहले ही खराब हो रही है। इससे सरकारी पैसे का दुरुपयोग हो रहा है।ग्रामीणों की मांग है की जिलाधिकारी, मिर्जापुर स्वयं सड़क की गुणवत्ता की जांच कराएं।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14

लखनऊ, सोमवार, 2 नवंबर, 2026

इजराइली विपक्षी नेता आइजनकोट ने गठबंधन की शर्तें रखीं

नेतन्याहू को सत्ता से हटाने की तैयारी



तेल अवीव। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव के बाद किसी भी गठबंधन को सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं मिला है। देश की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 61 सीटों की जरूरत है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं। वहीं, अरब पार्टियों के खाते में 19 सीटें आई हैं। गादी आइजनकोट की पार्टी याशार ने 21 सीटें जीतकर विपक्ष में सबसे ज्यादा सीटें हासिल की हैं। ऐसे में आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए चार शर्तें रखी हैं। इजराइली मीडिया वाय-नेट को मुताबिक, उन्होंने कहा कि जो भी सांसद और राजनीतिक दल इन शर्तों को मानने के लिए तैयार होंगे, उनके लिए गठबंधन सरकार में शामिल होने का रास्ता खुला रहेगा। आइजनकोट की पहली शर्त है कि इजराइल की पहचान एक यहूदी, लोकतांत्रिक, उदार और सभी को बराबर अधिकार देने वाले देश के रूप में बनी रहे। इसका मतलब है कि देश की सरकार यहूदी पहचान को बनाए रखने के साथ लोकतंत्र और नागरिकों की आजादी का भी सम्मान करे। दूसरी शर्त है कि नई सरकार 1948 में इजराइल की आजादी के समय तय किए गए सिद्धांतों का पालन करे। इनमें देश को यहूदी राज्य बनाने के साथ लोकतंत्र, आजादी, न्याय और सभी नागरिकों को बराबर अधिकार देने की बात शामिल है। तीसरी शर्त के तहत आइजनकोट चाहते हैं कि इजराइल के सभी नागरिकों के लिए सैन्य, राष्ट्रीय या नागरिक सेवा करना जरूरी हो। यानी देश का हर नागरिक किसी न किसी रूप में देश की सेवा करे। यह मुद्दा इजराइल की राजनीति में लंबे समय से विवाद की वजह बना हुआ है।

ईरान ने किया दावा : वेंस के पत्र में बदला अमेरिका का रुख



तेहरान। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रेजाई ने कहा है कि उपराष्ट्रपति जेडी. वेंस के एक पत्र में अमेरिका का रुख पूरी तरह से बदल गया है। यह जानकारी अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार है। यह बयान इस राजनयिक पहल पर ईरान की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार यह कहते आ रहे हैं कि तेहरान बातचीत करना चाहता है। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बात करते हुए रेजाई ने कहा, 'उनका रुख पूरी तरह से बदल गया है, जो एक अच्छा संकेत है और दिखाता है कि हमारे लोगों ने जीत हासिल कर ली है।' रविवार को कतरी मध्यस्थों के जरिए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव रेजाई को वेंस का पत्र सौंपा गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इस प्रस्ताव में वेंस के नेतृत्व में सीधी बातचीत की परिकल्पना की गई है, जिसमें शुरुआत से ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को चर्चा का हिस्सा बनाया जाएगा। इस बीच, 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि इस संदेश में शांति की कोई ठोस शर्तें नहीं, बल्कि बातचीत के लिए एक रूपरेखा' (फ्रेमवर्क) बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह पत्र ट्रंप के निर्देश पर भेजा गया था। इससे पहले, शनिवार को विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 'अल जजीरा' को बताया कि तेहरान ने पत्र का अध्ययन कर लिया है। बातचीत शुरू करने की वाशिंगटन की कोशिश को एक सकारात्मक कदम बताया है। उन्होंने आगे बताया कि मध्यस्थों के साथ चर्चा करने के लिए उनका एक सहयोगी दोहा गया था।

एक नज़र

नेपाल में ट्रेकिंग के दौरान छह भारतीय पर्यटक लापता

भारी बर्फबारी के बीच सेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

काठमांडू। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। सभी पर्यटक नेपाल की सबसे गहरी झीलों में से एक शे-फोक्सुंडो की ट्रेकिंग पर निकले थे। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को इसकी पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ से झील की ओर जा रहे थे। उन्हें आखिरी बार शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास और बागला पास के इलाकों में देखा गया था। स्थानीय गाइडों को आशंका है कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवात अर्नब के प्रभाव से हुई भारी बर्फबारी के कारण पर्यटक पहाड़ों में फंस गए हैं। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें खराब मौसम और पहाड़ी दर्रों में खतरनाक परिस्थितियों को देखते हुए आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद पर्यटकों ने अपनी यात्रा जारी रखी। माना जा रहा है कि ऊंचाई वाले इलाके से लौटते समय वे बर्फ में फंस गए।

टैक्स देने में गड़बड़ी तो अमेरिका में रहना मुश्किल

ग्रीन कार्ड के लिए सख्त हुए नियम

वाशिंगटन। अमेरिका में बसने की चाहत रखने वालों को टैक्स नियमों का पालन करना होगा। टैक्स नियमों का पालन न करने का असर नागरिकता आवेदन पर दिख सकता है। इसको लेकर इमिग्रेशन वकीलों ने चेतावनी जारी की है। यूएससीआईएस का 'एडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस' (ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया) को लेकर अपनाया गया सख्त और विवेकाधीन रवैया, आवेदकों और कुछ मामलों में उनके वित्तीय प्रायोजकों को और अधिक गहन जांच के दायरे में लाता है। टैक्स नियमों का पालन न करने का असर भविष्य में नागरिकता के आवेदनों पर भी पड़ सकता है। मई में अमेरिका के सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (एससीआईएस) की ओर से जारी एक नीतिगत ज्ञापन में 'एडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस' (एओएस) की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित किया गया है। यह वह प्रक्रिया है जिसके तहत अमेरिका में पहले से मौजूद पात्र विदेशी नागरिक स्थायी निवास के लिए अप्लाई करते हैं। अब इसमें बदलाव करते हुए इसे एक 'विवेकाधीन लाभ' माना जाएगा। इस नीति के तहत यूएससीआईएस अधिकारियों को यह तय करने के लिए सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर विचार करना होगा कि क्या आवेदक को मंजूरी दी जानी चाहिए या नहीं।

नवंबर में भारत आ सकते हैं नेपाल के पीएम बालेन शाह

नई दिल्ली। भारत-नेपाल के तनाव के बीच अच्छी खबर आ रही है। जल्द ही दोनों देशों के रिश्ते एक बार फिर पटरी पर आने वाले हैं। नवंबर के आखिरी में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की भारत यात्रा प्रस्तावित है। इससे पहले बालेन शाह की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा का एजेंडा तैयार करने के लिए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी के चार नवंबर को काठमांडू पहुंचने की उम्मीद है। यह यात्रा कई महीनों के राजनयिक तनाव के बाद हो रही है। इसमें मिसरी की एक प्रस्तावित यात्रा का टल जाना और लिपुलेख को लेकर मतभेद जैसी घटनाएं शामिल हैं।

जापान के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

'बोल्सोनारो की अमेरिका यात्रा में ट्रंप ने नहीं की कोई मदद'

अटलांटा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद देश छोड़कर अमेरिका पहुंचे फ्लावियो बोल्सोनारो की यात्रा में कोई मदद नहीं की थी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ चुनाव हारने के बाद फ्लावियो बोल्सोनारो बुधवार को मियामी पहुंचे थे। इससे एक दिन पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो और उनके परिवार को अमेरिकी वीजा दिया जाएगा। यह चुनाव कड़ा मुकाबला था और लैटिन अमेरिका में रूढ़िवादी दलों की चुनावी सफलता के रुझान से अलग रहा। जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अटलांटा पहुंचे रूबियो ने पत्रकारों से कहा, 'हमने किसी भी तरह की मदद नहीं की।' उन्होंने कहा, 'हमें जानकारी मिली थी कि वह अमेरिका पहुंच गए हैं। उनके पास पहले से वीजा था और राष्ट्रपति ने उन्हें देश में प्रवेश की अनुमति देने का फैसला किया।' रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार उनकी यात्रा से जुड़े किसी भी कदम में सीधे तौर पर शामिल नहीं थी।

महिलाओं पर टिप्पणी को लेकर मरियम नवाज के पति की आलोचना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के पति और पूर्व सैन्य अधिकारी कैप्टन (सेवानिवृत्त) मुहम्मद सफदर महिलाओं पर अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने एक रैली में 'मेरा शरीर, मेरी मर्जी' नारे पर सवाल उठाते हुए कहा था कि कैंसर जैसी बीमारी होने पर महिलाएं इलाज के लिए धार्मिक विद्वानों से दुआ और पानी मांगती हैं। उनका वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। मरियम नवाज ने भी उनकी टिप्पणी को 'दिल तोड़ने वाला' बताया। उनकी पोस्ट को पति के बयान पर अप्रत्यक्ष नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है।

नीदरलैंड के तट पर रबर की नाव में फंसे 38 लोगों को बचाया

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के दक्षिणी तट पर शनिवार सुबह रबर की नाव में समुद्र के बीच फंसे 38 लोगों को तटरक्षक बल ने बचाया। नाव में इंजन नहीं था और कोई भी व्यक्ति लाइफ जैकेट नहीं पहने था। सैन्य पुलिस और तटरक्षक बल ने नाव को खींचकर किनारे पहुंचाया। अधिकारियों ने मानव तस्करी के संदेह में दो लोगों को हिरासत में लिया है। सभी लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। फिलहाल उनकी राष्ट्रीयता और प्रवास की स्थिति की जांच की जा रही है। अधिकारियों को यह भी पता नहीं है कि नाव कहां से आई थी और कहां जा रही थी।

एच-1बी वीजाधारकों पर पाबंदियों से अमेरिकी को होगा भारी नुकसान

ह्यूस्टन। अमेरिका में चुनाव से पहले भारतीयों के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी और आव्रजन संबंधी प्रस्तावित पाबंदियों पर चिंता जताते हुए गैर-लाभकारी संगठन



■ इंडियास्पोरा की चेतावनी

इंडियास्पोरा ने आगाह किया है कि एच-1बी वीजा धारकों को निशाना बनाने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो सकता है। संगठन ने भारतीय मूल के पेशेवरों को निशाना बनाने के राजनीतिक प्रयासों पर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने कहा कि भारतीय मूल के पेशेवर स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इंडियास्पोरा के कार्यकारी निदेशक संजीव जोशीपुरा ने कहा, भारत के एच-1बी कर्मचारी अमेरिका को दुनिया में नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में मददगार रहे हैं और उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अरबों डॉलर का योगदान दिया है। उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसका असर बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक के समुदायों पर पड़ेगा। प्रवासी भारतीयों के इस संगठन ने प्रस्तावित नियामकीय उपायों पर भी चिंता जताई। इंडियास्पोरा ने कहा कि विदेशी पेशेवर, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत चिकित्सक और शिक्षक, अमेरिका के उन इलाकों में कार्यबल की कमी दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जहां घरेलू स्तर पर तत्काल पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। इनमें मिसिसिपी डेल्टा जैसे संसाधनों की कमी वाले क्षेत्र भी शामिल हैं।

ट्रंप ने ईरान पर नेतन्याहू से की बात

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब वाशिंगटन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं का आकलन कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस बातचीत से परिचित सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सप्ताह की शुरुआत में व्हाइट हाउस में हुई एक बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत हुई। इस बैठक में ट्रंप ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान दोबारा शुरू करने के संभावित विकल्पों पर चर्चा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है।

मोजतबा के तेवर पर ट्रंप की चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में अमेरिका के पास अभी भी एक या दो ऐसे ठिकाने हैं, जिन्हें निशाना बनाना

■ कहा ईरान के एक-दो ठिकाने अभी बाकी हैं

बाकी है। इनमें एक संदिग्ध भूमिगत परमाणु परिसर भी शामिल है। उनके इस बयान से संकेत मिले हैं कि ईरान में अमेरिका के सैन्य लक्ष्य अभी पूरी तरह पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल को नई चेतावनी दी है। उन्होंने ईरान की सेना को किसी भी दुश्मन के हमले का तुरंत और जोरदार जवाब देने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। शनिवार को फ्लोरिडा स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की सैन्य ताकत और परमाणु कार्यक्रम को काफी कमजोर कर दिया है। हालांकि, अभी भी कुछ ऐसे ठिकाने हैं, जिन्हें निशाना बनाना बाकी है। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, 'हमने उनके परमाणु सिस्टम को नष्ट कर दिया है। अभी भी एक या दो ऐसी जगहें हैं, जिन्हें हमें 'संभालना' है, लेकिन हम ऐसा 10 मिनट के भीतर कर सकते हैं।' उन्होंने खास तौर पर 'पिकएक्स माउंटेन' का जिक्र किया। यह ईरान की नतान्ज परमाणु सुविधा के पास स्थित एक संदिग्ध भूमिगत परमाणु परिसर है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इसे भी निशाना बनाना होगा।

57,000 करोड़ कीक्रिप्टो चोरी में उत्तर कोरियाई हैकर्स का हाथ

एफबीआई की जांच में बड़ा दावा

न्यूयॉर्क। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस से कुछ ही मिनटों में अरबों डॉलर की डिजिटल करेंसी चोरी होने के मामले में अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। एफबीआई के मुताबिक, इस ऐतिहासिक साइबर चोरी के पीछे उत्तर कोरिया के हैकरों का हाथ है। एजेंसी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि इस सप्ताह हुआ हमला 'ट्रेडरट्रेटर' नाम के एक समूह की दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों से जुड़ा है। यही समूह पिछले साल बायबिट से 1.5 अरब डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चोरी करने के मामले में भी शामिल था। एफबीआई ने क्रिप्टो एक्सचेंजों, ब्लॉकचेन एनालिटिक्स कंपनियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से अपील की है कि वे चोरी की गई रकम से जुड़े विभिन्न डिजिटल वॉलेट पतों के लेनदेन को रोकें। इसका मकसद चोरी की रकम को दूसरी जगह भेजकर उसके मूल स्रोत को छिपाने और मनी लॉन्ड्रिंग करने से रोकना है। जांच एजेंसी के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि ट्रेडरट्रेटर चोरी की गई डिजिटल संपत्तियों को मुख्य रूप से एथेरियम क्रिप्टोकरेंसी में बदल रहा है। एफबीआई को आशंका है कि हैकर अब विकेंद्रीकृत वित्तीय प्लेटफॉर्म और इंस्टेंट स्वैप सेवाओं के जरिए इन संपत्तियों को दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में बदलने की कोशिश कर सकते हैं।

जी-20: विदेश मंत्रियों की बैठक में नहीं बनी सहमति



अटलांटा। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक वैश्विक सुरक्षा से जुड़े कई

■ रूस-यूक्रेन समेत कई मुद्दों पर मतभेद से संयुक्त बयान टला

अहम मुद्दों पर बिना किसी साझा सहमति के खत्म हो गई। रूस-यूक्रेन युद्ध समेत कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देशों के बीच मतभेद बैठक के दौरान साफ नजर आए। इन मतभेदों का असर बैठक के नतीजों पर भी पड़ा। इसके चलते सदस्य देशों की ओर से कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया। इसके बजाय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बैठक के अध्यक्ष की ओर से एक बयान जारी किया, जिसमें चर्चा के दौरान सामने आई प्राथमिकताओं का उल्लेख किया गया। इस बयान में किसी मुद्दे पर बनी सहमति या समझौते का जिक्र नहीं था। इसमें ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा से लेकर समुद्री रास्तों पर आवाजाही की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता बताया गया। बैठक के समापन पर पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान को लेकर सभी देशों के बीच आम सहमति बनने की स्थिति नहीं है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 के कुछ देश सप्लाई चेन और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। रुबियो ने शनिवार को भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों के साथ अलग से बातचीत भी की। इसके बाद उन्होंने जी-20 के अंतिम सत्र की अध्यक्षता की। इस सत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य, लाल सागर, काला सागर और दक्षिण चीन सागर में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता पर चर्चा हुई।

ट्रंप को झटका, वॉल स्ट्रीट जर्नल पर मानहानि मुकदमा खारिज

मियामी। एक संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वॉल स्ट्रीट जर्नल और मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक के खिलाफ अरबों डॉलर का मानहानि मुकदमा खारिज कर दिया है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश डैरिन गेल्स ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने कहा कि ट्रंप यह साबित नहीं कर पाए कि प्रतिवादियों ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से मानहानिकारक बयान दिए थे। यह मुकदमा फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से ट्रंप के संबंधों पर एक खबर से जुड़ा था। जर्नल ने पिछले साल एक यौन रूप से उत्तेजक पत्र के बारे में खबर प्रकाशित की थी, जिस पर ट्रंप का नाम था। ट्रंप ने इसे 'झूठा, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक' बताया था। अदालत ने मुकदमे को 'बेबुनियाद' करार दिया, जो जर्नल की खोजी रिपोर्टिंग में खामियां 'गढ़ने' की कोशिश कर रहा था।

लंदन में 'फलस्तीन एक्शन' का समर्थन 139 गिरफ्तार

लंदन। लंदन में अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रतिबंधित 'फलस्तीन एक्शन' के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे 139 लोगों को लंदन पुलिस ने गिरफ्तार किया। हिरासत में लिए गए अधिकांश लोगों ने एक प्रतिबंधित संगठन का समर्थन किया था। 'डिफेंड आवर जूरीज' के अनुसार, जुलाई 2025 से प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर 4,000 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए हैं। ब्रिटेन सरकार ने पिछले साल 'फलस्तीन एक्शन' को आतंकवादी संगठन घोषित किया था, जिसके समर्थन पर 14 साल तक की जेल हो सकती है। शनिवार को लंदन में यह प्रदर्शन 4 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में समूह के आतंकवादी पदनाम के खिलाफ अपील से पहले हुआ। अगस्त में, अमेरिकी सरकार ने भी इस समूह पर प्रतिबंध लगाए थे।

तकनीक | पेंसिल जितना पतला है एक्स-59 प्रायोगिक सुपरसोनिक जेट

अमेरिका के आसमान में नासा का अद्भुत खासियतों का विमान



वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बेहद पतले और नुकीले 'एक्स-59' सुपरसोनिक प्रायोगिक विमान ने अपनी पहली उड़ान की पहली वर्षगांठ पर पूरे अमेरिका के ऊपर से उड़ान भरी। यह विमान कैलिफोर्निया से फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर की यात्रा पर निकला था। उड़ान के दौरान इसे देखने वाले लोगों ने इसके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए, जो तेजी से वायरल हो गए। नासा प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने भी एक्स पर वीडियो की सराहना करते हुए विमान के कैनेडी सेंटर पहुंचने की पुष्टि की। इस यात्रा के दौरान विमान के साथ एक एफ-15, एक एफ/ए-18 और एक गल्फस्ट्रीम सी-20 विमान एस्कॉर्ट के रूप में चल रहे थे।

एक साल में 12000 फीट से 56000 फीट तक का सफर- नासा एरोनॉटिक्स ने बताया कि 28 अक्टूबर 2025 को अपनी पहली उड़ान भरने के बाद से एक्स-59 ने विमानन क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। पहली उड़ान में यह विमान केवल 12,000 फीट की ऊंचाई और 230 मील प्रति घंटे की गति तक पहुंचा था तथा 67 मिनट हवा में रहा था। वहीं, ठीक एक साल बाद 28 अक्टूबर 2026 तक यह विमान 56,000 फीट की अधिकतम ऊंचाई और मैक 1.53 यानी ध्वनि की गति से डेढ़ गुना अधिक की रफ्तार हासिल कर चुका है। अब तक यह कुल 41 परीक्षण उड़ानें पूरी कर चुका है, जिसमें इसकी सबसे लंबी उड़ान 102 मिनट की रही है। नासा का एक्स-59 विमान 99.7 फीट लंबा और 29.5 फीट चौड़ा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी पेंसिल जैसी लंबी और संकरी नोज है, जो विमान की कुल लंबाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा घेरती है। इस डिजाइन का मुख्य उद्देश्य ध्वनि की गति से तेज उड़ते समय पैदा होने वाली शॉक वेव्स को बिखरने से रोकना है, ताकि जमीन पर तेज सोनिक बूम सुनाई न दे। इसके अलावा, इसका इंजन ऊपर की तरफ लगाया गया है ताकि आवाज ऊपर की ओर जाए और निचला हिस्सा पूरी तरह चिकना रखा गया है।

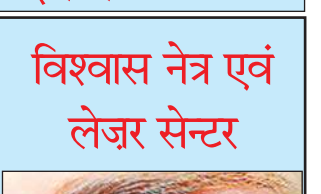
बिना सामने वाली खिड़की के उड़ता है यह विमान- इस विमान का कॉकपिट बीच में स्थित है और इसमें सामने देखने के लिए कोई पारंपरिक शीशा या खिड़की नहीं है। पायलट आगे का दृश्य देखने के लिए नासा के खास एक्सटर्नल विजन सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें हाई-रेजोल्यूशन कैमरे और स्क्रीन लगे हैं।

बाजार दर्पण



उत्सव लॉन्स
गोरखपुर में
शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनो हेतु।
अलहदादपुर, गोरखपुर
फोनः- 0551-2338099
+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर



डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइलः 9415016089